आज का विचार

जिम्मेदारियां भी खूब इम्तिहान लेती है, जो निभाता है उसे को परेशान करती है...।।

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-42 अंक-227 ■ पृष्ठ-8+4 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

अम्बिकापुर, बुधवार 11 जून , 2025

पार्थो सरकार सचिव व सजल नन्दी बने अध्यक्ष

भारतीय टीम से एक और स्टार खिलाड़ी का कटेगा पत्ता? कोच गंभीर के सामने कठिन फैसला

फिर खुली पाकिस्तान की पोल, दाने-दाने को तरस रहे लोग, इस रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

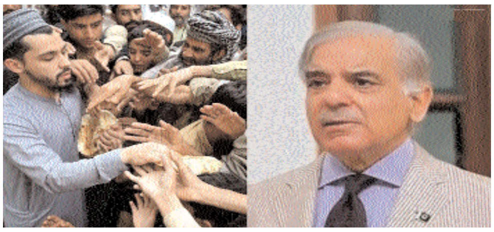

नई दिल्ली। पाकिस्तान एक बार फिर दुनिया के सामने बेनकाब हो गया है. देश में बढ़ती महंगाई और घटती अर्थव्यवस्था लगातार पाकिस्तान को कर्ज की दलदल में ढकेलता जा रहा हैं. भारत और पाकिस्तान की सच्चाई को वर्ल्ड बैंक की एक रिपोर्ट ने सामने लाकर रख दिया है. एक ओर जहां भारत आर्थिक रुप से लगातार मजबूत हो रहा है वहां, दूसरी ओर पाकिस्तान में भुखमरी और गरीबी चरम पर है.

९ साल में कुल २६.९ करोड़ भारतीय गरीबी रेखा से उपर उठे

सबसे पहले चर्चा करते है उस रिपोर्ट की जिसमें यह सच्चाई सामने आई है. वर्ल्ड बैंक की पावर्टी एंड शेयर्ड प्रॉस्पेरिटी' रिपोर्ट के अनुसार, भारत में २०११-१२ में कुल आबादी का २७.१ प्रतिशत गरीबी में जी रहे थे. अब साल २०२२-२३ में मात्र ५.३ प्रतिशत ही ऐसे लोग बचे है जो गरीबी रेखा से नीचे है। यानी बीते ९ साल में कुल २६.९ करोड़ भारतीय गरीबी रेखा से उपर उठे है.

कर्ज लेने के बाद भी हालात नहीं सुधर रहे

इधर, पाकिस्तान की बात करें तो वर्ष २०१७-१८ में गरीबी ४.९ प्रतिशत थी जो २०२०-२१ में बढ़कर १६.५ प्रतिशत पर आ चुकी है। इस रिपोर्ट ने पाकिस्तान की पोल खोल दी है। पाकिस्तान में बढ़ती गरीबी, इस बात का साफ कर रही है कि दुनिया से कर्ज लेने के बाद भी देश के हालात सुधर नहीं रहे।

वर्ल्ड बैंक की परिभाषा?

जानकारी हो कि वर्ल्ड बैंक ने गरीबी की परिभाषा बदल दी है। अब वर्ल्ड बैंक ने अति गरीबी की रेखा २.१५ डॉलर से बढ़ाकर ३ डॉलर प्रति व्यक्ति हर दिन कर दिया है। इस बदलाव के करते ही पाकिस्तान की पोल खुल चुकी है।

पहला कॉलम

कक्षा निर्माण घोटाले में मनीष सिसोदिया को दूसरा समन भेजा गया

नईदिल्ली,10 जून (ए)। दिल्ली की भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने एक बार फिर पूर्व उपमुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया को कक्षा निर्माण घोटाले को लेकर तलब किया है। इससे पहले, सिसोदिया से सोमवार 9 जून को एसीबी कार्यालय में पूछताछ होनी थी, लेकिन वे निजी कारणों से अधिकारियों के सामने उपस्थित नहीं हो सके। हालांकि, घोटाले में आरोपी पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को 6 जून तलब किया गया था। उनसे पूछताछ हो चुकी है। ब्यूरो ने कथित 2,000 करोड़ रुपये के घोटाले के लिए जैन को 6 जून को और सिसोदिया को 9 जून को दिल्ली कार्यालय में बुलाया था। अब सिसोदिया 2 से 3 दिन में पूछताछ के लिए जा सकते हैं। बता दें कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा अभियोजन की मंजूरी दिए जाने के बाद 30 अप्रैल को एसीबी ने दोनों नेताओं के खिलाफ स्नह्वक्र दर्ज की थी। बताया जा रहा है कि सिसोदिया इस पूछताछ में जा सकते हैं। दिल्ली की पूर्ववर्ती आप सरकार में सिसोदिया शिक्षा और वित्त विभाग संभाल रहे थे, जबकि जैन के पास स्वास्थ्य, लोक निर्माण और शहरी विकास विभाग की जिम्मेदारी थी। स्नह्वक्र में केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) की मुख्य तकनीकी परीक्षक रिपोर्ट का हवाला दिया गया है, जिसमें कहा गया है कि आप के कार्यकाल में 12,748 कक्षाओं और इमारतों के निर्माण में गंभीर वित्तीय विसंगति पाई गई है। आरोप है कि निर्माण में अत्यधिक पैसा खर्च किया गया, जबकि लागत कम थी।

कुछ अलग

गोवा के स्वास्थ्य मंत्री से सार्वजनिक माफी की मांग, डॉक्टरों ने हड़ताल की धमकी दी

पणजी,10 जून (ए)। गोवा के स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) रुद्रेश कुट्टीकर को फटकार लगाने का मामला तूल पकड़ रहा है। गोवा एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स के डॉक्टरों का कहना है कि जिस आपातकालीन विभाग में राणे ने सीएमओ को फटकार लगाई है, उसी विभाग में उनको डॉक्टर से सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए। डॉक्टरों ने धमकी दी है कि अगर राणे माफी नहीं मांगते हैं, तो वे सभी हड़ताल पर चले जाएंगे। शनिवार 7 जून को गोवा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल सीएमओ के डॉ. रुद्रेश कुट्टीकर ड्यूटी पर थे, तभी स्वास्थ्य मंत्री राणे ने अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान एक मरीज को इलाज से मना करने पर मंत्री ने सार्वजनिक तौर पर सीएमओ को फटकार लगाते हुए बेइज्जत किया और उनको निलंबित कर दिया था। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर आया था।

खरी-खरी

बेंगलुरु भगदड़: कर्नाटक सरकार ने बनाई थी कार्यक्रम की योजना, राज्यपाल को किया था आमंत्रित

बेंगलुरु,10 जून (ए)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के विजय जलूस के दौरान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में मंगलवार को बड़ा खुलासा हुआ है।

राजभवन के सूत्रों की माने तो इस पूरे कार्यक्रम की योजना कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार ने ही बनाई थी और उसने इसके लिए राज्यपाल थावर चंद गहलोत को भी आधिकारिक रूप से आमंत्रित किया था। ऐसे में राजभवन के इस खुलासे ने सरकार पर कई सवाल खड़े कर दिया है।

ने राजभवन के सूत्रों के हवाले से कहा कि कर्नाटक के राज्यपाल गहलोत ने आरसीबी के खिलाडि ?ों को सम्मानित करने के लिए राजभवन में समारोह आयोजित करने की योजना बनाई थी। हालांकि, इसके बाद राज्य सरकार ने उन्हें सूचित किया कि यह समारोह विधान सौध (विधानसभा और सचिवालय) में आयोजित किया जाएगा।

सूत्र ने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने राज्यपाल को कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आधिकारिक रूप से आमंत्रित किया था।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने रविवार को कहा था, मुख्य सचिव ने मुझसे कार्यक्रम के लिए पूछा था और पुलिस भी इसके लिए सहमत थी। तभी मैंने हरी झंडी दी। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) कोषाध्यक्ष और सचिव ने मुझे आमंत्रित किया था। यह मेरे द्वारा आयोजित कार्यक्रम नहीं था। उन्होंने राज्यपाल को भी आमंत्रित किया था, इसलिए मैं इसमें शामिल हुआ। इसमें मेरी कोई भूमिका नहीं थी।

अब राजभवन सूत्रों के बयान से मुख्यमंत्री का बयान गलत साबित हो रहा है।

इस घटना के बाद केएससीए ने भी खुद को मामले से अलग करते हुए आरसीबी, राज्य सरकार और कार्यक्रम के आयोजकों को जिम्मेदार ठहराते हुए कुप्रबंधन का आरोप लगाया था।

केएससीए ने कहा था कि कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय सरकार द्वारा लिया गया था। यह चिन्नास्वामी स्टेडियम में नहीं, बल्कि विधान सौधा में आयोजित किया गया था। इस आयोजन में उसकी कोई भूमिका नहीं थी और न ही वह गेट या भीड़ प्रबंधन में शामिल था।

इससे पहले गत 8 जून को कर्नाटक विधानसभा सुरक्षा के पुलिस के उपायुक्त एमएन करिबासवना गौड़ा की ओर से 4 जून को कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के सचिव जी सत्यवती सहित अन्य शीर्ष अधिकारियों को भेजा गया एक पत्र भी सामने आया था।

उसमें उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि कार्यक्रम से लाखों प्रशंसकों के एकत्र होने की उम्मीद है। ऐसे में सुरक्षा कर्मियों की कमी को देखते हुए भीड़ का प्रबंधन करना बड़ी चुनौती होगी।

इस मामले में सरकार ने सबसे पहले मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव के गोविंदराज को बर्खास्त कर दिया था और सूचना विभाग के प्रमुख हेमंत निंबालकर का तबादला किया था।

इसके बाद सरकार ने पुलिस को भी जिम्मेदार मानते हुए बेंगलुरु पुलिस आयुक्त बी दयानंद, कब्बन पार्क थानाप्रभारी एके गिरीश, सहायक पुलिस आयुक्त सी बालाकृष्णा, केंद्रीय संभाग पुलिस उपायुक्त शेखर एच टेक्कन्नावर, स्टेडियम के प्रभारी एसीपी विकास कुमार समेत 6 पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया था।

इसी मामले में पुलिस ने आरसीबी के मार्केटिंग प्रमुख निखिल सोसाले को गिरफ्तार किया था। हालांकि, उन्होंने कर्नाटक हाई कोर्ट में याचिका दायर कर गिरफ्तारी को अवैध और मनमाना बताया था।

कोरोना वायरस के 324 नए मामले मिले, मरीजों की संख्या 6,815 पहुंची

नईदिल्ली,10 जून (ए)। कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोतरी जारी है। मंगलवार को पिछले 24 घंटे में 324 नए मरीज मिले हैं, जिससे सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़कर 6,815 पहुंच गई है। हालांकि, वायरस से ठीक होने वाले मरीजों का भी आंकड़ा बढ़ा है। 24 घंटे में 783 मरीज संक्रमण से ठीक हुए हैं। अब तक कुल 7,644 मरीज ठीक हो चुके हैं। दूसरी तरफ, रोजाना मिलने वाले नए मामले भी कम हैं। सोमवार को 2 4 घंटे में 358 मरीज मिले थे।

कर्नाटक में फिर एक बार मरीज बढ ?ा शुरू हो गए हैं। यहां पिछले 24 घंटे में 136 नए मरीज मिले हैं, जिससे कुल मरीजों का आंकड़ा 559 पहुंच गया है।

भारत और म्यांमार सीमा पर पिछले 36 घंटे में लगे भूकंप के 6 झटके

नईदिल्ली,10 जून (ए)। भारत और म्यांमार सीमा पर पिछले 36 घंटों में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। यह हल्के से मध्यम तीव्रता के बताए जा रहे हैं। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 3.8 से लेकर 4.5 मापी गई है। आखिरी भूकंप मंगलवार सुबह 11:21 बजे आया, जिसकी तीव्रता 4.3 मापी गई है।

भूकंप के झटके मणिपुर के पास महसूस किए गए थे।

विशेषज्ञों का कहना है कि भारत-म्यांमार सीमा भूकंप के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है। यहां साल में कई बार भूकंप के झटके लगते हैं।

यह क्षेत्र भारतीय और यूरेशियन प्लेटों के टकराव की विशेषता वाले एक जटिल टेक्टोनिक क्षेत्र में स्थित है।

बताया जाता है कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में सक्रिय सबडक्शन जोन और म्यांमार में प्रमुख सागाइंग फॉल्ट दोनों ही इस क्षेत्र की भूकंपीय गतिविधि में योगदान करते हैं।

इससे पहले 28 मार्च को म्यांमार में 7.7 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था, जिसमें 3,700 से ज्यादा लोग मारे गए थे। भूकंप में काफी नुकसान हुआ था।

उत्तर भारत के कई राज्यों में आसमान से बरसेगी आग, मौसम विभाग का अलर्ट

नई दिल्ली,10 जून (ए)। मौसम विभाग ने उत्तर भारत के कई राज्यों में आने वाले चार से पांच दिनों के दौरान हीटवेव को लेकर अलर्ट किया है. जम्मू-कश्मीर से लेकर पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में आने वाले दिनों में भीषण गर्मी पड़ने का अनुमान है.

वहीं, मौसम विभाग के अनुसार देश के दक्षिणी राज्यों में आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक,केरल, तमिल नाडु, तेलंगाना, लक्षद्वीप और पुदुचेरी में मानसून सक्रिय रहने की संभावना है. इसके चलते 12 से लेकर 15 जून के बीच कर्नाटक में भीषण बारिश के आसार हैं. कोंकण और गोवा में कुछ स्थानों पर 13 से 15 जून के दौरान अत्यधिक भारी वर्षा होने का अनुमान है.

पश्चिमी राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर भीषण गर्मी की स्थिति के साथ कई स्थानों पर लू की स्थिति बनी रही. जम्मू- कश्मीर में अलग-अलग स्थानों पर लू की स्थिति बनी रही. मराठवाड़ा, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई. मिजोरम, गोवा, तमिलनाडु, केरल, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, तेलंगाना, रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा हुई.

तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, मराठवाड़ा, जम्मू-कश्मीर, विदर्भ, पश्चिमी मध्य प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, मध्य महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश और ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर बारिश के साथ तेज हवा चली. केरल, माहे, कर्नाटक, लक्षद्वीप में अगले दो से तीन दिनों के दौरान अधिकांश जगहों पर हल्की बारिश होने का अनुमान है. तेलंगाना, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, रायलसीमा में आज से अगले तीन दिनों के दौरान कई जगहों पर सामान्य बारिश के होने की उम्मीद है. इसी के साथ तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में आज से 12 जून के दौरान विभिन्न स्थानों पर बारिश के साथ आंधी की संभावना है.

मराठवाड़ा में छिटपुट स्थानों पर आज से अगले दो तीन दिनों के दौरान गरज के साथ हल्की बारिश, बिजली चमकने और 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवा चलने की संभावना. मध्य महाराष्ट्र में आज से 14 जून के दौरान बारिश के साथ वज्रपात की संभावना है.

'पति का करीब आना पसंद नहीं... शादी के बाद सोमन रघुवंशी ने प्रेमी को किया था मैसेज

- सोनम ने प्रेमी राज को किया हत्याकांड के लिए तैयार
- साजिश के तहत ही शिलांग जैसी जगह को चुना
- पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है

शिलांग । राजा रघुवंशी हत्याकांड में हर पल नए खुलासे हो रहे हैं। ताजा खबर यह है कि शादी के बाद सोनम रघुवंशी को पति के साथ रहना भी पसंद नहीं था। सोनम ने मैसेज कर कथित प्रेमी राज कुशवाह को बताया था कि उसे पति के साथ शारीरिक संबंध बनाना पसंद नहीं है।

इसके बाद ही सोनम ने राजा की हत्या की साजिश रची थी। इसमें प्रेमी राज को शामिल किया, जिसने अपने तीन दोस्तों की मदद से हत्याकांड को अंजाम दिया। अभी सभी शिलांग पुलिस की गिरफ्त में हैं, जिनसे जल्द पूछताछ की जाएगी।

शादी के तीन दिन बाद ही बना लिया था हत्याकांड का प्लान

सोनम ने शादी के तीन दिन बाद ही पति की हत्या का प्लान बना लिया था। शादी के बाद सोनम लगातार प्रेमी के संपर्क में रही। उसे बताया कि किस तरह वह विधवा होने के बाद राज से शादी रचा लेगी।

साजिश के तहत ही सोनम हनीमून मनाने मेघालय के दूरदराज के इलाके में गई। वहां प्रेमी और उसके दोस्तों को बुला लिया। लगातार लोकेशन शेयर करती रही और आखिरकार मौत के घाट उतार दिया।

१७ दिन बाद सोनम को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से गिरफ्तार कर लिया गया। वह हाईवे के एक ढाबे पर पहुंची और अपने परिवार से संपर्क किया। इससे पहले शिलांग पुलिस अन्य आरोपियों को दबोच चुकी थी।

चाकू से मिला पहला क्लू, तभी आरोपियों तक पहुंची पुलिस

हत्याकांड की साजिश इस तरह से रची गई थी कि मेघालय से लेकर मध्य प्रदेश तक की पुलिस को समझ नहीं आ रहा था। मामले में शिलांग पुलिस को किसी बाहरी के शामिल होने का शक तब मिला, जब हत्या में शामिल चाकू मिला।

शिलांग पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इस तरह का चाकू स्थानीय स्तर पर नहीं मिलता है और यूज भी नहीं किया जाता है। इसके बाद पुलिस ने राजा और सोनम की कॉल डिटेल खंगाली। सोनम अपने प्रेमी राज से लगातार संपर्क में थी।

इसके बाद पुलिस कड़ियां जोड़ती गई और आरोपियों को धर दबोचा। जब आरोपी पकड़ा गए तो सोनम भी टूट गई और गाजीपुर में ढाबे पर पहुंच कर सरेंडर कर दिया।

फ्रांस में नौकरी मिलना न तो नामुमकिन है और न ही आसान

पेरिस दुनिया की चार फैशन राजधानियों में से एक हैं ये वो जगह है जहां दुनिया के सबसे महंगे ब्रैंड जैसे ने जन्म लिया है। जब मैं भारत से यहां पढ़ाई के लिए पहुंचा तो मैं काफी नर्वस था। अब जब मैं पीछे देखता हूं तो अपने आप को काफी रिलैक्स महसूस करता हू क्योंकि मेरा फैसला एकदम सही था।

दिल्ली के अनुविंद ने फ्रांस की एक फैशन कंपनी में नौकरी प्राप्त करके अपने सपनों को साकार किया है। उनके मुताबिक टाइम मैनेजमेंट न केवल आपको छोटे समय में फायदा पहुंचाता है बल्कि आपको इसे अपनी आदत बना लेनी चाहिए। फ्रांस में आकर मैंने जाना कि इंसान को उसी चीज से पहचाना जाता है जो उसने सीखी होती है। पेरिस दुनिया की चार फैशन राजधानियों में से एक हैं ये वो जगह है जहां दुनिया के सबसे महंगे ब्रैंड ने जन्म लिया है। जब मैं भारत से यहां पढ़ाई के लिए पहुंचा तो मैं काफी नर्वस था। अब जब मैं पीछे देखता हूं तो अपने आप को काफी रिलैक्स महसूस करता हूं क्योंकि मेरा फैसला एकदम सही था।

बिजनेस स्कूल को चुनना

मुझे मार्केटिंग का जुनून था क्योंकि इसमें लोगों से मिलना, इनोवेशन और क्रिएटिविटी शामिल थी। ग्रेजुएशन के दौरान मार्केटिंग मेरा फेवरेट था। संभावित ग्राहक की इच्छा और जरूरतों को समझना, सुपरमार्केट में किसी प्रोडक्ट की प्लेसमेंट और मार्केटिंग रणनीति चलाने के लिए डेटा को समझना आदि मुझे हर चीज में स्पेशलाइज करना था। इन सबके ऊपर पिछले कुछ सालों में मुझे फैशन और लग्जरी इंडस्ट्री से लगाव हो गया है। भारत, चीन, तुर्की, रूस और मैक्सिको में उभरती मार्केट्स के साथ यह वो इंडस्ट्री है जो मंदी के दौरान भी अच्छी गति से बढ़ रही थी। मुझे मार्केटिंग में ऐसी डिग्री प्राप्त करनी थी जिसका फोकस फैशन पर हो। गूगल पर सर्च करने क दौरान मुझे पता कि ऐसे केवल कुछ ही संस्थान हैं और इसमें से कुछ बेस्ट बिजनेस स्कूल फ्रांस में हैं। इसके बाद मैने बिना देर किए जीमैट की तैयारी की और अपने ऐडमिशन के लिए मेहनत करने लगा। अचानक एक दिन सुबह मुझे संस्थान से ईमेल मिला कि मेरा चयन हो गया है।

जिंदगी बदलने वाला अनुभव

शुरुआती हफ्ते में मुझे काफी अजीब और उत्साहवर्धक लगा। अजीब इसलिए लगा क्योंकि यह मेरे लिए एकदम नई शुरुआत थी 30 से ज्यादा देशों के छात्र मेरी क्लास में थे। उत्साहवर्धक इसलिए लगा क्योंकि यहा सीखने के लिए काफी कुछ था।

करियर और उसके बाद

मैं हमेशा से ही फैशन और लग्जरी इंडस्ट्री में काम करना चाहता था और इस स्ट्रीम में मैने ॥ससष्ट ॥सष्ट से स्पेशलाइजेशन किया था। फ्रांस में नौकरी मिलना ना तो नामुमकिन है और न ही आसान। मुझे काफी फायदा हुआ। फ्रांस के टॉप संस्थान से ग्रेजुएशन करना अपने आप में गर्व की बात थी। पढ़ाई के दौरान मुझे कई जगह इंटर्नशिप करने का मौका मिला। मैंने इंटर्नशिप की जो एक बड़ी फैशन और कॉस्मैटिक कंपनी है। फ्रांस ने केवल पेशवर तरीके से मेरी मदद की बल्कि मुझे किराए पर कमरा दिलाने और पेपरवर्क में आसानी के लिए फ्रेंच भी सिखाई। मैं पेरिस में रहने से अपने आप को भाग्यशाली मानता हूं। यह दुनिया की फैशन कैपिटल है।

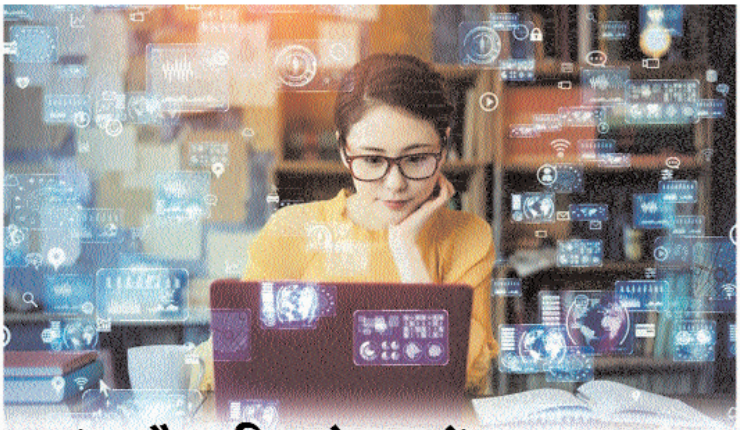

साइंस और गणित के छात्रों की तरह ह्यूमैनिटीज में भी हैं कई करियर विकल्प

ह्यूमैनिटीज के छात्रों के पास बहुत सारे करियर ऑप्शन हैं। अगर आप भी ह्यूमेनिटीज के छात्र हैं और अपने लिए एक अच्छा करियर ऑप्शन ढूंढ रहे हैं तो यह आर्टिकल आपकी मदद करेगा। इस आर्टिकल में हमने कई सारे टॉप करियर ऑप्शन के बारे में बताया है।

ह्यूमेनिटीज क्षेत्र के छात्रों के पास भी साइंस और गणित के छात्रों की तरह कई करियर विकल्प होते हैं, जिनमें उन्हें अपनी रुचि और प्रतिभा के अनुसार चुनने का विकल्प होता है। ये छात्र शिक्षा, जर्नलिज्म आदि में अपना करियर बना सकते हैं। इन क्षेत्रों में काम करने के लिए उन्हें उनकी सामाजिक समझ, कम्युनिकेशन स्किल, और क्रिएटरनेस का उपयोग करना पड़ता है। आइए जानते हैं इन जॉब्स के बारे में।

जर्नलिज्म

जर्नलिज्म को देश का चौथा पिलर माना जाता है। डिजिटलीकरण के बाद से इसमें पिछले कुछ वर्षों में तेजी से वृद्धि देखने को मिली है, जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़ गए हैं। अगर आपकी जर्नलिज्म में रूचि है तो आप इस क्षेत्र में जरुर जाएं। आप न्यूज़ रिपोर्टर, फीचर राइटर, एडिटर, मल्टीमीडिया जर्नलिस्ट, संवाददाता या न्यूज एंकर बनकर अपने करियर में आगे बढ़ सकते हैं।

लॉ

लॉ बहुत ही प्रेस्टीजियस फील्ड मे से एक है। आप एलएलबी करने के बाद विभिन्न फर्म, कंपनियों और गवर्नमेंट ऑर्गनाइजेशन में लीगल कंसल्टेंट बन सकते हैं। अपनी स्पेशलाइजेशन के साथ आप लीगल एडवाइजर के रूप में काम कर सकते हैं और क्लाइंट को विभिन्न समस्याओं पर सलाह दे सकते हैं। आप वकील के रूप में कोर्ट में भी वकालत कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त सरकारी परीक्षा की तयारी करके जज बनना भी एक बहुत अच्छा विकल्प है ।

टीचिंग

टीचिंग की जॉब एक बहुत ही अच्छी जॉब होने के साथ-साथ बहुत सम्माननीय जॉब भी होती है। यह एक चुनौतीपूर्ण करियर भी है, जिसमे आपको एजुकेशन के क्षेत्र मे अपना जीवन समर्पित करना पड़ता है। भारत मे योग्य शिक्षकों की मांग सभी स्तरों पर बहुत ज्यादा है। अगर आपकी रुचि भी शिक्षा और उससे संबंधित क्षेत्र में है तो आप एक टीचर बनकर बच्चे जो देश का भविष्य होते हैं उन्हें सही मार्ग दिखाकर देश की प्रगति में सहयोग कर सकते हैं।

ह्यूमन रिसोर्स

ह्यूमन रिसोर्स एक बहुत ही अच्छा करियर विकल्प हो सकता है, खासकर उन लोगों के लिए जो लोगों के साथ काम करने में रुचि रखते हैं और संगठन की स्ट्रेंथ को बढ़ाने के लिए योगदान देना चाहते हैं। इसमें आप लोगों के मैनेजमेंट, विकास, और कार्यसंगठन से संबोधित काम करते हैं।

मास कम्युनिकेशन

मास कम्युनिकेशन विभिन्न माध्यमो के माध्यम से संचार की प्रक्रिया को समझने और समाचार, सूचना, और विचारों को साझा करने में मदद करता है। आप रेडियो जॉकी, विज्ञापन और ब्रांडिंग स्पेशलिस्ट, सोशल मीडिया मैनेजर, फिल्म और टेलीविजन निर्माता या डायरेक्टर बनकर इस फील्ड में काम कर सकते हैं।

एडवरटाइजिंग

आपने किसी भी नए प्रोडक्ट को मार्केट में लाना हो या पुराने के बारे में भी कोई जानकारी देनी हो तो एडवरटाइजिंग सबसे बेस्ट तरीका होता है। इसीलिए इस फील्ड में बहुत स्कोप है। इसमें आपके प्रभावी ढग से लिखने और बोलने की क्षमता जैसे गुणों की आवश्यकता होती है। आप एडवरटाइजिंग मैनेजर बनकर अभियानों के लिए योजनाओं का फ्रेमवर्क तैयार करने का काम करते हैं।

राइटिंग और एडिटिंग

राइटिंग कोई नया फील्ड नहीं है जिसके बारे में बहुत ज्यादा जानकारी देने की जरूरत है लेकिन यह फील्ड इतना बड़ा है कि इसमें ना तो कभी जॉब्स की कमी होती है और ना ही कभी इंसान बोर हो सकता है अगर आपको लिखने में रूचि है तो आप कॉपीराइटर और कंटेंट राइटर बनकर कंपनियों, विज्ञापन एजेंसियों, वेबसाइटों, ब्लॉगों, या ई-कॉमर्स साइटों के लिए कंटेंट लिख सकते हैं। आप प्रेस एजेंट और पब्लिक रिलेशन्स राइटर के रूप में भी काम कर सकते हैं। आप प्रोफेशनल लेखक बनकर किताब, आर्टिकल और मैगजीन लिखने का काम कर सकते हैं।

पब्लिक रिलेशन और कम्युनिकेशन - ह्यूमैनिटीज के छात्रों के पास अवसर अच्छी कम्युनिकेशन स्किल होती हैं। जिससे उनके लिए पब्लिक रिलेशन, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन या मार्केटिंग में करियर बनाना आसान हो जाता है। आप विज्ञापन एजेंसियों, पब्लिक रिलेशन फर्मों या कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन विभागों जैसे क्षेत्रों में काम कर सकते हैं।

एमसीए करने के 5 बड़े फायदे

मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस (एमसीए) दो साल का स्नातकोत्तर कार्यक्रम है। यह डिग्री आपको कंप्यूटर एप्लिकेशन डेवलपमेंट और कई तरह की प्रोग्रामिंग भाषाओं की गहन समझ हासिल करने में मदद करती है। साथ ही साथ सैद्धांतिक और प्रैक्टिकल स्किल भी प्रदान करती है। ऐसे में मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस (एमसीए) करना एक शानदार फैसला साबित हो सकता है।

एडवांस्ड नॉलेज

एमसीए कार्यक्रम में स्पेशल कंप्यूटर साइंस, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और सूचना प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम शामिल है। आप डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेशन प्लेटफॉर्म से लेकर नेटवर्क सिक्योरिटी और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट तक नवीनतम तकनीकों में गहन ज्ञान और व्यावहारिक विशेषज्ञता हासिल करेंगे। यह विशेष ज्ञान न सिर्फ आपकी तकनीकी क्षमताओं को निखारता है बल्कि आपको कठिन रोजगार बाजार में एक मूल्यवान उम्मीदवार बनाता है।

करियर ग्रोथ

आज के डिजिटल युग में कंपनियों में योग्य आईटी कर्मचारियों की मांग तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में एमसीए की डिग्री आपको आकर्षक नौकरी के अवसरों का लाभ उठाने और तेजी से कैरियर में ग्रोथ करने में सक्षम बनाती है। चाहे आपका सपना प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर, कंप्यूटर विश्लेषक या फिर प्रोग्राम आर्किटेक्ट या आईटी सलाहकार ही बनना हो। इन सबके अलावा एमसीए आपको करियर के कई अन्य मौके भी देता है।

विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त डिग्री

एमसीए की डिग्री को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है, जो छात्रों को देश और विदेश दोनों जगहों पर नौकरी के अवसर तलाशने की स्वतंत्रता प्रदान करती है। चाहे आपके कैरियर के लक्ष्य सरकारी संगठनों, तकनीक-आधारित स्टार्टअप्स ही क्यों न हों।

इंडस्ट्री के अनुसार

एमसीए को इंडस्ट्री को ध्यान में रखकर बनाया गया है। तेजी से बदलते तकनीकी परिदृश्य के साथ तालमेल रखने के लिए छात्रों को आधुनिक तकनीकों जैसे सूचना सुरक्षा, ऑनलाइन कंप्यूटिंग, मशीन के एल्गोरिदम और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के बारे में जानने का मौका मिलता है। आज के प्रतिस्पर्धी रोजगार बाजार में एमसीए की डिग्री रखने से काफी फायदा होता है क्योंकि कंपनियां आधुनिक कौशल और दक्षता को बहुत महत्व देती हैं।

नेटवर्किंग के अवसर

एमसीए करने से आपको शिक्षकों, अन्य छात्रों और उद्योग विशेषज्ञों के साथ संबंध बनाने के कई मौके मिलते हैं। बिजनेस वर्कशॉप, इंटर्नशिप, गेस्ट लेक्चर्स, पूर्व छात्र सम्मेलन या अन्य माध्यमों से छात्रों को ऐसे लोगों से जुड़ने का अवसर मिलता है जो उन्हें महत्वपूर्ण सलाह, करियर संबंधी सुझाव और मार्गदर्शन दे सकते हैं। एक मजबूत प्रोफेशनल नेटवर्क विकसित करना न केवल आपको अच्छी नौकरी पाने की संभावनाओं को बढ़ाता है बल्कि कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में दिलचस्प करियर के द्वार भी खोलता है।

साउंड इंजीनियरिंग एक ऐसी स्ट्रीम है जिसमें आर्ट और साइंस एक साथ आते हैं। इसके अंतर्गत विभिन्न मीडिया जैसे कि वीडियो गेम, संगीत, फिल्में, टेलीविजन और रेडियो में उपयोग करने के लिए ऑडियो को बनाना, मिक्स करना, रिकॉर्डिंग और एडिटिंग का मुश्किल प्रोसेस शामिल है।

साउंड इंजीनियरिंग के टॉप करियर ऑप्शन

किसी विशेष कार्य के लिए बेस्ट ऑडियो गुणवत्ता की गारंटी देना ही साउंड इंजीनियरिंग है। इसके डायवर्स क्षेत्र को तकनीकी विशेषज्ञता और आर्टिस्टिक सेंसटिविटी दोनों में स्ट्रोंग बेस की आवश्यकता है। इस क्षेत्र के पेशेवरों को साउंड फिजिक्स में काबिल होना चाहिए, विभिन्न प्रकार के ऑडियो उपकरणों में निपुण होना चाहिए और ऑडियो क्रिएशन की आर्ट में कुशल होना चाहिए। एक साउंड मिक्सिंग इंजीनियर वह व्यक्ति होता है जो ऑडियो की आर्ट और साइंस को जानता है। यह व्यक्ति ऑडियो एलमेंट्स को मिक्स और बैलेंस करता है। इस आर्टिकल में साउंड इंजीनियरिंग की दुनिया, योग्यताओं, करियर विकल्पों के बारे में बताया गया है।

म्यूजिक प्रोडक्शन

संगीत रिकॉर्ड करने और बनाने के लिए, रिकॉर्डिंग स्टूडियो में साउंड इंजीनियर संगीतकारों के साथ काम करते हैं। वे सावधानीपूर्वक अलग-अलग लेवेल्स को मिक्स करते हैं और ट्रैक बनाते हैं, जिससे संगीत रचनाओं की साउंड टेपेस्ट्री बनती है।

लाइव साउंड

इस डोमेन के विशेषज्ञ एथलेटिक इवेंट, थिएटर शो और संगीत कार्यक्रम जैसे लाइव इवेंट के दौरान ऑडियो को सँभालते हैं। इसका काम यह सुनिश्चित करना होता है कि दर्शकों को एररलेस ऑडियो अनुभव मिले।

फिल्म और टेलीविजन

विजुअल मीडिया के दायरे में, साउंड इंजीनियर फिल्मों, टीवी सीरीज और विज्ञापनों के लिए ऑडियो रिकॉर्ड करने और एडिट करने की जिम्मेदारी निभाते हैं। उनकी विशेषज्ञता डायलॉग और साउंड इफैक्ट्स में जान डाल देती है।

गेमिंग इंडस्ट्री

साउंड इंजीनियर डीप और कंपलेक्स साउंड लैंडस्केप को और प्रभावी बनाकर गेमिंग डोमेन में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, जिससे आपको रियल गेमिंग अनुभव मिलता है।

रेडियो और प्रसारण

रेडियो स्टेशन और प्रसारण स्टूडियो, ऑडियो की हाईएस्ट क्वालिटी बनाए रखने के लिए साउंड इंजीनियरों पर बड़े पैमाने पर निर्भर करते हैं। ये प्रोफेशनल सुनिश्चित करते हैं कि रेडियो प्रसारण और अन्य ऑडियो सामग्री लगातार कड़े मानकों को पूरा करें।

पोस्ट-प्रोडक्शन

पोस्ट-प्रोडक्शन में विशेषज्ञता रखने वाले साउंड इंजीनियर इनिशियल रिकॉर्डिंग फेज के बाद परियोजनाओं पर काम शुरू करते हैं, विशिष्ट परियोजना आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सावधानीपूर्वक ऑडियो रीसर्च और एडिटिंग करते हैं।

क्या होता है डीएनए, जिससे खुल जाते है पीढ़ियों के राज

डीएनए टेस्ट जिसे करने से व्यक्ति के बारे में सम्पूर्ण जानकारी मिल जाती हैं। क्या आप इसके बारें में जानते है? क्या आप जानते है भारत में पहली बार डीएनए टेस्ट कब किया गया था? यदि आप भी डीएनए टेस्ट के बारे में नहीं जानते हैं तो यह खबर आपके काम की हैं।

डीएनए टेस्ट एक शक्तिशाली और विश्वासनीय विज्ञान है, जिसके जरिए हम व्यक्ति के जन्म से लेकर उसके वंश और स्वास्थ्य का विश्वासनीय ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। यह विज्ञानिक रूप से प्रमाणित है। दरअसल आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन डीएनए से आप व्यक्ति की पूरी जानकारी निकाल सकते हैं। दरअसल डीएनए न सिर्फ व्यक्ति के माता-पिता की जानकारी मिल सकती हैं बल्कि इससे उसकी पुरानी पीढ़ियों, बीमारियों और मजबूती के बारे में पता लगाया जा सकता है। दरअसल आपको बता दें भारत में पहला डीएनए टेस्ट 1991 में हुआ था।

क्या होता है डीएनए?

दरअसल जैसे ज्योतिष में कुंडली का महत्व होता है, ठीक उसी तरह डीएनए से हम व्यक्ति के जींस, पूर्वजों और उनकी आनुवंशिक ज्ञान को प्राप्त कर सकते हैं। आपको बता दें की डीएनए को डीऑक्सीराइबो न्यूक्लिक एसिड कहा जाता हैं। जानकारी के अनुसार यह हमारे शरीर में मौजूद एक अणु होता है। दरअसल किसी भी व्यक्ति का एक अद्वितीय आनुवंशिक और अलग कोड होता है। आपको जानकारी होगी कि हमारे शरीर में कई करोड़ सेल्स दौड़ती हैं। वहीं ये रेड सेल्स को छोड़कर अन्य सभी सेल्स में एक जेनेटिक कोडिंग होती हैं, जो शरीर को बनाती है। बस इसी कोडिंग की मदद से डीएनए पूर्वज तक की जानकारी निकल लेता हैं। दरअसल इसमें उनके स्वास्थ्य, बीमारियों, उनके वंश के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी होती है। इस जानकारी का प्रयोग तब किया जाता है जब बड़े आपराधिक मामलों में डीएनए टेस्ट की जरूरत पड़ती है।

कैसे करते हैं डीएनए टेस्ट?

डीएनए टेस्ट की जांच के लिए विभिन्न शरीरिक नमूने लिए जाते हैं, जैसे कि मुख की लार, दांत, हड्डियां, नाखून या पेशाब। ये नमूने साइंटिफिक तरीके से प्रक्रियाओं के माध्यम से लेकर डीएनए कोशिकाओं को अलग किया जाता है और उससे व्यक्ति के आनुवंशिक ज्ञान का पता लगाया जाता है।

उरई की ऐतिहासिक लंका मीनार...

जहां भाई-बहनों का प्रवेश है निषेध

भारत, आस्था और मान्यताओं का देश माना जाता है, जहां हर ऐतिहासिक स्थल और मंदिर के पीछे अपनी अलग मान्यता होती है। आज हम आपको एक ऐसे ही धार्मिक स्थल के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके साथ बेहद ही रोचक मान्यता जुड़ी हुई है। दरअसल आज हम बात कर रहे हैं लंका मीनार की, जिसके बारे में कहा जाता है कि यहां सिर्फ प्रेमी-प्रेमिका या पति-पत्नी ही प्रवेश कर सकते हैं। यहां भाई बहनो का प्रवेश निषेध है।

भारत कई संस्कृतियों और परंपराओं का देश है। यहां का समाज सदियों से चले आ रहे हैं रीती-रिवाजों का प्लान करता है। इसके अलावा यहां कई अजीबों-गरीब मान्यताओं का भी खूब चलन है, जिनके बारे में जानकार हर कोई हैरान रह जाता है। भारत की एक ऐसी ही मान्यता है, जिसके बारे में आज हम आपको इस लेख में बताने जा रहे हैं, जो एक मीनार से जुड़ी हई है। ऐसा कहा जाता है कि इस मीनार पर भाई-बहन एक साथ चढ़कर ऊपर जा नहीं जा सकते।

25 वर्षों में मीनार का हुआ था पूरा निर्माण

नगर के मोहल्ला रावगंज स्थित लंका मीनार का निर्माण बाबू मथुरा प्रसाद निगम लंकेश ने सन 1875 में कराया था। 25 वर्षों में लंका मीनार का निर्माण पूरा हुआ था। लंकेश के वंशज विवेक कुमार निगम बताते है कि लंका मीनार में ऊपर चढने के लिये सात गोल फेरों से होकर जाना पड़ता है इसलिये यहां पर भाई बहन चाचा भतीजी मामा भांजी आदि रिश्तों को ध्यान में रख कर लोग लंका मीनार पर चढ़ते हैं लंका मीनार के सात फेरों को शादी के सात फेरों से जोड़ कर देखा जाता है। यदि उक्त रिश्ते के लोग साथ मे लंका मे चढ़ते हैं तो उन्हें पति पत्नी मान लिया जाता है। हालांकि यह बात कहीं इतिहास में दर्ज नही है। यह केवल किवदंती मात्र है।

रावण का पूरा परिवार सहित संसार के सारे देवी देवता स्थापित हैं

लंका मीनार की देखरेख करने वाले विवेक निगम बताते हैं कि लंका मीनार परिसर में रावण के पूरे परिवार के लोगों की मूर्तियां स्थापित हैं। रामचरित मानस के अयोध्याकाण्ड में जितने भी देवी देवताओं का वर्णन मिलता है सभी के चित्र लंका मीनार में स्थापित है वहीं रावण की विशाल काय प्रतिमा के सन्मुख चित्रगुप्त का मंदिर है। इस मंदिर को कुछ इस तरीके से बनाया गया है कि 12 मास 24 घंटे रावण की दृष्टि शिवलिंग पर पड़ती है इसी मंदिर मे संसार के सभी देवी देवता की प्रतिमा स्थापित है

उत्तर प्रदेश में मौजूद है 'लंका मीनार'

इस मीनार की अजीब मान्यता रावण को समर्पित है। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में स्थित इस मीनार के अंदर रावण के पूरे परिवार के चित्र बनाए गए हैं। वैसे मीनार ज्यादा बड़ी नहीं है, लेकिन अपनी अजीब मान्यता की वजह से ये जगह एक टूरिस्ट स्पॉट में बदल चुकी है। इस स्थान का अनुभव लेने के लिए लोग यहां दूर-दूर से आते हैं।

क्यों कराया गया इस मीनार का निर्माण?

इस मीनार के निर्माण की कहानी बड़ी दिलचस्प है. जानकारी के अनुसार, यह मीनार 1857 में, मथुरा प्रसाद नामक एक व्यक्ति द्वारा बनवाई गई थी. कहते हैं कि मथुरा प्रसाद ने रावण की याद में इस मीनार का निर्माण करवाया था. इसलिए, इसका नाम 'लंका मीनार' रखा गया.

मंदिर को बनाने की कहानी

इस मीनार के निर्माण की कहानी बेहद ही दिलचस्प है। इस मीनार को 1857 में, मथुरा प्रसाद निगम के एक व्यक्ति द्वारा बनवाया गया था। ऐसा कहा जाता है कि उन्होंने रावण की याद में इस मीनार का निर्माण किया था, जिस वजह से इसका नाम 'लंका मीनार' रखा गया। मथुरा प्रसाद एक कलाकर के रूप में ज्यादातर रावण का किरदार करते थे। ऐसा कहा जाता है कि रावण की भूमिका ने उनपर इतनी बड़ी छाप छोड़ी कि उन्होंने रावण की याद में एक मीनार बनवा डाला। लंका मीनार को बनाने में 20 साल का समय लगा था। टॉवर की ऊंचाई 210 फीट है। इस मीनार को बनाने में उस समय लगभग 1 लाख 75 हजार का खर्चा आया था।

शादी के सात फेरों से जोड़कर देखा जाता हैं इसे

नगर की लंका मीनार एक ऐसा स्थान है जहां पर भाई बहन मामा भांजी चाचा भतीजी आदि साथ में मीनार पर नहीं चढ़ सकते हैं। क्योंकि इसमें चढने के लिए सात गोल चक्कर हैं जिन्हें शादी के सात फेरों से जोड़कर देखा जाता है। कहा जाता है यदि उक्त रिश्ते वाले लोग यदि बिना ध्यान दिये लंका में चढ़ जाते हैं तो उन्हें पति पत्नी माना जाता है। इसकी जानकारी पहले लंका मीनार के बाहर भी लिखी थी।

बहन-भाई नहीं जा सकते

लंका मीनार को लेकर एक अजीब मान्यता ये भी है कि यहां मीनार में भाई बहन एक साथ ऊपर नहीं जा सकते हैं। असल में, मीनार के ऊपर जाने के लिए 7 परिक्रमाओं को पूरा करना पड़ता है, जिसे भाई-बहन द्वारा पूरा नहीं किया जा सकता। यही कारण कि मीनार के ऊपर एक साथ भाई बहनों का जाना मना है। इसे मान्यता को आप भी कुछ कह लें, लेकिन स्थानीय लोगों द्वारा इसका पालन सालों से किया जा रहा है।

कौड़ी, केसर, शीप, दाल, गुड़ आदि के मिश्रण से हुआ था निर्माण

विवेक कुमार निगम बताते हैं कि इस मीनार का निर्माण कौड़ी, केसर, शीप, उर्द की दाल, गुड़ और चूने आदि का प्रयोग करके कराया गया था। इसका निर्माण कारीगर अजीम ने किया था। लंका मीनार की लंबाई लगभग 30 मीटर है, जिसमें सात घुमावदार मोड़ हैं। वहीं लंका मीनार परिसर में रावण का पूरे परिवार का चित्रण है, जिसमें सौ फीट के कुंभकर्ण व 65 फीट ऊंचे मेघनाद की प्रतिमाएं विराजमान हैं।

यहां ट्रेन से उतरते हैं भूत, खौफनाक नजारा देख भागे कारीगर, अब तक अधूरा है ये स्टेशन!

दुनिया में ऐसी कई जगहें हैं, जिनसे भूतों का कनेक्शन जुड़ गया है. भूत होते हैं या नहीं, ये तो व्यक्तिगत मान्यताओं पर निर्भर करता है. पर इन जगहों पर जाकर बहुत से लोगों ने ये दावा किया है कि उन्हें ऐसा महसूस हुआ है कि उनके इर्द-गिर्द भूतों जैसा कुछ मौजूद है. ऐसी ही एक जगह स्वीडन में मौजूद है. ये एक रेलवे स्टेशन है, जिसके लिए कहा जाता है कि यहां भूतों से भरी ट्रेन आती है और यहां पर सिर्फ भूतों का ही राज चलता है. जब आप इस जगह के बारे में जानेंगे, तो आपकी भी रूह कांप उठेगी.

रिपोर्ट के अनुसार स्वीडन की राजधानी स्टॉकहॉम शहर में एक मेट्रो स्टेशन है, जिसका नाम है किमलिंज मेट्रो स्टेशन. शहर के आम लोगों की कहानियों और किस्सों में ये स्टेशन भुतहा है. अब वास्तविकता क्या है, ये तो कोई भी ठीक-ठीक नहीं बताता, पर मान्यताओं में यहां लोग जाने से डरते हैं. इसी वजह से ये स्टेशन आजतक अधूरा है. माना जाता है कि सालों पहले जब इस स्टेशन को बनाने का कार्य जारी था, तो यहां काम करने वाले कारीगर रातों-रात भाग निकले थे.

स्टेशन क्यों रह गया अधूरा?

उन्होंने अपने परिवार-दोस्तों से स्टेशन के राज का खुलासा करते हुए बताया था कि वहां भूत हैं. उनका कहना था कि रात में इस स्टेशन पर कुछ ट्रेनें आती हैं, जिनसे भूत उतरते हैं. तब से लोगों में ये अफवाह फैल गई कि स्टेशन पर देर रात ऐसी ट्रेनें आती हैं, जिसमें से भूत यात्रा कर यहां उतरते हैं. इस स्टेशन से जुड़ी जो सबसे खौफनाक बात है, वो है सिल्वर एरो ट्रेन. ये ट्रेन अपने में काफी अनोखी लगती है.

ट्रेन से उतरते थे भूत

1960 के दशक में स्टॉकहोम मेट्रो को 8 ट्रेनों की सौगात मिली थी जो अल्युमीनियम से पूरी तरह बनी थीं. वैसे तो ये स्वीडन में आम बात थी, पर जब वो उन ट्रेनों को स्टेशन पर लाया गया, तो उन्हें स्टॉकहोम की ट्रेनों के अन्य कोच की तरह हरे रंग में नहीं रंगा गया. प्रशासन ने सोचा था कि सिल्वर रंग के कोच, बाकी कोच से अलग नजर आएंगे. पर उन्हें ये कहां पता था कि इसकी वजह से अफवाहें भी फैलने लगेंगी. धीरे-धीरे अफवाह फैलने लगी कि ये ट्रेन रात में अपने आप चलने लगती है. बाकी ट्रेनों पर लोग स्प्रे पेंट से पेंटिंग कर देते थे, या कोई विज्ञापन चिपका देते थे, पर सिल्वर एरो ट्रेनें बिना किसी दाग की होती थीं. लोगों का मानना था कि ऐसा सिर्फ इस वजह से है क्योंकि ट्रेनों को भूत प्रयोग कर रहे हैं. कुछ लोग ये भी मानते थे कि अगर ट्रेन पर कोई जीवित व्यक्ति चढ़ गया, तो जो नीचे उतरेगा, वो उसका भूत होगा.

क्या था सच

प्रशासन ने इस स्टेशन और ट्रेन के बारे में कई बार बताया है. उनका कहना है कि स्टेशन खाली नहीं रहता, बस उसके निर्माण कार्य पर रोक लग गई थी. वो इसलिए क्योंकि स्टेशन जंगलों के बीच स्थित था और प्रशासन ने तय किया कि वो उसके आसपास की प्राकृतिक खूबसूरती को नष्ट नहीं करना चाहते. इसके अलावा उन्हें लगा था कि ट्रेन को सिल्वर रंग का छोड़ने से उन्हें ये पता चल जाएगा कि यात्रियों को रंगीन ट्रेनों पर चलना पसंद है या फिर सादे रंग की ट्रेनों पर. इसके अलावा पेंट न करने से उनके काफी रुपये बच रहे थे. न जाने कैसे, लोगों ने ट्रेन को लेकर भूतों की बातें शुरू कर दीं. ऐसी रोचक जानकारियों के लिए जुड़े रहें.

कभी-कभी ऐसी घटनाएं घट जाती हैं, जिनपर विश्वास करना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन सा लगने लगता है। आज से 66 साल पहले कुछ ऐसी ही घटना जापान के एक एयरपोर्ट पर घटी थी, जो आज भी एक अनसुलझी पहेली की तरह है। दरअसल, यहां एक रहस्यमय शख्स आ गया था, जो खुद को एक ऐसे देश का नागरिक बता रहा था, जो असल में धरती पर कहीं है ही नहीं। इतना ही नहीं, एक बंद कमरे से वो अचानक गायब भी हो गया था, जिसके बाद वो कभी नहीं दिखा।

66 साल से रहस्य बना है काल्पनिक देश से आया शख्स, अचानक हो गया था गायब

यह घटना जुलाई 1954 की है। दोपहर के 12.30 बज रहे थे। एक यूरोपीय विमान टोक्यो के हेनेडा हवाईअड्डे पर लैंड हुआ। विमान में सवार सभी यात्री नीचे उतरे और चेक आउट काउंटर की तरफ गए। वहां बैठे अधिकारी सभी यात्रियों के पासपोर्ट की जांच कर रहे थे। तभी उन्हें एक ऐसा यात्री मिला, जिसके पासपोर्ट को देख कर वो हैरान रह गए। यात्री के पासपोर्ट पर टॉरेड नाम के एक देश का नाम लिखा हुआ था। जांच कर रहे अधिकारियों ने इससे पहले कभी ऐसे किसी देश का नाम नहीं सुना था। उन्हें वो यात्री संदिग्ध लगा, इसलिए उन्होंने इसकी सूचना सुरक्षा अधिकारियों को दी, जिसके बाद उस यात्री को पूछताछ के लिए अलग कमरे में ले जाया गया। अधिकारियों ने सबसे पहले तो उससे जापान आने का कारण पूछा। इस पर उसने बताया कि वह एक कारोबारी है और बिजनेस के सिलसिले में ही यहां आया है। सुरक्षा अधिकारियों ने उस रहस्यमय यात्री के पासपोर्ट की जांच की, जिसपर उसके देश का नाम टॉरेड लिखा था। उन्हें भी बड़ा आश्चर्य हुआ कि क्या सच में ऐसा कोई देश है। अधिकारियों के पूछने पर उसने बताया कि इस पासपोर्ट पर ये कोई उसकी पहली यात्रा नहीं है बल्कि वो यूरोप के कई देशों में भी जा चुका है। अधिकारियों को भी उसकी बातें सुनकर बड़ा आश्चर्य हुआ, क्योंकि उसके पासपोर्ट पर अन्य देशों के जो मुहर लगे थे, वो बिल्कुल असली थे। फिर भी वो इस बात को मानने को कतई तैयार नहीं थे कि जिस देश से वह यात्री आया है, असल में वो धरती पर कहीं है। सुरक्षा अधिकारियों ने यह जानने के लिए कि टॉरेड आखिर धरती पर है कहां, उस यात्री को दुनिया का मैप दिखाया और पूछा कि उसका देश कहां है। इसपर उस यात्री ने अंडोरा नाम के देश पर ऊंगली रखते हुए कहा कि यहां उसका देश है, लेकिन उसे ये समझ नहीं आ रहा कि यहां टॉरेड की जगह अंडोरा क्यों लिखा हुआ है। यह सुनकर अधिकारी और भी ज्यादा हैरान हो गए कि आखिर ये शख्स खुद को एक काल्पनिक देश का क्यों बता रहा है, लेकिन उसके पासपोर्ट, वीजा और अन्य दस्तावेजों को देखकर लग रहा था कि वो सच बोल रहा है।

अब वो रहस्यमय यात्री सच बोल रहा है या झूठ, यह जानने का एक ही उपाय था और वो ये कि वह कारोबार के सिलसिले में किससे मिलने आया था। अधिकारियों के पूछने पर उसने उस कंपनी का नाम बताया, जहां उसे जाना था। साथ ही उस होटल के बारे में भी बताया, जहां उसे ठहरना था। इसके बाद अधिकारियों ने उस कंपनी और होटल से संपर्क किया, लेकिन उन्होंने ऐसे किसी भी व्यक्ति को पहचानने से इनकार कर दिया। अब जांच अधिकारियों को लगा कि शायद ये कोई शातिर अपराधी है, जो अपनी पहचान छुपा रहा है और यहां किसी घटना को अंजाम देने के लिए आया है। इसके बाद उन्होंने उसका सारा सामान जब्त कर लिया और पुलिस की कड़ी निगरानी में उसे एक होटल के कमरे में बंद कर दिया गया। अगले दिन जब कमरे का दरवाजा खोला गया, तो पुलिस यह देख कर चौंक गई कि कमरे में तो कोई है ही नहीं, जबकि बाहर पुलिस का पहरा था और कमरे की सभी खिड़कियों को पहले ही सील कर दिया गया था। पुलिस को यह जानकर और भी ज्यादा आश्चर्य हुआ कि एयरपोर्ट पर उसका जो पासपोर्ट, वीजा और अन्य कागजात जब्त किए गए थे, वो भी गायब थे। अब किसी को भी यह समझ में नहीं आ रहा था कि आखिर ये हुआ कैसे।

सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर कई कहानियां प्रचलित हैं। कोई कहता है कि वो रहस्यमय शख्स दूसरी दुनिया से आया था तो कोई कहता है कि टाइम मशीन के जरिए वो गलती से यहां आ गया होगा और जब उसने देखा कि उसका राज खुलने वाला है तो वो कहीं गायब हो गया। अब यह सच है या झूठ, ये तो कोई नहीं जानता, लेकिन इस रहस्यमय घटना पर कई किताबें जरूर लिखी जा चुकी हैं, जिनमें से एक है डायरेक्टरी ऑफ पॉसिबिलिटीज।

> परमात्मा में दृढ़ विश्वास का अर्थ है- निर्भयता।
>
> 0 ब्रम्हकुमारी

संपादकीय

पीओके वापस लौटेगा

सिंह ने कहा कि वहां रहने वाले हमारे इन भाइयों की हालत कुछ ऐसी है, जैसे महाराणा प्रताप के छोटे भाई शक्ति सिंह की थी। जैसा कि महाराणा प्रताप शक्ति के अलग हो जाने पर कहते थे-तब कुपथ को छोड़, सुपथ पर स्वयं चला आएगा, मेरा ही भाई है मुझ से दूर कहां जाएगा।

लेकिन महाराणा के भाई की याद करते हुए भूलना नहीं होगा कि रावण का भाई विभीषण ही उसके अंत का कारण बना था। पाकिस्तान पर सैन्य हमले, स्वदेशी रक्षा क्षमताओं के बेहतरीन प्रदर्शन और पहली दफा दुश्मन मुल्क में घुस कर आतंकवादी ठिकानों पर प्रभावी कार्रवाई से तय रूप से भारत के हौंसलों को बल मिला है। पाकिस्तान के आंतरिक हालात, राजनीतिक अस्थिरता, मंहगाई और बेरोजगारी से अवाम त्रस्त है। पीओके के उत्तरी इलाकों गिलगित, बाल्टिस्तान, डायमिर, गीजर और घांचे में तकरीबन पंद्रह लाख आबादी है। भारत विभाजन के बाद ही पाक ने जम्मू-कश्मीर के इस हिस्से पर हमला कर दिया था। तब से यह इलाका विवादों से घिरा है पर कश्मीर के तकरीबन 35त्न हिस्से पर पाक का कब्जा है परंतु भारत इसे अपना अभिन्न हिस्सा मानता है। यहां की आबादी मुख्यतया मुसलमानों की है, चुनिंदा ईसाई रहते हैं।

उनके स्वयं भारत आने का इस तरह की काल्पनिक बातें करने से पहले केंद्रीय मंत्री को देश के भीतर रहने वाले मुसलमानों के प्रति सहिष्णुता दिखानी सीखना होगा। भाजपा के कार्यकाल में हो रहे सांप्रदायिक पक्षपात की अनदेखी नहीं की जा सकती। भारत-पाक के बीच संघर्ष व युद्ध विराम को दोनों मुल्कों की सरकारें जुबानी वाद-विवाद तथा आरोप-प्रत्यारोप द्वारा अपने-अपने देशवासियों को प्रभावित करने में भरसक जुटी दिख रही हैं। यह कोई बर्लिन की दीवार नहीं है, जो विभाजन को नेस्तनाबूद करने के लिए झटके से गिरा दी जाए।

> पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के लोगों को भारतीय परिवार का हिस्सा बताते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि दिन दूर नहीं जब वे खुद भारत की मुख्यधारा में लौट आएंगे। भारतीय उद्योग परिसंघ के बिजनेस समिट में अपने संबोधन में सिंह ने कहा कि हमारा मानना है कि हमारा अपना हिस्सा पीओके वापस लौटेगा और कहेगा, मैं भारत हूं, वापस आ गया हूं।

मोदी का 11वां सालः भारत के बदलाव में एक बड़ी उपलब्धि

हरदीप एस पुरी

> *लोकतंत्रों से अपेक्षा की जाती है कि वे वंचितों और अल्पवंचितों तक सेवाओं और सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने में उच्च मानकों पर खरे उतरें। भारत में यह कसौटी और भी कठोर है। कोई भी नारा बिना उद्देश्य के और कोई भी दावा बिना परिणाम के नहीं टिकता। वास्तविक बदलाव का फायदा समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए, क्योंकि हमारे लोकतंत्र में, अंत्योदय (समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान) के लिए वोट किया जाता है।*

यही कारण है कि मोदी 3.0 के एक वर्ष में, दिल्ली, महाराष्ट्र और हरियाणा में मिले शानदार जनादेश केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं हैं, बल्कि वे इस बात की पुष्टि करते हैं कि आज के भारत में, बयानबाजी नहीं, बल्कि काम करके भरोसा जीता जाता है। 'अंत्योदय के माध्यम से सर्वोदय' के दर्शन पर आधारित कार्यक्रम यह सुनिश्चित करते हैं कि देश के विकास में कोई भी भारतीय पीछे न छूट जाए। 25 करोड़ से अधिक लोगों को कई तरह की गरीबी से बाहर निकाला गया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के माध्यम से 11 करोड़ से अधिक किसानों को ?3.68 लाख करोड़ से अधिक वितरित किए गए हैं। 'लखपति दीदी' पहल ने एक करोड़ से अधिक ग्रामीण महिलाओं को सालाना ?1 लाख से अधिक आय प्राप्त करने का अधिकार दिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लगभग 3 करोड़ घरों को मंजूरी दी गई है। जल जीवन मिशन के तहत, 15.44 करोड़ से अधिक ग्रामीण घरों में नल के पानी के कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी नागरिकों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये का निःशुल्क स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करने के लिए, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) का विस्तार किया गया है, चाहे उनकी आय कुछ भी हो। इससे लगभग 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को लाभ होने की उम्मीद है, जिससे उन्हें व्यापक स्वास्थ्य सेवा और वित्तीय सुरक्षा मिलेगी। इसके अलावा, इस योजना का विस्तार करके अग्रिम पंक्ति के सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकताओं को भी इसमें शामिल किया गया। ये चौंका देने वाले आंकड़े केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि लाखों भारतीय घरों में बदलाव की कहानियां हैं। आतंकवादियों के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति से संबंधित प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता पहलगाम हमले के बाद त्वरित प्रतिक्रिया में स्पष्ट थी, जहां आतंकवादियों ने निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाया था। देश ने नुकसान पर शोक व्यक्त किया, लेकिन एकजुट होकर ऑपरेशन सिंदूर को सटीकता और दबदबे के साथ अंजाम दिया, जिससे उसके आतंकवाद से लड? और अपने नागरिकों की रक्षा करने के संकल्प की पुष्टि हुई। दुनिया ने प्रधानमंत्री मोदी के मजबूत और निर्णायक नेतृत्व द्वारा समर्थित भारतीय रक्षा बलों की तकनीकी और रणनीतिक श्रेष्ठता देखी है। दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति आत्मनिर्भरता के लिए रणनीतिक निवेश से मेल खाती है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की व्यापक सटीकता, आंशिक रूप से कई वर्षों तक स्वदेशी रक्षा क्षमता पर लगातार ध्यान केंद्रित करने के कारण सक्षम हुई। 2014 के बाद, भारत के रक्षा विनिर्माण का तेजी से आधुनिकीकरण हुआ है, निर्यात में भारी बढ़ोतरी हुई है। यह परिवर्तन अचानक नहीं हुआ है। आत्मनिर्भर भारत मिशन के तहत, रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी), रक्षा उत्पादन और निर्यात प्रोत्साहन नीति (डीपीईपीपी) जैसे प्रमुख सुधार और कुछ क्षेत्रों के लिए 100त्न एफडीआई खोलने से घरेलू कंपनियों को फलने-फूलने में मदद मिली है। ड्रोन और उसके कलपुर्जो के लिए दो विशेष पीएलआई योजनाओं की शुरूआत से अगली पीढ़ी के नवाचार को और भी बढ़ावा मिला है। आज, भारत द्वारा डिजाइन की गई मिसाइल प्रणाली, बख्तरबंद वाहन और नौसैनिक प्लेटफॉर्म न केवल हमारी सेनाओं में तैनात हैं, बल्कि 80 से अधिक देशों को निर्यात किए गए हैं। इससे ऐसे समय में क्षेत्रीय सुरक्षा प्रदाता के रूप में भारत की छवि मजबूत हुई है, जब विश्वसनीय रक्षा भागीदारों पर वैश्विक भरोसा बहुत अधिक है। विनिर्माण इसी नजरिये के केंद्र में है। भारत बड़े निवेश और सरकारी प्रोत्साहनों के कारण सेमीकंडक्टर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स असम में ?27,000 करोड़ के निवेश से सेमीकंडक्टर असेंबली और परीक्षण संयंत्र बना रहा है, जिसके 2025 के मध्य तक परिचालन में आने और लगभग 27,000 नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। इस बीच, एचसीएल और फॉक्सकॉन का ?3,706 करोड़ का संयुक्त उद्यम उत्तर प्रदेश के जेवर में एक सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित करने के लिए तैयार है, जो डिस्प्ले ड्राइवर चिप्स पर ध्यान केंद्रित करेगी और इसका उत्पादन 2027 में शुरू होगा।

भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जिसमें 1.57 लाख से ज्यादा मान्यता प्राप्त स्टार्टअप हैं। इनमें 100 से ज्यादा यूनिकॉर्न और 3,600 से ज्यादा डीप-टेक वेंचर शामिल हैं जो एआई, बायोटेक और सेमीकंडक्टर पर केंद्रित हैं। अकेले हमारे अंतरिक्ष क्षेत्र में 200 से ज्यादा स्टार्टअप सामने आए हैं, जो एक भरोसेमंद इनोवेशन अर्थव्यवस्था के उदय का संकेत है। स्टार्टअप इकोसिस्टम ने पहले ही 17.2 लाख से ज्यादा प्रत्यक्ष रोजगार पैदा किए हैं और समस्या-समाधानकताओं (प्रॉब्लम सॉल्वर्स) एवं उद्यमियों की एक नई पीढ़ी को प्रेरित किया है। इस बीच, भारत धीरे-धीरे दुनिया के सबसे जुड़े हुए लोकतंत्र के रूप में उभरा है। 80 करोड़ से ज्यादा इंटरनेट यूजर्स और 136 करोड़ आधार नामांकन के साथ, यह दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल पहचान कार्यक्रम बन गया है। अब हमारी वैश्विक डिजिटल पेमेंट में 46त्न हिस्सेदारी हो गई है, जो यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म पर आधारित है जिसने वित्तीय लेन-देन को सभी के लिए आसान बना दिया है। इन प्रणालियों ने न केवल नागरिकों को सशक्त बनाया है बल्कि शासन को और भी स्मार्ट, तेज और पारदर्शी बनाया है। 2024-25 के केंद्रीय बजट में हमारी सरकार की निर्णय लेने की क्षमता साफ नजर आती है। कुल व्यय ?44.6 लाख करोड़ निर्धारित किया गया, जिसमें पूंजीगत व्यय को अभूतपूर्व रूप से बढ़ाकर ?10 लाख करोड़ किया गया। कर छूट को बढ़ाया गया, मध्यम वर्ग के लिए रिबेट दोगुनी कर दी गई और लंबे समय से स्टार्टअप के लिए चिंता का विषय रहे एंजल टैक्स को समाप्त कर दिया गया। इन सुधारों से उपभोग में बढ़ोतरी होती है, उद्यमशीलता को बढ़ावा मिलता है और भारत के दीर्घकालिक विकास पथ को मजबूती मिलती है।

मोदी 3.0 के एक साल पूरे होने पर, बदलाव स्पष्ट नजर आ रहा है। सड़कें, कारखाने और सौर पैनल सिर्फ प्रगति के संकेत नहीं हैं, बल्कि वे आकांक्षाओं की नींव हैं।

आर्थिक, सामाजिक और रणनीतिक सहित हर क्षेत्र में भारत राष्ट्रीय स्तर पर नवीनीकरण का एक नया अध्याय लिख रहा है। जनादेश भी स्पष्ट है। विजन बरकरार है। और, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, निर्णायक दशक अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा है। इतिहास इस वक्त को सिर्फ तेज विकास के चरण के रूप में ही नहीं, बल्कि उस क्षण के रूप में दर्ज करेगा, जब भारत ने विश्वास किया, बदलाव किया और नेतृत्व किया है।

अटल पेंशन योजना- सभी को आर्थिक सुरक्षा एवं सम्मान

चित्रा जयसिम्हा

> *वृद्धावस्था किसी भी व्यक्ति के जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण होता है और दुनिया भर की सरकारें अपने लोगों के लिए जीवन के इस चरण को अधिक स्थिर, सम्मानजनक, तनाव मुक्त और आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाने का प्रयास कर रही हैं। जनसंख्या के अनुमानों से संबंधित तकनीकी समूह की रिपोर्ट (जुलाई 2020) के अनुसार, भारत में बुजुर्गों की आबादी 2031 तक 19 करोड़ से अधिक हो जाने की उम्मीद है।*

यह आबादी उस समय की भारत की कुल जनसंख्या का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा होगी। वरिष्ठ नागरिकों की जनसंख्या में यह नाटकीय प्रत्याशित वृद्धि इन वृद्धों की सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा पर ध्यान देने की तात्कालिक आवश्यकता को रेखांकित करती है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार द्वारा 9 मई 2015 को अटल पेंशन योजना (एपीवाई) की शुरूआत की गई और भारत के असंगठित क्षेत्र पर ध्यान केन्द्रित करते हुए एक सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली का निर्माण किया गया। यह योजना असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के बीच बुढ़ापे की उम्र में पेश आने वाले जोखिमों को दूर करने में मदद करती है और श्रमिकों को स्वैच्छिक रूप से अपनी सेवानिवृत्ति के लिए बचत करने हेतु प्रेरित करती है।

एपीवाई एक ऐसी स्वैच्छिक व आवधिक अंशदान-आधारित पेंशन प्रणाली है, जिसके तहत ग्राहक को उनके द्वारा किए गए अंशदान के आधार पर हर महीने 1000 रुपये, 2000 रुपये, 3000 रुपये, 4000 रुपये या 5000 रुपये की न्यूनतम गारंटीकृत पेंशन मिलेगी।

इस पहल का महत्व तब और भी बढ़ जाता है जब हम यह देखते हैं कि कुल रोजगार में अनौपचारिक क्षेत्र के कामगारों की हिस्सेदारी लगभग 85 प्रतिशत है। इस क्षेत्र में काम करने वाले या काम कर चुके बुजुर्गों की अधिकांश आबादी की रहन-सहन की स्थितियां गंभीर नीतिगत चिंता का विषय हैं। वर्ष 2031 तक बुजुर्गों की आबादी 20 प्रतिशत होने की उम्मीद है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि उस समय तक एक औसत भारतीय की जीवन प्रत्याशा 75 वर्ष की होगी, अटल पेंशन योजना निश्चित रूप से बुजुर्गों के लिए एक आकर्षक विकल्प है। कई विशेषज्ञों ने इस पेंशन योजना को सही ही राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) का एक विशेष रूप से डिजाइन किया गया मॉडल बताया है, जो एनपीएस को समाज के आर्थिक रूप से वंचित वर्गों के लिए सुलभ बनाता है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि एपीवाई का जन्म एक ही उद्देश्य - वंचितों को पेंशन क्षेत्र के दायरे में लाने झ्र के लिए हुआ था। कुछ पुरानी योजनाओं में, पेंशन की राशि गरीब बुजुर्गों के लिए बहुत ही कम है। इसी तरह, तुलनीय योजनाओं के लिए, कवरेज से संबंधित सीमाएं एक बड़ी बाधा हैं। उदाहरण के लिए, ईपीएस केवल उन्हीं संगठनों पर लागू होता है जो कम से कम 20 व्यक्तियों को रोजगार देते हैं और अधिकांश रूप से संगठित क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करते हैं। इस आलोक में, एपीवाई न केवल आर्थिक रूप से कमजोर आबादी के एक बड़े हिस्से को अपने दायरे में लाता है, बल्कि यह 2047 तक 'विकसित भारतइ के सपने को साकार करने की दिशा में एनपीएस व मनरेगा जैसी भारत सरकार की अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और इसी तरह की अन्य योजनाओं का पूरक भी है।

नारी शक्ति के दृष्टिकोण को मजबूत करने के उद्देश्य से लैस इस योजना में महिलाओं की भारी भागीदारी देखी गई है। 31 मार्च, 2025 तक इस योजना के कुल ग्राहकों में महिलाओं की हिस्सेदारी 48 प्रतिशत से अधिक है। अनौपचारिक क्षेत्र पर जोर देने के साथ, एपीवाई स्वाभाविक रूप से उन प्रमुख समूहों को लाभ पहुंचाता है, जिन्हें अक्सर चार प्रमुख जातियों के रूप में निरुपित किया जाता है। इनमें गरीब और महिलाएं शामिल हैं। इसके अलावा, वृद्धावस्था पेंशन का संबंध केवल पैसे से ही नहीं है। इसका एक गहरा महत्व है। गरीबों और महिलाओं को इसके जरिए जो मानसिक शांति और सम्मान मिलता है, वह बेहद संतोषजनक है। 31 मार्च 2025 तक, एपीवाई के तहत ग्राहकों की कुल संख्या 7.6 करोड़ है और प्रबंधन के तहत परिसंपत्ति (एयूएम) 44,781 करोड़ रुपये की है। वित्तीय वर्ष 2024-2025 के दौरान, इसमें 1.17 करोड़ ग्राहक और 8250 करोड़ रुपये का एयूएम जुड़ गया है, जिससे इसके ग्राहक आधार में 15.4 प्रतिशत और एयूएम के विकास में 22.5 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। एपीवाई के तहत कुल सकल नामांकन के मामले में शीर्ष पांच राज्य उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु हैं। इसलिए, एपीवाई का लक्ष्य भारत के क्षेत्रीय रूप से वंचित लोगों के वित्तीय समावेशन को कार्यान्वित करना है ताकि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयासइ के प्रमुख नीतिगत लक्ष्य को हासिल किया जा सके। वर्ष 2035 एक ऐतिहासिक वर्ष होगा। यह वह वर्ष होगा जब बहुप्रतीक्षित अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के ग्राहकों को मासिक पेंशन की पहली किश्त मिलनी शुरू हो जाएगी। अटल पेंशन योजना के जरिए, असंगठित क्षेत्र में कार्यरत मुख्य रूप से स्व-नियोजित, अनियमित (कैजुअल), गिग, प्लेटफॉर्म श्रमिकों के लिए पेंशन कवरेज सुनिश्चित की जाती है।

सब तो एक-दूसरे से छिटके हुए!

इन दिनों बेंगलुरू में आरएसएस की प्रतिनिधि सभा की बैठक हो रही है। आरएसएस के सौ साल होने के समय की इस बैठक के 1,480 प्रतिनिधियों और पदाधिकारियों के दिल-दिमाग का यदि मैं अनुमान लगाऊं तो सवाल होगा कि क्या नरेंद्र मोदी से इन सबका वह लगाव है, जो 2013-14 में उन्हें भाजपा का नेता तय करते वक्त था? यह गहरा-गंभीर सवाल है। मैं इसके खुलासे में नहीं जाऊंगा। इतना भर नोट करें कि परस्पर संवाद में भी एलर्जी है। अहंकार और परस्पर नफरत की वे बाते हैं, जो दिखावे की मुलाकातों तथा सत्ता के लालच से छुपी हुई हैं। असलियत परस्पर अविश्वास, भय और वह लालच है जो देश की राजनीति में सर्वत्र है। सभी समय के प्रवाह में बहते हुए हैं और सत्य से मुंह चुराते हुए। ऐसा अटल बिहारी वाजपेयी के समय में नहीं था। वाजपेयी और संघ के सुर्दशन में तब वैचारिक मतभेद बना था लेकिन मनमुटाव नहीं था। अहंकार और ईगो का संकट नहीं था। आडवाणी, पार्टी अध्यक्ष, मंत्रियों आदि सभी के जरिए संघ आलाकमान का वाजपेयी से संवाद था तो परस्पर विचार-विमर्श भी था। फिलहाल सबका मालिक एक, और वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं जो यदि मिल लिए, यदि उन्होंने दर्शन दे दिए तो बड़ी कृपा! इसलिए जो कुर्सी पर है वही परम पूजनीय है और बाकी सब घसियारे हैं। मेहरबानियों पर जिंदा हैं। तभी संघ के प्रतिनिधियों के लिए, सौ वर्ष के मुकाम पर गौरव की बात इतनी भर है कि उनके सपनों का हिंदू राष्ट्र है, जिसमें औरंगजेब जिंदा है!

इस प्रतीकात्मक बात को धर्म, जाति, क्षेत्र, समाज, राजनीति, आर्थिकी सभी पर लागू कर सकते हैं। क्या अडानी और अंबानी के मन मिले हुए हैं? क्या उद्योगपतियों में परस्पर मन से सद्भाव है? क्या अफसरों की जमात पक्षपातों से पैदा खुन्नस नफरत नहीं बनाए हुए है? आखिर हर लेवल पर तो कायदे व नियम को ताक में रख निर्णय हो रहे है। अहम पदों पर नियुक्ति, प्रमोशन और रिटायर होने के बाद बंदरबांट के हर मामले में। ऐसे ही पक्ष-विपक्ष के रिश्तों में आज जैसी दुश्मनी व नफरत है क्या आजाद इतिहास में पहले कभी रही?

दक्षिण के पांच राज्यों तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश का देश की आर्थिकी में तीस प्रतिशत हिस्सा है लेकिन इनके मानस में दिल्ली की सत्ता, उत्तर भारत को लेकर मन ही मन वह नफरत है कि लोगों से बच्चे ज्यादा पैदा करने का आह्वान कर रहे हैं! सोचें, क्या एक्स्ट्रिम है। भक्त हिंदुओं में मुसलमान से ज्यादा बच्चे पैदा करने की हवाबाजी तो समझ आती है लेकिन उत्तर भारत की संख्या के मुकाबले दक्षिण में संख्या बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्रियों का कहना क्या बताता है?

जाहिर है भय, हताशा और उसके परिणाम में नफरत के लक्षण चारों तरफ हैं।

0 हरिशंकर व्यास

अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1350

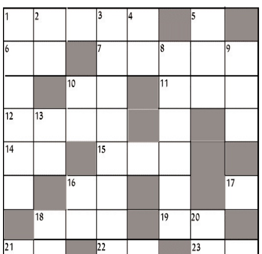

संकेतः बाएं से दाएं

1. ये तिब्बत के राष्ट्राध्यक्ष और आध्यात्मिक गुरू है, यह एक मंगोलियाई पदवी है, जिसमका मतलब होता है ज्ञान का महासागर (5)
6. बराबर, विभाज्य (2)
7. विम्बलडन नाम इस खेल से जुड़ा है (5)
10. द्वार यंत्र, लॉक (2)
11. हस्तलिखित, उपरोपित, पैबंदी (3)
12. सिंह या शेर को यह भी कहते है (4)
14. पेरिस शहर इस नदी के किनारे बसा है, यह नदी इंगलिश चैनल मे जाकर गिरती है (2)
15. क्रम में प्रथम, आदिम (3)
16. हजरत मुहम्मद की छंदोबद्ध स्तुति (2)
17. जननी, मां, मातृ, पैदा करने वाली स्त्री (1)
18. पश्चिमी अफ्रीका के देश घाना की यह राजधानी है (3)
19. अध्ययन (अंग्रेजी)(2)
21. श्रीराम के भाई भरत के ज्येष्ठ पुत्र का यह नाम था (2)
22. पुराणानुसार एक प्रकार के देवता जो कुबेर के सेवक और उसकी निधि के रक्षक कहे गए है (2)
23. धमनी, स्पंद, रग (2)

ऊपर से नीचे

1. दस दिन का आयोजन या कार्यक्रम (6)
2. अलक, जुल्फ (2)
3. प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी जिन्होंने पंजाब नेशनल बैंक की स्थापना की (8)
4. इज्जत, प्रतिष्ठा, आबरू, मापदंड (2)
5. पवन, वायु, हवा (3)
8. तकनीकी संबंधी जानकारी रखने वाला (6)
9. वायु, पवन, बयार (3)
10. बृहस्पति की पत्नी का नाम (2)
13. महिला ईसाई पादरी (2)
16. शरीर का एक संवेदी अंग (2)
18. ऐक्सिस, कीलक, धुरी, मेरू (2)
20. किसी महाविद्यालय का प्रमुख (2)

वर्ग पहेली 1349 का हल

ग्री	स		फि	रो	जा	बा	द
वा	र	दा	त		न	ग	र
	प	ह	र		की		मा
ह	र	क	त		खै	र	
द	स्त			सू	र	ज	
क		जू	न		म	क	र
र	ख	ना		पा	ना		क्षि
ना	त			क	ना	ग	त

एकदा

केशवानंद भारती विरुद्ध केरल सरकार 1973 और वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक

केशवानंद भारती विरुद्ध केरल सरकार 1973 मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि संसद को कोई भी कानून बनाने से पहले यह कर लेना चाहिए कि वह संविधान में प्रदत मौलिक अधिकार का हनन तो नहीं कर रही है यद्यपि संसद बहुमत से कोई कानून बना सकती है या उसमें आंशिक तौर या पूर्ण परिवर्तन कर सकती है लेकिन अगर यह विषय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष विचार के लिए लाया जाएगा और मामला यह सिद्ध होगा कि किसी धर्म या व्यक्ति या व्यक्तियों के मौलिक अधिकार का हनन होता है तो उस राष्ट्रपति के आदेश की विवेचना का अधिकार सर्वोच्च न्यायालय को भारत का संविधान अनुच्छेद 51 में देता है और सर्वोच्च न्यायालय उस कानून का समाप्त कर सकता है। यह खतरनाक हथियार अनुच्छेद 141के तहत भारत संघ में है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनगढ़ ने भी इसे 143 धारा को न्यायपालिका और व्यवस्थापिका में घमासान का कारक बताया है और कहा है कि जस्टिस यशवंत वर्मा के घर पर मिले जले नोटो के संबंध में प्राथमिकी दर्ज नहीं करने का क्या कारण है। वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक (ड्ढरूद्बद्ब) एकीकृत वक्फ प्रबन्धन शसक्तीकरण दक्षता विकास बिल या कानूनों के दो प्रावधानों को लेकर भारत की न्यायपालिका और व्यवस्थापिका में ठन गई है और मोर्चा संभाला है चीफ जस्टिस खन्ना और उपराष्ट्रपति जगदीप धनगढ़ ने।

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

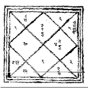

चौघड़िया

09:03 से 10:43 तक-चंचल
10:43 से 12:23 तक- लाभ
12:23 से 14.04 तक- अमृत
20:24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशि- आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज व्यावसायिक कार्य योजना में बदलाव करना जरूरी है। अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन आपकी ग्रोथ के लिए मददगार रहेगा, फिलहाल आपकी इनकम पहले जैसी ही रहेगी।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज अत्यधिक कार्यभार बना रहेगा, इसलिए आलस और सुस्ती त्याग करना पड़ेगा। आज अपने संपर्क सूत्रों को और अधिक सुदृढ़ करें क्योंकि यह आपके लिए बहुत अधिक लाभदायक साबित होने वाले हैं। कोई नई जानकारी भी हासिल होगी। बच्चे पढ़ाई में फोकस रहेंगे।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज परिवार का कोई संपत्ति संबंधित विवाद सुलझ सकता है, जिसमें आपको वरिष्ठ सदस्यों की मदद भी मिलेगी। आज घर के वरिष्ठ सदस्यों के स्वास्थ्य के प्रति ध्यान रखेंगे। आज खर्चो की अधिकता की वजह से मन कुछ परेशान रहेगा।

कर्क राशि- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपका जो उद्देश्य है, उससे जुड़े विचारों पर ध्यान देने की कोशिश करें। अगर बिजनेस बढ़ाने के लिए योजनाएं बना रहे हैं तो उन पर काम करने के लिए अनुकूल समय है।

सिंह राशि- आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। परिवार में अपना उचित समय देना वातावरण को मधुर बनाकर रखेगा। आज दिन भर दौड़-धूप और मेहनत की अधिकता रहेगी, परंतु कार्य की सफलता आपकी थकान को दूर भी कर देगी।

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज इस बात का भी ध्यान रखें कि भावनाओं में आकर कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पेरेंट्स अपने बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार बनाकर रखें, क्योंकि ज्यादा अंकुश लगाना उनके आत्मबल में कमी कर सकता है।

तुला राशि- आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है लेकिन आपके द्वारा किया गया काम आपके बॉस को इम्प्रेस करेगा। आज आलस या दूसरों की वजह से अपने महत्वपूर्ण काम को नजरअंदाज न करें।

वृश्चिक राशि- आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्य में सुधार करने में रहेगा आज बच्चे आपने माता-पिता का ज्यादा ध्यान रखेंगे और बात भी मानेंगे। आज का दिन बहुत ही सुकून भरा रहेगा। परिवार के साथ मनोरंजन ऑनलाइन शॉपिंग जैसी गतिविधियों में सुखद बीतेगा।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। दिन भर भागा- दौड़ी की स्थिति रहेगी। कुछ समय आध्यात्मिक गतिविधियों में भी व्यतीत करने से मानसिक सुकून मिलेगा। अगर प्रॉपर्टी से संबंधित कोई मुद्दा चल रहा है तो आज उसके परिणाम आपके पक्ष में आने की संभावना है। इस राशि के लोग अपने भविष्य को लेकर गंभीर रहेंगे,

मकर राशि- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आप किसी व्यक्ति विशेष के बारे में सोच कर रोमांचित रहेंगे। आज आपको कुछ नए अनुभव मिल सकते हैं। आज पारिवारिक अथवा व्यक्तिगत कारणों की वजह से व्यवसाय के स्थान पर अधिक समय नहीं दे पाएंगे।

कुम्भ राशि- आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज आस-पास के लोगों के लिए आपका व्यवहार अच्छा रहेगा, आपके अंदर नई ऊर्जा का संचार होगा। आज रोजमर्रा की दिनचर्या से सुकून पाने के लिए आज किसी धार्मिक स्थल पर जाने का प्रोग्राम बनेगा, जिससे तन और मन दोनों प्रफुल्लित रहेंगे।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा जिससे आपकी सकारात्मकता बढ़ेगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आज कुछ ना कुछ चुनौतियां भी रह सकती हैं।

न्यूयॉर्क में है दुनिया का सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन

दुनिया के सबसे बड़े रेलवे स्टेशन न्यूयॉर्क का ग्रैंड सेंट्रल टर्मिनल है। यह रेलवे स्टेशन अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में स्थित है। इस स्टेशन की नींव 1913 में रखी गई थी। यहां से हर दिन 660 ट्रेनें गुजरती हैं। इसमें दो अंडरग्राउंड फ्लोर हैं। पहले फ्लोर पर 41 ट्रैक हैं और दूसरे पर 26 हैं। वहीं यहां कुल 44 प्लेटफॉर्म बने हैं। यह स्टेशन 48 एकड़ में फैला हुआ है। इस स्टेशन पर रोजाना औसतन 660 मेट्रो नॉर्थ ट्रेन्स गुजरती हैं और 1,25,000 यात्री सफर करते हैं। दुनिया के सबसे बड़े रेलवे स्टेशन में एक सीक्रेट प्लेटफॉर्म भी है। ऐसा माना जाता है कि इस प्लेटफॉर्म का उपयोग राष्ट्रपति फैंकलिन डी रूजवेल्ट द्वारा होटल से निकलने के लिए किया जाता था। इस सीक्रेट प्लेटफॉर्म का उपयोग कभी भी रेगुलर सर्विस के लिए नहीं किया गया। ग्रैंड सेंट्रल टर्मिनल के मुख्य लॉबी में 10 झूमर सोने से सजे हैं और प्रत्येक में 110 बल्ब लगे हैं। ग्रांड सेंट्रल टर्मिनल पर आप अपनी ट्रेन का इंतजार करते समय यहां टेनिस भी खेल सकते हैं। यहां चौथी मंजिल पर वेंडरबिल्ट टेनिस क्लब बना है। यहां टेनिस खेलने का एक घंटे का चार्ज करीब 8 हजार रु. है।

मंगोलिया का राष्ट्रीय साज मोरिन खुर

संगीत प्रेमी दुनिया के हर कोने में मिलेंगे और मंगोलिया का प्राचीन सहज मोरिन खुर इसकी मिसाल है। इस साज को अक्सर कई लोग घोड़े के सिर वाला वायलिन कहते हैं। खास बात यह है कि इस साज के ऊपरी हिस्से में घोड़े का सिर उकेरा गया है। यह मंगोल संस्कृति और घोड़ों के प्रति उनकी श्रद्धा का प्रतीक है, वहां घोड़ों को बड़ा महत्व दिया जाता है। मंगोलिया का यह राष्ट्रीय वाद्य है। यही वजह है कि वहां के लोग अपने घरों में इसे रखने को गौरव से जोड़ते हैं। मोरिन खुर को उत्सवों, अनुष्ठानों और नृत्य और गायन के साथ-साथ अन्य अवसरों पर बजाया जाता है। इसके निर्माण के पीछे वहां कथाएं भी प्रचलित हैं।

हैदराबाद का अनोखा म्यूजियम

यहां हैं बैट, गेंद, सैंडल के डिजाइन की कारें

हैदराबाद में एक अनोखा कार म्यूजियम स्थित है। इस म्यूजियम में आप जूते के शेप में बनी कार से लेकर क्रिकेट बैट व बॉल की तरह बनी कार में बैठने का आनंद ले सकते हैं। इस अनोखे म्यूजियम का नाम सुधा कार म्यूजियम है। यह म्यूजियम देश ही नहीं बल्कि दुनियाभर में मशहूर है। इस म्यूजियम को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने दुनिया का सबसे बड़ा अनोखी कारों का संग्रह घोषित किया है।

म्यूजियम की थीम विंटेज कारों और रचनात्मक वाहनों पर आधारित है। संग्रहालय के मालिक और कार डिजाइनर के. सुधाकर का कहना है कि सबसे अधिक संख्या में अनोखी कारें रखने का रिकॉर्ड हासिल करना एक उत्साहवर्धक और अत्यंत संतुष्टिदायक अनुभव है। के. सुधाकर को पहले ही दुनिया की सबसे बड़ी ट्राइसाइकिल बनाने का गिनीज रिकॉर्ड भी मिल चुका है। के सुधाकर ने 41 फीट 7 इंच की ऊंची ट्राइसाइकिल बनाई थी।

म्यूजियम में 60 विचित्र कारें हैं

सुधा कार म्यूजियम में 1990 के दशक के पुराने कंप्यूटर से लेकर स्केटिंग जूते और टॉयलेट की डिजाइन की कारें भी देखने को मिलती हैं। सुधाकर का कहना है कि टॉयलेट शेप कार यहां आने वाले प्रशंसकों की सबसे पसंदीदा कारों में से एक है। वे आगे बताते हैं कि इस तरह की विचित्र कारें बनाने का आइडिया उन्हें अमेरिका ट्रिप के दौरान आया था। वहां किसी प्रदर्शनी में उन्होंने पहली बार जूते के आकार वाली गाड़ी देखी थी, जिसमें उन्हें बहुत दिलचस्पी हुई थी। उन्होंने वापस भारत आकर जूते के आकार वाली गाड़ी बनाने के बारे में सोचा। म्यूजियम में सैंडल्स, बर्गर, बैग, कैमरा, फुटबॉल, क्रिकेट बैट और कई तरह की गेंदों की डिजाइन वाली करीब 60 से ज्यादा विचित्र कारें हैं।

हर दिन आते हैं 1500 से ज्यादा पर्यटक

सुधाकर ने म्यूजियम की शुरुआत 2000 में की थी। म्यूजियम सप्ताह के सातों दिन तक खुला रहता है। म्यूजियम में पर्यटकों के आने का समय 9.30 से 6.30 तक है। वयस्कों के लिए 100 रु. और बच्चों के लिए 80 रु. का टिकट है। इसके अलावा सुधा कार संग्रहालय हैदराबाद में वार्षिक रोड शो आयोजित करता है, जिसका मकसद लोगों को जागरूक करना है। इसके लिए सुधाकर ने हेलमेट कार, पिंजरे वाली कार भी बनाई हैं।

सिपी फॉल: युगांडा में ज्वालामुखी से बना झरना है

सिपी फॉल युगांडा के तीन झरनों की श्रृंखला का एक अहम हिस्सा है। यह माउंट एल्गन नामक विलुप्त ज्वालामुखी के उत्तरी-पश्चिमी स्लोप पर पड़ोसी देश कीनिया की सरहद से महज 1.7 किमी की दूरी पर स्थित है। ज्वालामुखी से बने इस खूबसूरत झरने को देखने दुनियाभर से लोग आते हैं। यह झरना 312 फीट की ऊंचाई से गिरता है। सिपी नदी से बनने के कारण ही इसका नाम सिपी फॉल रखा गया है।

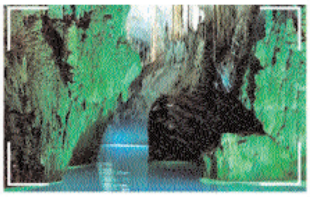

जेता ग्रोटो

लेबनान में 9 किमी तक फैली हैं चूना पत्थर की ये गुफाएं

जेता ग्रोटो, कार्स्टिक चूना पत्थर की गुफाएं किमी के लंबे क्षेत्र में फैली हुई हैं। ये गुफाएं लेबनान की राजधानी बेरूत से 18 कि.मी. उत्तर में जेता इलाके के भीतर नहर अल-कल्ब नदी घाटी में स्थित हैं। इसे केवल नाव से ही देखा जा सकता है। इसे 1836 में खोजा गया था। इसे भारी नुकसान भी हुआ था। 1995 में इसे फिर से खोला गया था।

दुनिया का सबसे बड़ा टूथब्रश 6 फीट से भी ज्यादा लंबा

आमतौर पर साधारण टूथब्रश का साइज 7-8 इंच के आसपास होता है। लेकिन ब्रिटेन के रूथ व शॉन ने दुनिया का सबसे बड़ा टूथब्रश बनाने का गिनीज रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। ब्रिटेन के रूथ एमोस और शॉन ब्राउन ने 6 फीट 7 इंच का टूथब्रश बनाया है। यह टूथब्रश ऊंट से भी अधिक ऊंचा है। इस टूथब्रश को बनाने में 5 दिन का समय लगा है। रूथ और शॉन यूट्यूब चैनल चलाते हैं। यह अनोखा ब्रश आंगन को साफ करने, घास की कटाई-छटाई करने के काम में आएगा। ये टूथब्रश इलेक्ट्रिक है और इसे मजबूत धातु से तैयार किया गया है। इसे बनाने का आइडिया रूथ और शॉन को अपने यूट्यूब चैनल पर एक बच्चे ने सुझाया था।

सांपों का गांव! जहां साथ-साथ रहते हैं इंसान और कोबरा!

कर्नाटक के अगुम्बे गांव को भारत की कोबरा राजधानी कहा जाता है. यहां सांपों पर शोध होता है और सांप संस्कृति का हिस्सा है. प्रसिद्ध सरीसृप शोधकर्ता रोमुलस व्हिटेकर ने यहां ARRS की स्थापना की.

भारतीय परंपरा में सांपों की काफी अहमियत है. भले ही सांपों से लोग डरते हो, मगर उनकी पूजा भी करते हैं. उन्हें भगवान शिव के गले का हार मानते हैं और हमारे पुराणों और लोककथाओं में भी सांप का काफी महत्व है. लेकिन क्या आप जानते हैं, भारत में एक ऐसा गांव है जहां सांप केवल पुराणों के पात्र नहीं हैं- वे असलियत में राजा हैं? इस जगह पर सांपों को लेकर शोध किया जाता है, वो संस्कृति का हिस्सा है और इस गांव का नाम कोबरा से जुड़ा है. प्राचीन धर्मग्रंथों से लेकर आधुनिक रीति-रिवाजों तक- हर जगह यह विषैला सांप देवताओं का प्रतीक है. शिव के गले में लिपटा नाग, विष्णु का शयनकक्ष भी अनंतनाग पर बना है. हर साल नागपंचमी के त्योहार पर देशभर में नागदेवता की पूजा होती है. लेकिन सिर्फ पुराणों में ही नहीं, भारत के कुछ क्षेत्रों में असलियत में भी सांपों का दबदबा है. ऐसा ही एक स्थान है एक छोटा सा गांव. इस गांव को भारत की कोबरा राजधानी कहा जाता है! इस गांव में इतने सांप हैं कि शायद आम लोग यहां जाने से डरेंगे मगर ये सांप इंसानों को नुकसान नहीं पहुंचाते. यहां सांपों के ऊपर शोध भी होता है. इस वजह से यहां कई शोधकर्ता आते हैं.

एक हरा-भरा छोटा गांव, क्षेत्रफल में मात्र 3 वर्ग किलोमीटर, समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 2700 फीट. इस गांव में केवल 600 लोग रहते हैं. चारों ओर घने जंगल, पहाड़, झरनों से घिरा यह स्थान प्रकृति प्रेमियों और वन्यजीव शोधकर्ताओं के लिए स्वर्ग है. इस वजह से यहां लोग जाना भी चाहते हैं. सिर्फ सांपों के लिए ही नहीं, यहां के घने जंगलों में कई दुर्लभ प्रजातियों के जीव और पौधे भी मिलते हैं. यहां कुछ दुर्लभ फफूंद प्रजातियों की खोज की गई है.

कहां है यह सांपों का गांव

भारत के पश्चिमी घाट पर्वतमाला में स्थित कर्नाटक का अगुम्बे. यहां इतनी बारिश होती है कि इसे दक्षिण का चेरापूंजी कहा जाता है. ये जगह इसी वजह से अपने में बेहद खास है. भारत की कोबरा राजधानी होने के बावजूद, अगुम्बे का सबसे प्रसिद्ध निवासी निस्संदेह राजा नाग या किंग कोबरा है. यहीं प्रसिद्ध सरीसृप शोधकर्ता पद्मश्री रोमुलस व्हिटेकर ने Agumbe Rainforest Research Station (ARRS) की स्थापना की- जो भारत का पहला राजा नाग रेडियो टेलीमेट्री प्रोजेक्ट चलाता है.

जो नहीं जानते, हरपेटोलॉजिस्ट वे वैज्ञानिक होते हैं जो सांप, मेंढक, छिपकली, कछुआ आदि रेप्टाइल और उभयचर जीवों पर शोध करते हैं. खेतों, जंगलों या प्रयोगशालाओं में ये वैज्ञानिक इन जीवों के व्यवहार, शारीरिक रचना, आदि किंग कोबरा दुनिया का सबसे लंबा विषैला सांप है. लेकिन यह अन्य सांपों से अलग है, क्योंकि यह चूहे या मेंढक नहीं, बल्कि अन्य सांपों को खाता है. यहां तक कि विषैले सांप जैसे करैत को भी यह भोजन के रूप में चुनता है.

सांपों का सांप

जंगल की खाद्य श्रृंखला में सबसे ऊपर. यह अगुम्बे भारत का वह रहस्यमय प्राकृतिक खजाना है- जहां सांप सिर्फ डर नहीं, शोध, श्रद्धा और जैव विविधता की कुंजी हैं. देशभर में ऐसा दूसरा कोई गांव नहीं है जहां सांप इतने नजदीकी और महत्वपूर्ण पड़ोसी हों.

सहायक विकास विस्तार अधिकारी भर्ती परीक्षा 15 जून को

कोरबा अम्बिकावाणी - छ.ग. व्यावसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा आयोजित सहायक विकास विस्तार अधिकारी भर्ती परीक्षा १५ जून को संपन्न होगी। इसके लिये कोरबा जिले में ४३ परीक्षा केंद्र बनाया गया है। इन परीक्षा केन्द्रों में कुल १३८७६ परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। परीक्षार्थियों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए शासकीय ईव्हीपीजी महाविद्यालय रजगामार रोड कोरबा को मार्गदर्शन केन्द्र बनाया गया है। जिसका कांटेक्ट नंबर ९८२७४८८९६४ एवं ९८२६३३१९४२ है।

न्यूज गैलरी

युक्तियुक्तकरण में अनियमितता बरते जाने पर बीईओ सस्पेंड

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। राज्य शासन के निदेर्शो के तहत शालाओं एवं शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण के संबंध में गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर मनेंद्रगढ़ विकासखंड के शिक्षा अधिकारी सुरेंद्र प्रसाद जायसवाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई आयुक्त सरगुजा द्वारा कलेक्टर मनेंद्रगढ़ के पत्र के आधार पर की गई है। जांच में पाया गया कि बीईओ जायसवाल ने माध्यमिक शाला लेदरी में वरिष्ठता क्रमांक 4393 वाली शिक्षिका गुंजन शर्मा को अतिशेष घोषित कर दिया, जबकि उनके बाद क्रमांक 4394 की शिक्षिका बेबी धृतलहरे को यथावत रखा गया। इसी प्रकार प्राथमिक शाला चिमटीमार में कार्यभार ग्रहण तिथि के अनुसार संध्या सिंह को यथावत रखना था, लेकिन उन्हें अतिशेष की सूची में रखा गया, जबकि बाद में नियुक्त अर्णिमा जायसवाल को यथोचित नहीं माना गया। इसके अलावा माध्यमिक शाला साल्ही में पदस्थ शिक्षक सूर्यकांत जोशी के विषय का विवरण गलत दशार्या गया तथा विषय चक्र का भी पालन नहीं किया गया। बीईओ द्वारा वरिष्ठ शिक्षक को कनिष्ठ दशार्ना कूटरचना की श्रेणी में आता है, जो उनके पद पर रहते हुए गंभीर लापरवाही और स्वेच्छाचारिता को दशार्ता है, जिसे देखते हुए छत्तीसगढ़ सिविल सेवा नियम के अंतर्गत बीईओ सुरेंद्र प्रसाद जायसवाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्रदान किया जाएगा तथा उनका मुख्यालय जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय मनेंद्रगढ़ नियत किया गया है।

नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार के क्रियान्वयन हेतु प्रशिक्षण

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के सफल क्रियान्वयन हेतु जिले के सभी आरटीई नोडल प्राचार्यो का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का आयोजन जिला मुख्यालय स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय मनेंद्रगढ़ के ऑडिटोरियम में पूर्वाह्न 11 से अपरान्ह 1 बजे तक आयोजित किया गया।

डीपीआई रायपुर से प्रशिक्षण प्राप्त विकासखंड के मास्टर प्रशिक्षक क्रमशः कलीराम श्रीवास, एमएच अंसारी एवं उमेश कुमार द्विवेदी द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में प्रशिक्षकों द्वारा बिंदुवार मौखिक एवं प्रोजेक्टर के माध्यम से आरटीई की तकनीकी कार्यवाही दिखाई गई। प्रशिक्षण के मुख्य बिंदु जिसमें अशासकीय शालाओं से बसाहटों की मैपिंग, अशासकीय शालाओं की प्रोफाइल अपडेट, आरटीई सीटों का प्रकटीकरण, आरक्षित सीटों हेतु प्राप्त आवेदनों में संलग्न दस्तावेजों की जांच, लॉटरी पश्चात प्रवेश प्रक्रिया, शुल्क प्रतिपूर्ति राशि का दावा एवं सत्यापन, अशासकीय शाला स्तर पर किये जाने वाले कार्य, नोडल प्राचार्य द्वारा शुल्क प्रतिपूर्ति दावा का सत्यापन, ड्राप आउट सर्वे, नियमित मॉनिटरिंग एवं नोडल के ऑनलाइन कार्यो के विषयों पर आरटीई अधिनियम अंतर्गत विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। जिला स्तर पर नोडल प्राचार्यो के प्रशिक्षण उपरांत अशासकीय विद्यालयों के नियमित मॉनिटरिंग हेतु नियुक्त मेटरों का प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा।

नोडल प्राचार्यो के प्रशिक्षण उपरांत आगामी दिनों में नोडल प्राचार्यो द्वारा अपने विद्यालय अंतर्गत आने वाले अशासकीय विद्यालयों के संचालकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण को जिले में आरटीई के जिला सहायक नोडल अधिकारी टी. विजय गोपाल राव द्वारा भी संबोधित किया गया। प्राचार्य संजीव कुमार के संबोधन पश्चात प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रशिक्षण में नोडल प्राचार्य भरत जायसवाल, सत्येंद्र कुमार सिंह, सूर्यकांत सिंह, रामचंद्र नामदेव, मधुबाला कश्यप, रेखा पांडेय, मनीषा किंडो, अनिल कुमार तिवारी, प्रमोद कुमार पांडेय, श्यामलाल राजवाड़े, राजेश कुमार द्विवेदी, प्रभात रंजन विश्वास, सत्तर सिंह, जीएस पोर्ते, कौशिक भद्रा एवं कार्यालयीन शाखा प्रभारी शैलेश कुमार खाखा उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 खरवत चौक पर अवैध अतिक्रमण हटाने को लेकर कोरिया जिला प्रशासन की सख्त कार्यवाही

कोरिया बैकुंठपुर। कोरिया जिले के बैकुंठपुर स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक ४३ पर खरवत चौक के आसपास लंबे समय से चले आ रहे अवैध अतिक्रमण के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए व्यापक कार्रवाई की। यह अभियान जिला कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के दिशा-निर्देशन में पुलिस प्रशासन, तथा राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा संचालित किया गया।

प्रशासन को कई दिनों से स्थानीय नागरिकों, वाहन चालकों तथा जनप्रतिनिधियों की ओर से शिकायत मिल रही थी कि खरवत चौक क्षेत्र में दुकानदारों और कुछ स्थायी-स्थानीय निवासियों ने सड़क किनारे अवैध निर्माण कर रखे हैं, जिससे न केवल यातायात बाधित हो रहा है बल्कि आए दिन दुर्घटनाएं भी हो रही थीं। खासकर स्कूल और कॉलेज के समय पर ट्रैफिक जाम की समस्या आम हो गई थी। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने पहले चरण में क्षेत्र का निरीक्षण करवाया और अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी कर स्वेच्छा से निर्माण हटाने का मौका दिया। तय समय सीमा के बाद भी जब अतिक्रमण नहीं हटाया गया, तब प्रशासन ने ९ जून को सुबह से अभियान शुरू किया। इस कार्यवाही में लगभग २५ से अधिक अस्थायी व स्थायी अवैध निमार्णो को हटाया गया।

कार्यवाही के दौरान पुलिस बल की उपस्थिति में जेसीबी मशीनों की मदद से दुकानों के छज्जे, ठेले, शेड और दीवारें तोड़ी गई। स्थानीय लोगों ने शुरूआत में हल्का विरोध भी किया, लेकिन अधिकारियों की समझाइश के बाद स्थिति सामान्य हो गई। नगर पालिका के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई किसी के विरोध में नहीं, बल्कि आमजन की सुविधा व सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए की जा रही है।

झोलाछाप डॉक्टरों पर स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्रवाई, बैकुंठपुर एवं सोनहत ब्लॉक में दो अवैध क्लीनिक सील, एक पर कारण बताओ नोटिस जारी

कोरिया बैकुंठपुर - छत्तीसगढ़ राज्य नर्सिंग होम एक्ट २०१३ के तहत अवैध रूप से चिकित्सा कर रहे झोलाछाप चिकित्सकों के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की गई है। यह कार्रवाई कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी, संभागीय संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. अनिल शुक्ला (अंबिकापुर, सरगुजा) के निर्देश पर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह के मार्गदर्शन में ९ व १० जून २०२५ को की गई। आज बैकुंठपुर ब्लॉक के चरचा कॉलरी क्षेत्र में जिला स्तरीय जांच दल द्वारा दो क्लीनिकों की जांच की गई। उड़िया दफाई, राम मंदिर के पास सुधीर कुमार मिश्रा द्वारा संचालित क्लीनिक में बिना किसी वैध डिग्री के चिकित्सकीय गतिविधियाँ संचालित की जा रही थीं। मौके पर नीडल, दवाइयाँ और इंजेक्शन आदि सामग्री पाई गई, परंतु किसी भी तरह का वैध पंजीयन या डिग्री उपलब्ध नहीं कराई गई। इस आधार पर श्री मिश्रा का क्लीनिक तत्काल सील कर दिया गया। इसी प्रकार टीना दफाई में च्डॉ. आर. खानज्ञ के नाम से संचालित घरेलू क्लीनिक की भी जांच की गई। मौके पर आईवी स्टैंड, बेड और चिकित्सा उपकरण पाए गए, परन्तु कोई मान्य डिग्री प्रस्तुत नहीं की गई। नर्सिंग होम एक्ट २०१३ के प्रावधानों के तहत इस कक्ष को भी सील करने की कार्रवाई की गई। इससे पूर्व, ९ जून को सोनहत ब्लॉक के तेलीमुड़ा ग्राम में महेन्द्र पटेल नामक व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से इलाज किए जाने की जानकारी पर जांच की गई थी। मौके पर चिकित्सकीय उपकरण मिलने के बावजूद कोई पंजीयन प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं किया गया। फलस्वरूप उनके विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने की अनुशंसा की गई है। स्वास्थ्य विभाग ने आम जनता से अपील की है कि वे केवल पंजीकृत एवं योग्य चिकित्सकों से ही उपचार कराएं। किसी भी अवैध रूप से चिकित्सा कर रहे व्यक्ति की जानकारी मिलने पर तत्काल संबंधित स्वास्थ्य केंद्र या सीएमएचओ कार्यालय को सूचित करें। जांच दल में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबंधक असरफ अंसारी, औषधि निरीक्षक आलोक मिंज, प्रभारी डिप्टी एमआईईओ श्रीमती सरोजनी राय सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद बाल्मीकीय रामायण कथा का शुभारंभ

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। मंगलवार की शाम से शहर के हृदय स्थल में स्थित श्रीराम मंदिर प्रांगण मनेंद्रगढ़ में 9 दिवसीय श्रीमद बाल्मीकीय रामायण कथा भव्य कलश यात्रा के साथ आरंभ हुई। कथा 18 जून तक चलेगी। कथा का समय सायं 4 से 7 बजे तक निर्धारित किया गया है। कलश यात्रा श्रीराम मंदिर से शुरू होकर नगर भ्रमण करते हुए वापस कथा स्थल पहुंची। यात्रा में श्रीधाम वृंदावन से आए कथाव्यास गर्भदास महाराज, नपाध्यक्ष प्रतिभा यादव, श्री राम मंदिर समिति के सचिव रघुनाथ पोद्दार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नीरज अग्रवाल के अलावा मातृ शक्तियां और नागरिक शामिल हुए। प्रथम दिवस कथाव्यास श्री गर्भदास महाराज के द्वारा महात्म, मंगलाचरण एवं नाम महिमा का गुणगान किया गया। दूसरे दिन श्री राम जन्म जन्मोत्सव, तीसरे दिन बाल लीला, चैथे दिन अहिल्या उद्धार, जनकपुर दर्शन, पुष्प वाटिका प्रसंग, 5वें दिन धनुष भंग एवं श्री सीताराम विवाहोत्सव, 6वें दिन श्री राम वनगमन एवं केंवट प्रसंग, 7वें दिन भरत चरित्र, 8वें दिन शबरी गीध आदि भक्तों की कथाएं एवं हनुमत चरित्र तथा कथा के अंतिम दिन 18 जून को श्री हनुमान जी महाराज के द्वारा सीता मां की खोज, रावण वध, श्री राम राज्याभिषेक, चढ़ोत्री एवं फूलों की होली, पूणार्हुति, हवन एवं भंडारा प्रसाद वितरण के साथ कथा का समापन होगा। श्री राम भक्त हनुमान जी महाराज एवं श्री राम सेवा समिति ने समस्त श्रद्धालुओं से सपरिवार धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होकर पुण्यलाभ अर्जित करने का अनुरोध किया है।

धरती आबा अभियान की तैयारियों में तेजी, किसानों का ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य

राशन भंडारण, स्कूलों की मरम्मत, जनदर्शन आवेदनों के त्वरित निराकरण के निर्देश

कोरिया बैकुंठपुर - कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को महत्त्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए। बैठक में आगामी १५ जून से आरंभ होने वाले 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' की तैयारियों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने बताया कि यह अभियान जनजातीय क्षेत्रों के लिए समर्पित एक राष्ट्रव्यापी जागरूकता और लाभ संतृप्ति कार्यक्रम है, जिसके अंतर्गत क्लस्टरवार शिविर लगाए जाएंगे। कलेक्टर ने निर्देश दिया कि सभी विभाग इन शिविरों की तैयारी समय पर पूर्ण करें ताकि लाभार्थियों को योजनाओं का समुचित लाभ मिल सके। कलेक्टर ने खाद्य विभाग के अधिकारी को सभी राशन दुकानों में चावल एवं अन्य खाद्य सामग्री का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत पाइप लाइन बिछाने के दौरान सड़क खुदाई की मरम्मत जल्द से जल्द कराए जाने के निर्देश भी दिए हैं, वहीं शिक्षा विभाग को स्कूल खुलने से पहले साफ-सफाई व मरम्मत कार्य पूरे करने को कहा गया ताकि विद्यार्थियों को असुविधा न हो। जिला शिक्षा अधिकारी ने जानकारी दी कि युक्तियुक्तकरण के तहत ९० प्रतिशत शिक्षकों ने अपने नवीन पदस्थापना स्थल पर पदभार ग्रहण कर लिया है। कलेक्टर ने वन विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों से इस वर्ष भी बड़े स्तर पर वृक्षारोपण करने की तैयारी शुरू करने को कहा। कलेक्टर ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों का ऑनलाइन पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए ताकि धान विक्रय के समय किसानों को किसी प्रकार की तकनीकी या अन्य समस्या न उत्पन्न हो। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसानों को इसके लिए जागरूक भी किया जाए। जनदर्शन व अन्य माध्यमों से प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के लिए भी कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आवेदक को समय पर समाधान मिलना चाहिए। सभी तहसीलदारों से कहा है कि बटांकन, सीमांकन व अन्य राजस्व सम्बन्धी प्रकरणो का निराकरण भी तेजी से करें। आज आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में लगभग ५६ नागरिकों ने अपनी समस्याएं प्रस्तुत कीं, जिन्हें अपर कलेक्टर अरुण मरकाम ने गंभीरता से सुना और समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में बैकुण्ठपुर एसडीएम श्रीमती दीपिका नेताम, सोनहत एसडीएम राकेश साहू सहित विभिन्न विभागों के जिलाधिकारी उपस्थित थे।

जंगल में अब पेड़ कहां है छाई रहती वीरानी, हवा नहीं है दूर-दूर तक सूखा नदियों का पानी

पर्यटन स्थलों पर पर्यावरण का महत्व विषय पर संगोष्ठी

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। पृथ्वी के निमार्ता एवं नियंता ने पृथ्वी पर रहने वाले मानव सहित समस्त चराचर जीव-जंतुओं के जीवन की आवश्यकता के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए हैं। इसके बावजूद आवश्यकता से अधिक दोहन कर पर्यावरण बिगाड़ने और पृथ्वी को नष्ट करने के लिए हम स्वयं दोषी हैं। इसे संवारने के लिए हम सभी को आगे आना होगा अन्यथा पृथ्वी को नष्ट होने में समय नहीं लगेगा।

उक्ताशय के विचार विश्व पर्यावरण सप्ताह पर सुरभि पार्क में आयोजित संगोष्ठी में रिटायर्ड महाप्रबंधक रेलवे भानु प्रकाश सिंह ने मुख्य अतिथि की आसंदी से व्यक्त किए। उन्होंने पर्यटन स्थलों पर बढ़ते प्रदूषण का उदाहरण देते हुए कहा कि एक दशक पहले तक आध्यात्मिक तीर्थ मानसरोवर यात्रा में कई स्थानों पर मानव मल के कारण रुमाल मुंह में बांधकर गुजरना पड़ता था। यह मेरा व्यक्तिगत अनुभव है जो चिंतनीय पक्ष है। इन सब के निवारण तथा स्वच्छ पर्यटन के लिए हमें गंभीरता से चिंतन करना होगा। कार्यक्रम संचालक गौरव अग्रवाल ने आयोजन की पृष्ठभूमि रखते हुए पर्यटन स्थलों पर बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण पर चिंता व्यक्त की और पर्यटन एवं पर्यावरण चिंतक बीरेंद्र श्रीवास्तव को अपना पक्ष रखने के लिए आमंत्रित किया। बीरेन्द्र श्रीवास्तव ने अपनी चिंता में कहा कि इस विशाल ब्रह्मांड में पृथ्वी की उपस्थिति एक रेत के कण से भी छोटी है। अब तक की जानकारी के अनुसार केवल पृथ्वी पर ही जीवन उपलब्ध है। इतना जानने के बावजूद भी आभासी विकास के दौड़ में हम अपनी ही पृथ्वी को नष्ट करने पर उतारू हैं। पर्यटन स्थलों पर बढ़ते प्रदूषण पर नियंत्रण आज समय की जरूरत है। आध्यात्मिक चिंतन पक्ष पर उन्होंने कहा कि सतयुग, त्रेता और द्वापर के बाद कलयुग के इस चरण में क्या हम पृथ्वी को समाप्त करने में स्वयं को शामिल कर रहे हैं। यह बेहद चिंता का विषय है जिसके समाधान के लिए हमें एकत्रित होकर प्रयास करना होगा। लगभग 5 हजार किलोमीटर की अब तक साइकिल यात्रा कर चुके पर्यावरण सचेतक पर्यामित्र सतीश द्विवेदी ने कहा कि पर्यटन स्थलों पर आपके द्वारा फेंके गए सिंगल उपयोग पन्नी एवं प्लास्टिक रेत में दबकर बहते पानी को भी प्रदूषित कर रहे हैं। अब तो पीने वाले पानी में भी प्लास्टिक के बारीक कण हमारे घरों तक आने लगे हैं। इसी तरह यहां वहां बिखरे प्लास्टिक गर्मी के दिनों में गर्म होकर दुनिया की सबसे जहरीली फास्फीन गैस बुलबुले के रूप में पैदा करती है, इसलिए जरूरी है कि हम पर्यटन स्थलों पर इसका उपयोग ना करें, यदि कही फैली पन्नी दिखाई दे, तब इसके निस्तारण हेतु सहयोग करें। हमारे इस प्रयास से पर्यटन स्थलों को साफ-सुथरा रखा जा सकेगा। अधिवक्ता कल्याण केसरी ने अपनी बात रखते हुए कहा कि हमारी धार्मिक आस्थाओं में पीपल, बरगद, नीम, जैसे पेड़ों की पूजा-पाठ का विधान हमारे ऋषि-मुनियों ने इसीलिए किया था कि पेड़ों को नष्ट होने से बचाया जा सके। हमें संकल्प लेना होगा कि अपने पर्यटन स्थलों का पर्यावरण हम नष्ट नहीं होने देंगे। साहित्यकार संतोष जैन एवं साहित्यकार विजय गुप्ता ने कहा कि पर्यटन स्थलों पर बिखरने वाले प्लास्टिक पन्नी को निस्तारण स्थल तक पहुंचाना और उसे वहां फैलने से रोकने में मदद करने का संकल्प आज की आवश्यकता है। यदि हम ऐसा कर पाएंगे तभी पर्यटन स्थल स्वच्छ रहेंगे। कार्यक्रम के दूसरे चरण में पर्यावरण चिंतन पर श्रेष्ठ कविताओं की प्रस्तुति में साहित्यकार श्याम सुन्दर निगम ने कहा कि विकास की अंधी दौड़ में हम स्वयं के विनाश का ताना-बाना बुन रहे हैं। समय रहते सचेत होना आज की आवश्यकता है। अपनी कविता प्रस्तुति मे उन्होंने कहा- जंगल में अब पेड़ कहां है, छाई रहती वीरानी, हवा नहीं है दूर-दूर तक सूखा नदियों का पानी। साहित्यकार राजेश जैन, राजा बुंदेला ने अपने गीत पानी की प्रस्तुति से उपस्थित श्रोताओं की जबरदस्त तालियां बटोरी - जिसे अब तक न समझ सके, वह कहानी हूं मैं, मुझे बर्बाद मत करो जीवन हूँ, तुम्हारा पानी हूँ मै। कार्यक्रम का समापन संबोधन संस्थान के उपाध्यक्ष हारून मेमन के अध्यक्षीय उद्बोधन एवं आभार प्रदर्शन से हुआ।

न्यायालय नायब तहसीलदार, दरिमा, जिला-सरगुजा (छ०ग०)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र.- /अ-21/2024-25
ग्राम दरिमा, तहसील उदयपुर

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता कि, आवेदक केन्दल पिता ढ़ेढा, मुनेश्वरी पति सेदल, दोनों जाति मझवार निवासी ग्राम मोहनपुर तहसील दरिमा जिला सरगुजा द्वारा ग्राम मोहनपुर तहसील दरिमा स्थित भूमि ख०नं० 270/2 रकबा 0.250 हे० भूमि को अनावेदक जसमनिया बड़ा पति अरविन्द बड़ा पिता कमलसाय जाति उरॉव निवासी ग्राम तिहपटरा तहसील दरिमा जिला सरगुजा को अपने निजी कार्य हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण रू० 4,00000/- (चार लाख रू०) में विक्रय किये जाने का सौदा किया जाकर भूमि विक्रय किये जाने की अनुमति हेतु आवेदन अनुविभागीय अधिकारी (रा०) अम्बिकापुर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जो जॉच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त है।

अतः उपरोक्त संबध मे जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम दिनांक 25/06/2025 तक अपना दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के उपरांत किसी भी प्रकार का दावा/आपत्ति प्राप्त होने पर इस पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 09/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा द्वारा जारी।

नायब तहसीलदार
दरिमा, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०- /ब-121/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नरेश कुमार अग्रवाल आ० रामचंद्र अग्रवाल निवासी देवीगंज रोड सत्तीपारा वार्ड नंबर 26 अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की व्यपवर्तित भूमि ग्राम नमनाकला स्थित खसरा नंबर 151/158 रकबा 0.015 हे भूमि को अनावेदक सूचिंता तिवारी पति उदय शंकर तिवारी निवासी हनुमान चैंपियन चौक बारालोटा डाल्टेनगंज झारखण्ड के पास अंकन राशि रुपये 11,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 13.06.2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक- 27/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

Public Notice

The general public is hereby informed that Smt. Rajkumari Agrawal w/o Roshanlal Agrawal R/o Jawahar Nagar Ambikapur has taken her retirement from the firm M/s Baba Durganath Construction Company Ambikapur w.e.f. 15.01.2025 by her own will and Smt. Garima Jain w/o Pawan Jain R/o Vaishali Nagar Bhilai has joined as a partner of the firmand all other partners have accepted this retirement and joining from the said date.

न्यायालय तहसीलदार, लखनपुर, जिला सरगुजा (छ.ग.)

ईश्तहार

लखनपुर, दिनांक 29/05/2025

एतद् द्वारा समस्त ग्रामवासी ग्राम लिपिंगी तहसील लखनपुर के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुरेश सिंह आ० स्व० चंदन सिंह निवासी ग्राम-लिपिंगी, तहसील लखनपुर के द्वारा अपने (दादा) स्व० बाल साय की मृत्यु दिनांक 24/12/2009 को हो जाने से (जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13(3) एवं छ०ग० जन्म मृत्यु रिज० नियम 2001 के नियम 9(3) के तहत मृत्यु प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है। जिस पर दिनांक 17/06/2025 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथि 17/06/2025 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

नायब तहसीलदार
तहसील लखनपुर,
जिला-सरगुजा (छ.ग.)

बैंक में इस सप्ताह तीन दिन नहीं होगा कामकाज

नई दिल्ली, 10 जून। जून 2025 का दूसरा सप्ताह शुरू हो चुका है और इस सप्ताह भी भारतीय रिजर्व बैंक के अवकाश कैलेंडर के अनुसार देश के अलग-अलग हिस्सों में 3 दिन बैंकों की छुट्टियां रहेंगी. संत गुरु कबीर जयंती के अवसर पर कई राज्यों में बैंक बंद रहेंगे. अगर आपको भी इस सप्ताह बैंक से जुड़ा कोई काम है तो इन कामों को समय रहते निपटा लें वरना आपको असुविधा का सामना करना पड़ सकता है. 11 जून 2025 (बुधवार)- संत गुरु कबीर जयंती/सागा दावा (इस दिन सिक्किम (गंगटोक) और हिमाचल प्रदेश (शिमला) में बैंक बंद रहेंगे. यह बैंकिंग अवकाश संत गुरु कबीर जयंती और सागा दावा के अवसर पर मनाया जाएगा) 14 जून 2025 (शनिवार), दूसरा शनिवार- आरबीआई के नियमों के अनुसार, देश भर के बैंक हर महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को बंद रहते हैं.

जबलपुर की गलियों से एमपीएल के स्टेडियम तक, प्रथम और सफिन के संघर्ष की कहानी

मध्यप्रदेश के दिल जबलपुर , के विपरीत परिस्थितियों के दो युवाओं ने जुनून और मेहनत से अपनी तकदीर लिख दी है। सफिन अली और प्रथम उइके, दो जोशीले और तेज तर्रार गेंदबाज, जबलपुर रॉयल लायंस की टैलेंट हंट प्रतियोगिता में जीत हासिल कर टीम का हिस्सा बन गए हैं। अब ये दोनों खिलाड़ी मध्यप्रदेश लीग टी२० सिंधिया कप २०२५ में जलवा बिखेरेंगे, जिसकी शुरूआत १२ जून से हो रही है।

जबलपुर टीम १३ जून को अपना पहला मैच खेलेगी, और उसी के साथ ये दो युवा खिलाड़ी उन सैकड़ों अनदेखे और अनसुने सपनों की उम्मीदें लेकर मैदान में उतरेंगे, जिनका जज्बा भले ही कभी देखा न गया हो, पर वो कभी कमजोर नहीं था।

सराफा, अलीगंज की तंग गलियों से निकलकर २० वर्षीय सफिन अली ने सिर्फ बल्लेबाजों से नहीं, जिंदगी की हर मुश्किल से मुकाबला किया। छोटा सा गैराज चलाने वाले अश्फाक अली के बेटे सफिन का बचपन १२ लोगों के संयुक्त परिवार में बीता, जहाँ पैसों की तंगी थी लेकिन सपनों की कोई कमी नहीं थी। १२वीं के बाद पढ़ाई छोड़नी पड़ी, और क्रिकेट ही उनका एकमात्र सहारा बन गया।

ना सही जूते थे, ना कोई कोचिंग, फिर भी सफिन अली हर दिन ३ किलोमीटर साइकिल चलाकर मैदान पहुंचते, उधार की गेंदों और सिले हुए पुराने जूतों के साथ अभ्यास करते थे। सफिन कहते हैं, "इतनी मेहनत के बाद ये बहुत बड़ा पल है कि मैं जबलपुर टीम का हिस्सा बन रहा हूं।" मोहम्मद सिराज की जिद और विराट कोहली की आक्रामकता से प्रेरित होकर उन्होंने अपनी रफ्तार को अपना सबसे बड़ा हथियार बना लिया। जब सफिन का नाम जबलपुर रॉयल लायंस की फाइनल टीम में आया, तो उसकी आंखें भर आई। उसने धीरे से अपने पिता से कहा, "स्पाइक्स नहीं थे, लेकिन सपने थे। इस टीम ने मुझे खुद को साबित करने का मौका दिया।" ये सुनकर उसके पिता अश्फाक अली, जिनके हाथ उस समय ग्रीस से सने थे, बिना कुछ कहे बेटे को गले लगाकर फफक पड़े। गर्व के उस पल में शब्द भी थम गए। उनकी ही तरह, १९ वर्षीय प्रथम उइके के भीतर भी वही जुनून था। जबलपुर के बाहरी इलाके के एक छोटे से गांव शाहपुरा से आने वाले प्रथम के पिता रामगोपाल उइके एक ट्रैक्टर एजेंसी में काम करते हैं। प्रथम का क्रिकेट का सफर टेनिस बॉल क्रिकेट से शुरू हुआ था, लेकिन जल्द ही उनका हुनर जेपी एकेडमी, रानीताल के कोचों की नजर में आ गया, जो उनके गांव से लगभग ३० किलोमीटर दूर था। हर सुबह सूरज निकलने से पहले उठना, घंटों का सफर तय करना और फिर भी नेट्स में पूरी रफ्तार से गेंदबाजी करना उनकी दिनचर्या बन गई थी।

वे कहते हैं, "वापसी का सफर पैरों से ज्यादा दिल को दर्द देता था, क्योंकि पता नहीं था कि ये सब किसी मंजिल तक पहुंचेगा भी या नहीं।" प्रथम को डेल स्टेन के तूफानी अंदाज और विराट कोहली की भूख ने प्रेरित किया। टैलेंट हंट में जब उन्होंने रनअप लिया, तो जैसे पिच पर बिजली दौड़ गई, उनकी गेंद ऑफ स्टंप उड़कर सीधा चयनकताओं के दिल में जा लगी। जब उनका नाम टीम में घोषित हुआ, तो वो पल उनके पूरे परिवार के लिए सपनों के सच होने जैसा था। जबलपुर रॉयल लायंस के प्रतिनिधि लव मलिक ने टैलेंट हंट और जमीनी स्तर के इन खिलाड़ियों के चयन पर कहा, "हमारा टैलेंट हंट सिर्फ क्रिकेट तक सीमित नहीं था, बल्कि यह उन युवाओं को उम्मीद, पहचान और मंच देने की पहल थी, जिनके अंदर आग तो थी, लेकिन रोशनी नहीं थी।

ये लड़के न किसी बड़ी एकेडमी से आए, न इनके पास कोई टर्फ विकेट्स या ब्रांडेड गियर थे। ये ऐसे घरों से आए हैं, जहाँ हर रुपया तौलकर खर्च होता है और हर शाम अनिश्चित होती है। फिर भी, इनके पास सिर्फ एक चीज थी - विश्वास। और उसी विश्वास के सहारे इन्होंने दिल से गेंदबाजी की। आज ये लायंस की जर्सी पहनकर हमारे लिए गर्व का कारण बने हैं।"

छोटी खबरें

निकोलस पूरन ने अचानक इंटरनेशनल क्रिकेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली,10 जून । आधुनिक युग के वेस्टइंडीज के विस्फोटक और भरोसेमंद सफेद गेंद वाले क्रिकेटरों में से एक, निकोलस पूरन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की. उन्होंने 29 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया. वेस्टइंडीज के लिए सबसे ज्यादा टी20 रन और मैच खेलने वाले बाएं हाथ के बल्लेबाज ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए अपने फैसले का खुलासा किया. उन्होंने पोस्ट में उल्लेख किया कि यह उनके लिए मुश्किल था, लेकिन उन्होंने इस फैसले पर पहुंचने से पहले काफी सोचा था. पूरन ने लिखा, मैरून रंग की शर्ट पहनना, राष्ट्रगान के लिए खड़ा होना और हर बार मैदान पर कदम रखते ही अपना सबकुछ देना... यह शब्दों में बयां करना मुश्किल है कि यह मेरे लिए वास्तव में क्या मायने रखता है. कप्तान के तौर पर टीम का नेतृत्व करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है जिसे मैं हमेशा अपने दिल के करीब रखूंगा. पूरन ने खेल के सबसे छोटे फॉर्मेट में अपनी बल्लेबाजी का हुनर दिखाया और टी20ड्ढ में राष्ट्रीय टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के तौर पर उभरे. हालांकि, उनके करियर में कुछ उतार-चढ़ाव भी आए जैसे 2019 में अफगानिस्तान के खिलाफ बॉल टैंपरिंग के लिए कुछ समय के लिए निलंबन. उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के दौरान पोलार्ड की अनुपस्थिति में टीम की कप्तानी भी की और टीम को 4-1 से जीत दिलाई. पूरन ने 106 टी20ड्ढ में 136.39 के स्ट्राइक रेट से 2275 रन बनाए हैं. उन्होंने राष्ट्रीय टीम के लिए 61 वनडे मैच भी खेले हैं जिसमें उन्होंने 3 शतक बनाए हैं और 2019 विश्व कप में भी टीम का हिस्सा थे. उल्लेखनीय है कि पिछले दो महीनों में रिटायरमेंट लेने वाले पूरन 5वें बल्लेबाज हैं.

पूरन ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए अहम भूमिका निभाई और 14 मैचों में 196.25 की शानदार स्ट्राइक रेट से 524 रन बनाए. क्रिकेट वेस्टइंडीज ने उनके योगदान के लिए उनकी तारीफ की और स्टार कैरेबियाई बल्लेबाज को धन्यवाद भी दिया.

क्रेड ने 620 करोड़ रुपये की फंडिंग जुटाई, वैल्यूएशन 45 प्रतिशत घटा

नईदिल्ली, 10 जून। फिनटेक कंपनी क्रेड ने 3.5 अरब डॉलर के घटे हुए वैल्यूएशन पर 7.5 करोड़ डॉलर (लगभग 620 करोड़ रुपये) की फंडिंग जुटाई है। कुणाल शाह की कंपनी ने यह निवेश सिंगापुर के वेल्थ फंड जीआईसी की अगुवाई में हासिल की है। पिछली बार 2022 में इसका वैल्यूएशन 6.4 अरब डॉलर था, जो अब 45 प्रतिशत कम हो गया है। सीरीज- जी फंडिंग राउंड में आरटीपी कैपिटल, सोफिना और खुद शाह की कंपनी क्यूईडी इनोवेशन लैब्स ने भी पैसा लगाया है।

क्रेड का राजस्व 71 प्रतिशत बढ़कर 2,397 करोड़ रुपये हो गया, लेकिन घाटा भी 22 प्रतिशत बढ़कर 1,644 करोड़ पहुंच गया।

कंपनी ने इस नुकसान के बावजूद अपने प्रोडक्ट्स और सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में तेजी से काम किया है। फंडिंग का उपयोग नई पेशकश, तकनीकी निवेश और सुपर ऐप बनने की दिशा में किया जाएगा।

कंपनी आने वाले समय में आईपीओ की योजना भी बना रही है, इसलिए यह निवेश अहम माना जा रहा है।

क्रेड ने जनवरी, 2025 में भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मिलकर देश का पहला सीबीडीसी आधारित डिजिटल वॉलेट लॉन्च किया।

नवंबर, 2024 में क्रेड गेराज के जरिए बीमा क्षेत्र में भी कदम रखा। मई, 2025 में कंपनी ने पुरानी कार बेचने के लिए कार्स24 और स्पिनि के साथ साझेदारी की।

भारतीय टीम से एक और स्टार खिलाड़ी का कटेगा पत्ता? कोच गंभीर के सामने कठिन फैसला

नई दिल्ली,10 जून । भारत और इंग्लैंड के बीच 20 जून से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज होगा. टीम इंडिया के खिलाड़ी पहले ही इंग्लैंड के लिए रवाना हो चुके हैं और अभ्यास मैच में भाग ले रहे हैं. टीम इंडिया नए कप्तान के साथ टेस्ट सीरीज खेल रही है. युवा खिलाड़ी शुभमन गिल को टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है. ऋषभ पंत ने उपकप्तान की जिम्मेदारी संभाली है.

इस बार भारत किसी भी कीमत पर इंग्लैंड की धरती पर जीत हासिल करने के लिए तैयार है. इससे पहले उन्होंने 2007-2008 में इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीती थी. उसके बाद से भारत पिछले 17 मैचों में कोई सीरीज नहीं जीत सका है. अगर भारत इस बार सीरीज जीतता है तो यह एक रिकॉर्ड होगा. इसके अलावा शुभमन गिल इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतने वाले चौथे कप्तान बन जाएंगे. इस बीच कोच गंभीर अंग्रेजों को हराने के लिए एक मजबूत भारतीय टीम उतारने की तैयारी कर रहे हैं. इस बात पर चर्चा हो रही है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा की जगह कौन लेगा. इस बीच कोच गंभीर एक और वरिष्ठ भारतीय खिलाड़ी को झटका देने की तैयारी में हैं. इस बार कोच गंभीर अंग्रेजों को उनकी ही धरती पर हराने की तैयारी में हैं. वो इसके लिए एक अच्छी और मजबूत टीम तैयार करने की योजना बना रहे हैं. कुछ रिपोर्ट्स की मानें तो इस बात की संभावना है कि सीनियर और अनुभवी ऑलराउंडर को इसके लिए अंतिम टीम से बाहर कर दिया जाएगा. ऐसा कहा जा रहा है कि ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को इस सीरीज से बाहर रखा जा सकता है. रवींद्र जडेजा कई वर्षों से भारतीय टीम के प्रमुख खिलाड़ी रहे हैं. विशेषकर भारतीय उपमहाद्वीप में वह अपनी स्पिन गेंदबाजी, बल्लेबाजी और फील्डिंग से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं. हालांकि इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसी विदेशी धरती पर गेंदबाज के तौर पर जडेजा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है. जडेजा ने पिछले पांच वर्षों में विदेश में खेले गए 13 टेस्ट मैचों में उन्होंने 37.22 की औसत से गेंदबाजी की है. यह उनके पूरी गेंदबाजी औसत (24.14) से अधिक है. उनकी बल्लेबाजी में सुधार हुआ है लेकिन स्पिनर के रूप में वह टीम को आवश्यक विकेट दिलाने में संघर्ष कर रहे हैं. इस पृष्ठभूमि में उनकी जगह वाशिंगटन सुंदर को चुने जाने की संभावना है. वाशिंगटन सुंदर का विदेश में अच्छा रिकॉर्ड है. बॉर्डर गावस्कर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों से चमक बिखेरी. वो अच्छे फॉर्म में हैं और उनसे इंग्लैंड में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी.

लग गई मुहर, विराट कोहली की जगह नंबर 4 पर खेलेगा ये युवा बल्लेबाज

नई दिल्ली,10 जून । भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने 12 मई को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था. इसके बाद से भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम में नंबर 4 का स्थान खाली हो गया है. अब टीम इंडिया इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने वाली है. ऐसे में विराट कोहली की जगह पर नंबर 4 पर बल्लेबाजी कौन करेगा इसको लेकर सवाल जस का तस बना हुआ है. भारत के लिए इंग्लैंड में नंबर 4 पर खेलने के लिए कई दावेदार मौजूद हैं. इन विकल्पों में खुद कप्तान शुभमन गिल का नाम भी शामिल है. वो इससे पहले भारत के लिए नंबर 4 पर बल्लेबाजी कर चुके हैं. इसके साथ ही करुण नायर का नाम भी नंबर 4 के विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है. अभिमन्यु ईश्वरन और साई सुदर्शन जो भारतीय क्रिकेट टीम में बतौर ओपनर शामिल हुए हैं. उनके नाम पर भी कोहली की जगह नंबर 4 पर खेलने के लिए चर्चाएं हो रही हैं. इस सब के बीच इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने कहा है कि विराट कोहली की जगह पर नंबर 4 पर साई सुदर्शन खेल सकते हैं. उन्होंने कहा, भारत की टीम में कुछ अच्छे युवा खिलाड़ी हैं. एक खास बल्लेबाज सरे का खिलाड़ी साई सुदर्शन भी है. वह बहुत आक्रामक और निडर दिखता है. वह ऐसा खिलाड़ी है जिसने इंग्लिश परिस्थितियों में और सरे के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है. मुझे लगता है कि वह भारतीय क्रिकेट का अगला सुपरस्टार हो सकता है और नंबर चार पर विराट कोहली की भूमिका निभा सकता है.

---------------------------- व्यापार/फिल्म ----------------------------

हाउसफुल 5 बॉक्स ऑफिस कलेक्शन डे 3: पहले वीकेंड 100 करोड़ से चूकी फिल्म, 91.83 हुआ टोटल कलेक्शन

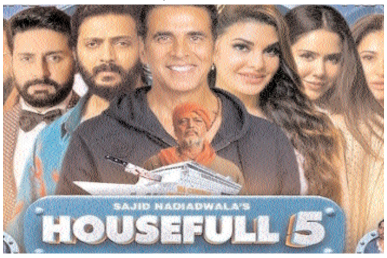

अक्षय कुमार और रितेश देशमुख की स्लैपस्टिक कॉमेडी हाउसफुल 5 ने अब तक घरेलू बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है. फिल्म ने अपने पहले शुक्रवार को ?24 करोड़ की शानदार ओपनिंग की. जिसके बाद दो दिनों में 50 करोड़ का बिजनेस किया. अब तीसरे दिन के कलेक्शन के साथ फिल्म 100 करोड़ के बेहद करीब पहुंच गई है. तो जानें फिल्म का तीन दिनों का टोटल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन.

हाउसफुल 5 ने अपने पहले शनिवार को 31 करोड़ और पहले रविवार को लगभग 32 करोड़ की कमाई की. इसके साथ ही फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन तीसरे दिन 87 करोड़ तक पहुंच गया है. फिल्म ट्रेड पोर्टल सैकनिल्क के अनुसार, भारत में हाउसफुल 5 का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन अब जल्द ही 100 करोड़ का आंकड़ा पार करेगा. वहीं मेकर्स ने हाल ही में ऑफिशियल कलेक्शन शेयर किया है जिसके मुताबिक फिल्म ने 91.83 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. उनके ऑफिशियल आंकड़ों के अनुसार फिल्म ने पहले दिन 24.35 करोड़, दूसरे दिन 32.38 करोड़ और तीसरे दिन 35.10 करोड़ का कलेक्शन किया है. अक्षय कुमार की मल्टीस्टारर फिल्म 2025 में छावा (31 करोड़) और सिकंदर (26 करोड़) के बाद तीसरी सबसे बड़ी बॉलीवुड ओपनर है. 2025 की अब तक की अन्य टॉप बॉलीवुड फिल्मों में रेड 2 (19.25 करोड़) और स्काई फोर्स (12.25 करोड़) शामिल हैं.

फिल्म के भारत भर में शो ने अपने पहले रविवार को अच्छी खासी ऑक्यूपेंसी दर्ज की. रविवार को पूरे भारत में हाउसफुल 5ए के हिंदी शो में कुल 39.52त्न ऑक्यूपेंसी दर्ज की गई, जबकि शाम के शो में सबसे ज्यादा 54.77त्न ऑक्यूपेंसी दर्ज की गई. पूरे भारत में हाउसफुल 5बी के हिंदी शो की कुल ऑक्यूपेंसी 24.49त्न रही, जबकि शाम के शो की ऑक्यूपेंसी सबसे अधिक 36.40त्न रही.

तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित, हाउसफुल 5, हाउसफुल फ्रैंचाइज की पांचवीं फिल्म है. जो एक लग्जरी क्रूज शिप पर सेट है, जहां एक अरबपति को रहस्यमय तरीके से मार दिया जाता है. इसके बाद हत्या करने वाले आरोपी को ढूंढने की प्रोसेस के बीच भरपूर कॉमेडी और ड्रामा होता है. दिलचस्प बात ये है कि फिल्म के दो अलग-अलग प्रिंट, हाउसफुल 5ए और हाउसफुल 5बी रिलीज किए गए, दोनों में अलग-अलग क्लाईमैक्स दिखाए गए हैं. फिल्म में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख और अभिषेक बच्चन के साथ जैकलीन फर्नाडीज, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ और नाना पाटेकर खास रोल में हैं. यह फिल्म 6 जून को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी.

नंदमुरी बालकृष्ण के फैंस को मिला बड़ा तोहफा, अखंड 2 का धमाकेदार टीजर रिलीज

नंदमुरी बालकृष्ण की आगामी फिल्म अखंड 2 का टीजर रिलीज हो गया है। यह फिल्म उनकी साल 2021 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म अखंड का ही सीक्वल है। आज 10 जून को नंदमुरी का जन्मदिन है। उससे पहले मेकर्स ने फिल्म का टीजर जारी किया है। इसका निर्देशन बोयापति श्रीनु ने किया है। फिल्म अखंड 2 की शूटिंग इस साल की शुरूआत में प्रयागराज में आयोजित पवित्र महाकुंभ मेले में शुरू हुई थी। बालकृष्ण के जन्मदिन से पहले मेकर्स ने फिल्म का पावर पैक्ड टीजर जारी किया है। इसमें बालकृष्ण सिग्नेचर अवतार में नजर आ रहे हैं। उनका रुआब देखने लायक है। फिल्म का टीजर काफी रोमांचक है और दर्शकों से इसे अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। भगवान शिव के भक्तों को यह फिल्म विशेषरूप से पसंद आएगी। नंदमुरि इसमें एक्शन करते नजर आए हैं। फिल्म में नंदमुरी बालकृष्ण मुख्य भूमिका में हैं। साथ ही इसमें खलनायक के रूप में आदि पिनिसेट्टी नजर आएंगे, जो इससे पहले यह सराईनोडु फिल्म में विलेन की भूमिका में नजर आ चुके हैं। वहीं इस फिल्म में अभिनेत्री के रूप में संयुक्ता मेनन मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

अखंड 2 का निर्माण 14 रील्स प्लस बैनर के तहत राम अचंता और गोपीचंद अचंता द्वारा किया जा रहा है। इसके अलावा फिल्म में संगीत की बात करें तो इस थमन ने दिया है। नंदमुरी बालकृष्ण अभिनीत फिल्म अखंड 2 सिनेमाघरों में 25 सितंबर को रिलीज की जाएगी। बात करें फिल्म अखंड की तो यह ब्लॉकबस्टर रही थी।

शेयर बाजार तेजी के साथ ग्रीन जोन में खुला, सेंसेक्स 132 अंक उछला, निफ्टी 25,196 पर

मुंबई, 10 जून। कारोबारी सप्ताह के दूसरे दिन शेयर बाजार हरे निशान पर खुला. बीएसई पर सेंसेक्स 132 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 82,577.39 पर ओपन हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.37 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 25,196.05 पर खुला. सकारात्मक वैश्विक संकेतों के बीच, 10 जून को भारतीय सूचकांक निफ्टी 25150 के आसपास मजबूती के साथ कारोबार कर रहा.

आज के कारोबार के दौरान वीडोल कॉर्पोरेशन, एस्ट्राजेनेका फार्मा इंडिया, फोर्स मोटर्स, जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज, टेक महिंद्रा, आईटीडी सीमेंटेशन इंडिया, प्रोटीन ई-गवर्नेंस टेक्नोलॉजीज, निबे, आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स, जन स्मॉल फाइनेंस बैंक, कैप्री ग्लोबल कैपिटल और प्रीमियर एनर्जीज के शेयर फोकस में रहेंगे.

कारोबारी सप्ताह के पहले दिन शेयर बाजार तेजी के साथ ग्रीन जोन में बंद हुआ. बीएसई पर सेंसेक्स 256 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 82,445.21 पर क्लोज हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.40 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 25,103.20 पर बंद हुआ.

कारोबार के दौरान निफ्टी पर बजाज फाइनेंस, कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, जियो फाइनेंशियल, ट्रेंट के शेयर टॉप गेनर के लिस्ट में शामिल रहे. जबकि आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन कंपनी, एमएंडएम, भारती एयरटेल, इटरनल के शेयर टॉप लूजर के लिस्ट में शामिल रहे.

रियल्टी को छोड़कर बाकी सभी सेक्टोरल इंडेक्स हरे निशान में कारोबार किए. जिनमें आईटी, पीएसयू बैंक 1-1 फीसदी ऊपर रहे. बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में 1-1 फीसदी की तेजी आई.

राजधानी

अम्बिकावाणी | अम्बिकापुर, बुधवार 11 जून, 2025 | 8

राज्यपाल डेका ने सक्ति जिले के टी.बी. मरीजों को दी 60 हजार रुपए की आर्थिक सहायता

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने सक्ति जिले के 10 टीबी मरीजों के लिए एक सराहनीय कदम उठाते हुए उन्हें पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने हेतु 60 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की है। यह सहायता राशि उन्होंने अपने स्वेच्छानुदान मद से दी है, जिससे मरीजों के स्वास्थ्य में सुधार लाने में मदद मिलेगी। प्रत्येक मरीज को प्रति माह 500 रुपए के मान से एक वर्ष तक सहायता दी जाएगी। भारत सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत राज्य को टीबी मुक्त बनाने के लिए राज्यपाल श्री डेका ने इस अभियान में समुदाय की भागीदारी को अत्यंत आवश्यक बताया और जन सहयोग की महत्ता पर बल दिया है। वे जिलों के भ्रमण के दौरान मरीजों की स्थिति की जानकारी लेते हैं और उनकी हरसंभव सहायता व मदद सुनिश्चित कराते हैं।

न्यूज गैलरी

2 मजदूरों की ट्रेन की चपेट में आने से मौत, दो घायल

दल्ली राजहरा। झारखंड से दल्लीराजहरा आए चार मजदूर अत्यधिक थके होने के कारण दो मजदूर पटरी पर ही सो गए, वहीं दो मजदूर आसपास बैठे थे। इसी दौरान मरोदा से दल्ली राजहरा की ओर आने वाली मालगाड़ी ने सभी चारों मजदूरों को अपनी चपेट में ले लिया, जिसमें से दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं दो मजदूर गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। दल्ली राजहरा से मजदूरी करने के बाद सोमवार की देर रात को पैदल कुसुमकसा की ओर जा रहे चार मजदूर पटरी पर अपनी थकान मिटाने बैठ गए। अत्यधिक थके होने के कारण दो मजदूर पटरी पर ही सो गए, वहीं दो मजदूर आसपास बैठे रहे। 9 जून को देर रात्रि के बाद निकले इन चारों मजदूरों को कुसुमकसा पहुंचते 10 जून की सुबह 4 बज गया। इधर मरोदा से दल्ली राजहरा की ओर आने वाली मालगाड़ी ने सभी चारों मजदूरों को अपनी चपेट में ले लिया, जिसमें से दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं दो मजदूर गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। इस दुर्घटना में मृत मजदूरों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष तोरण लाल साहू ने कहा कि घटना अत्यंत दुखद है। भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए रेलवे प्रशासन को उचित कदम उठाने चाहिए।

कोरबा में पर्यावरण प्रदूषण को लेकर बीएमएस का प्रदर्शन, कलेक्टर को सौंपा गया ज्ञापन

कोरबा अम्बिकावाणी –औद्योगिक क्षेत्रों में बढ़ते प्रदूषण और जनस्वास्थ्य पर पड़ते दुष्प्रभाव को लेकर मंगलवार को भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) जिला कोरबा द्वारा आईटीआई चौक में आमसभा का आयोजन कर जोरदार प्रदर्शन किया गया। सभा के उपरांत रैली निकालते हुए प्रदर्शनकारी कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और पर्यावरण संरक्षण के मुद्दे पर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीएमएस जिलाध्यक्ष अजय मिश्रा ने की। इस अवसर पर राष्ट्रीय पर्यावरण प्रभारी लक्ष्मण चंद्रा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य पूर्णिमा साहू, विभाग प्रमुख डी. वेंकट राव सहित अन्य वक्ताओं ने पर्यावरणीय संकट को लेकर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कोरबा जिले में संचालित भारी उद्योगों से हो रहे वायु एवं जल प्रदूषण का सीधा असर आमजन के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। बीएमएस द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में जिला प्रशासन से मांग की गई कि— पर्यावरण प्रदूषण पर तत्काल और कठोर कार्रवाई की जाए। प्रभावित क्षेत्रों में स्थायी एवं ठोस सुधारात्मक उपाय किए जाएं। पर्यावरणीय मानकों का उल्लंघन करने वाले उद्योगों पर जुमार्ना सहित अन्य दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

औद्योगिक इकाइयों की भागीदारी – इस प्रदर्शन में कोरबा जिले की प्रमुख औद्योगिक इकाइयों और मजदूर संगठनों की भी सक्रिय भागीदारी रही। एसईसीएल (गेवरा, दीपका, कुसमुंडा), एनटीपीसी, बालको, कोरबा थर्मल (पूर्व/पश्चिम), लैंको (अडाणी पावर), ठेका मजदूर संघ, बिजली वितरण विभाग समेत अन्य विभागों के सैकड़ों कर्मचारी और पदाधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री नवरतन बरेठ ने किया। यह आंदोलन अखिल भारतीय मजदूर संघ के निर्देश एवं बीएमएस छत्तीसगढ़ प्रदेश इकाई के आह्वान पर आयोजित किया गया था।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक हुई आयोजित

सीईओ ने विभागवार कार्यों की समीक्षा कर निराकरण हेतु दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

कोरबा अम्बिकावाणी- कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री दिनेश कुमार नाग ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक लेकर विभागवार कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को विभागीय योजनाओं का जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन करने एवं आमजनों को प्राथमिकता से लाभांवित करने के निर्देश दिए। बैठक में सीईओ श्री नाग ने शासकीय योजनाओं एवं विभागीय कार्यो की अद्यतन प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने शासन की योजनाओं का आमजनों को प्राथमिकता से लाभ पहुँचाने हेतु निर्देशित किया। इस हेतु जमीनी स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन पर गम्भीरता से ध्यान देने की बात कही। श्री नाग ने विभिन्न विभागों में समय सीमा के लंबित प्रकरणों के निराकरण हेतु अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने हाथी प्रभावित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु अधिकारियो को निर्देश दिए, जिससे आम जनता को किसी प्रकार की समस्या न हो। उन्होंने सुशासन तिहार अंतर्गत मिले आवेदनों के निराकरण स्थिति की भी समीक्षा की। सीईओ श्री नाग ने निराकरण हेतु लंबित आवेदनों को शीघ्रता से परीक्षण कर निराकरण करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर अनुपम तिवारी, एडीएम मनोज बंजारे सहित सभी एसडीएम, जनपद सीईओ एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जनजातीय समाज के विकास के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता - मुख्यमंत्री

00 मंत्रालय में आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा, 00 छात्रावासों में सुविधाओं की एकरूपता और गुणवत्ता पर जोर, लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई

00 नई छात्रावास-आश्रम प्रबंधन प्रणाली का शुभारंभ, आश्रम छात्रावासों के संचालन के लिए 85 करोड़ रुपए का ऑनलाइन अंतरण

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में आदिम जाति विकास, अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग के कार्यों की उच्चस्तरीय समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने छात्रावास-आश्रम प्रबंधन के लिए नवीन पोर्टल का शुभारंभ किया। साथ ही, आगामी शिक्षण सत्र 2025-26 में प्रदेश के आश्रम छात्रावासों के संचालन हेतु नई व्यवस्था के अंतर्गत शिष्यवृत्ति एवं भोजन सहायता की पहली किश्त (जुलाई से सितंबर) के रूप में 85 करोड़ रुपए का ऑनलाइन अंतरण भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विशेष पिछड़ी जनजातियों और आदिवासी समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने के लिए संकल्पित है। हमारा लक्ष्य है कि इन वर्गों का जीवन स्तर बेहतर हो, वे आत्मनिर्भर बनें और विकास की मुख्यधारा में सम्मिलित हों। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जनजातीय समुदाय की सदैव चिंता करते हैं और उनके विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं। केंद्र सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आवास जैसी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने हेतु अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने पीएम जनमन एवं धरती आबा जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएम जनमन योजना के अंतर्गत स्वीकृत आवास और सड़क निर्माण कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने पर जोर दिया। साथ ही, पीएम जनमन योजना के अंतर्गत शिविरों के माध्यम से हितग्राहियों के आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र जैसे मूलभूत दस्तावेजों को तैयार करने का कार्य लगातार जारी रखने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने आश्रम-छात्रावासों की समीक्षा करते हुए कहा कि जहाँ आवश्यकता हो, वहाँ सर्वसुविधायुक्त छात्रावास बनाए जाएं। शौचालय, बेड, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित हो। निरीक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि आश्रम-छात्रावासों में बच्चों को दी जाने वाली सुविधाओं में एकरूपता रहे तथा छात्रावासों की निगरानी के लिए रियल टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम को अपनाया जाए। मुख्यमंत्री ने विभाग द्वारा संचालित क्रीड़ा परिसरों की भी जानकारी ली और बच्चों द्वारा विभिन्न खेलों में अर्जित सफलताओं पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी 20 क्रीड़ा परिसरों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी ताकि खेल प्रतिभाएं और निखरें और खिलाड़ी खेलो इंडिया सहित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।प्रयास विद्यालयों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इनमें उच्च शिक्षित प्रशिक्षकों की नियुक्ति होनी चाहिए। साथ ही, इंजीनियरिंग, मेडिकल, क्लैट, सीयूईटी सहित अन्य कैरियर विकल्पों के लिए भी बच्चों को तैयार करने पर विशेष ध्यान दिया जाए।मुख्यमंत्री श्री साय ने आदिम जाति विभाग के अंतर्गत स्वीकृत एवं प्रगतिरत भवनों के निर्माण कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने तथा भवनविहीन संस्थानों के लिए सर्वसुविधायुक्त भवन निर्माण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मध्य क्षेत्र विकास प्राधिकरण एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण की बैठक भी शीघ्र आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आदिवासी संस्कृति संरक्षण एवं विकास के अंतर्गत देवगुड़ी निर्माण और अखरा विकास के कार्यों की भी समीक्षा की। साय ने अखरा विकास के तहत आस्था स्थलों पर उपयुक्त प्रकाश, बैठक व्यवस्था, शेड और पेयजल सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित ट्राइबल यूथ हॉस्टल की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सिविल सेवाओं की तैयारी कर रहे बच्चों के मार्गदर्शन के लिए हाल ही में चयनित अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों से चर्चा कर सुझाव लिए जाएं ताकि वर्तमान परिदृश्य के अनुरूप युवाओं को रणनीति बनाने में मदद मिल सके। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इससे प्रदेश के अधिकाधिक युवा उच्च पदों पर पहुँचकर राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। बैठक में एकलव्य आवासीय विद्यालय, मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना, जनजातीय बहुउद्देश्यीय विपणन केंद्र, वन अधिकार पत्र सहित अन्य विभागीय योजनाओं की भी विस्तृत समीक्षा की गई।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल एमसीएच अलबेलापारा व शासकीय कोमलदेव अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

00 मरीजों से बातचीत कर शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज कांकेर प्रवास के दौरान एमसीएच अस्पताल अलबेलापारा एवं शासकीय कोमलदेव अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने दोनों अस्पतालों में उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं का विस्तृत जायजा लिया तथा संचालकों व स्टाफ को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान एमसीएच अस्पताल, अलबेलापारा फामेर्सी में दवाइयों की उपलब्धता की समीक्षा की और जेनेरिक दवाइयों के उपयोग एवं वितरण के निर्देश दिए। इसके पश्चात नेक्स्ट जेन सॉफ्टवेयर के माध्यम से रोगियों का पंजीकरण व मेडिकल रिकॉर्ड देखने का वर्कफ्लो परीक्षण किया।

स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने एमबीबीएस अंतिम वर्ष के छात्रों (पहला बैच, कांकेर) से संवाद कर उनसे स्नातक उपरांत ग्रामीण व आदिवासी क्षेत्रों में सेवाएँ देने का आग्रह किया। फाइनल ईयर छात्र राहुल शर्मा ने गर्ल्स व बॉयज हॉस्टल में अलग-अलग पानी के बोर की मांग की, जिस पर मंत्री ने तत्काल नलकूप खनन के निर्देश कलेक्टर श्री निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर को दिए। नवजात शिशु कक्ष का निरीक्षण कर उसे और सुसज्जित करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने बाल चिकित्सा कक्ष में ईश्वर लाल मरकाम (13 वर्ष, विश्रामपुरी; मधुमेह से ग्रस्त) का स्वास्थ्य-इतिहास रेखांकित कर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को बेहतर उपचार के लिए प्रकरण तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही थैलेसीमिया पीड़ित हिमांशु मरकाम (घोटवाही) के लिए नियमित रक्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश प्रबंधन को दिए। राज्जो बाई कवाची (चिचकी, बडगांव) से मुलाकात कर शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

शासकीय कोमलदेव अस्पताल का किया निरीक्षण

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने एमआरआई कक्ष, कंसोल रूम व डायलिसिस रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने डायलिसिस कक्ष को आवश्यक उपकरण जैसे एयर कंडीशनर लगाने तथा विस्तार करने के आदेश दिए। अस्पताल परिसर में जहां पंखों की कमी थी, एक सप्ताह के भीतर स्थापित करने के निर्देश जारी किए। पुरूष वार्ड में श्री करूराम से मुलाकात कर शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। जनरल वार्ड में 86 वर्षीय श्री बृजलाल साहू बागोडार जिसके पैरों में सूजन थी, उनसे बातचीत की। इस पर बृजलाल ने कहा की उनका आयुष्मान कार्ड के माध्यम से मुफ्त उपचार हो रहा है। इस पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि ये विष्णु का सुशासन है यहां अच्छे से इलाज होता है। इस दौरान श्रीमती रामबती निषाद (दुधावा) से आशीर्वाद लेते हुए उन्हें "ठीक हो जाबे, दाई, तय चिंता झन कर" कहकर उनका उत्साहवर्धन किया। स्वास्थ्य मंत्री ने दोनों अस्पतालों में रोगियों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित करने एवं समयबद्ध रूप से आवश्यक सुधार कार्य पूर्ण करने का पुनः आश्वासन दिया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन चिकित्सा शिक्षा विभाग के सचिव श्री अमित कुमार कटारिया, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी, सांसद श्री भोजराज नाग, कांकेर विधायक श्री आशाराम नेताम, मछुआ कल्याण बोर्ड अध्यक्ष श्री भरत मटियारा, हस्तशिल्प बोर्ड अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत एवं अधिष्ठाता डॉ. खान सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अस्पताल के स्टॉफ उपस्थित रहे।

कोरबा नगर निगम पर फूटा जनप्रतिनिधि का गुस्सा: अंधेरे में बस्तियां, जलती लाइटों को बदला जा रहा

कोरबा अम्बिकावाणी- नगर निगम कोरबा की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। नेता प्रतिपक्ष कृपाराम साहू ने निगम प्रशासन पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने इसे "अंधेर नगरी, चौपट राजा" की संज्ञा देते हुए कहा कि जब से नगर निगम में भाजपा का शासन आया है, तब से भ्रष्टाचार और अव्यवस्था चरम पर है। उन्होंने आरोप लगाया कि शहर की प्रमुख सड़कों पर पहले से जल रही स्ट्रीट लाइटों को निगम अपने संसाधनों से बदल रहा है, जबकि अधिकांश बस्तियों में लाइटें सालों से खराब पड़ी हैं और लोग अंधेरे में जीवन जीने को मजबूर हैं। बरसात का मौसम नजदीक है, ऐसे में यह लापरवाही किसी बड़ी दुर्घटना को न्योता दे सकती है।

वारंटी में ही बदली जा रही लाइटें, ठेका कंपनी बच रही जिम्मेदारी से – श्री साहू ने बताया कि मुख्य मार्गो की जो स्ट्रीट लाइटें बदली जा रही हैं, वे अब भी गारंटी अवधि में हैं और उनका रखरखाव संबंधित ठेका कंपनी की जिम्मेदारी है। इसके बावजूद निगम द्वारा छुट्टी के दिनों में अपने संसाधनों से लाइट बदलवाना पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़े करता है।

बजट में वादे, जमीन पर सन्नाटा – नेता प्रतिपक्ष ने नगर निगम के २०२५-२६ के प्रथम बजट सत्र में महापौर संजू देवी राजपूत द्वारा किए गए वादों को भी खोखला बताया। उन्होंने कहा कि बजट पत्र (पृष्ठ १०-११) में स्पष्ट उल्लेख था कि छट्ठी, विवाह एवं दशगात्र कार्यक्रमों में निःशुल्क पानी टैंकर उपलब्ध कराया जाएगा। मृत्यु पर अंतिम संस्कार हेतु लकड़ी की व्यवस्था निःशुल्क की जाएगी। लेकिन आज तक न तो किसी मुक्तिधाम में लकड़ी की व्यवस्था हुई है और न ही कोई कर्मचारी इस कार्य के लिए नियुक्त हुआ है। इसी तरह पानी टैंकर के लिए न वाहन खरीदे गए और न चालक नियुक्त किए गए।

कृपाराम साहू ने जनहित में निम्न मांगें रखीं : प्रत्येक मुक्तिधाम में ५० क्विंटल लकड़ी की तत्काल व्यवस्था की जाए। नगर निगम के प्रत्येक जोन में कम से कम ६ पानी टैंकर उपलब्ध कराए जाएं। टैंकर संचालन के लिए वाहन चालकों की नियुक्ति की जाए। नेता प्रतिपक्ष ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जनहित से जुड़े मुद्दों की अनदेखी की गई, तो विपक्ष सड़क से लेकर सदन तक जनआंदोलन करेगा और इसकी जिम्मेदारी निगम प्रशासन की होगी।

गुप्ता आज सम्हालेंगे अपेक्स बैंक के प्राधिकृत अधिकारी का पद

00 'सहकार से समृद्धि' अंतर्गत राज्यस्तरीय सम्मेलन और फरसाबहार में अपेक्स बैंक की नवीन शाखा का वर्चुअल शुभारंभ भी होगा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता और छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक मर्यादित (अपेक्स बैंक, छत्तीसगढ़) के नवनियुक्त प्राधिकृत अधिकारी केदारनाथ गुप्ता कल 11 जून को जून को पदभार ग्रहण करेंगे। इस अवसर पर जशपुर जिले के फरसाबहार में अपेक्स बैंक की नवीन शाखा का वर्चुअल शुभारंभ भी होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहेंगे और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक मर्यादित (अपेक्स बैंक, छत्तीसगढ़) के नवनियुक्त प्राधिकृत अधिकारी श्री गुप्ता के पदभार ग्रहण के सुबह 11.30 बजे बलबीरसिंह जुनेजा इनडोर स्टेडियम (बुढ़ापारा) में होने वाले 'सहकार से समृद्धि' अंतर्गत होने वाले राज्यस्तरीय सम्मेलन कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, उप मुख्यमंत्री द्वय अरुण साव व विजय शर्मा, केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, प्रदेश के कैबिनेट मंत्रीगण केदार कश्यप, रामविचार नेताम, दयालदास बघेल, ओ.पी. चौधरी, श्यामबिहारी जायसवाल, लखनलाल देवांगन, लक्ष्मी राजवाड़े व टंकराम वर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायकगण राजेश मूणत, सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, अनुज शर्मा, गुरु खुशवंत साहेब व इन्द्रकुमार साहू, महापौर मीनल चौबे और रायपुर जिला (शहर) अध्यक्ष रमेश ठाकुर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

एनडीआरएफ की टीम ने विद्युतकर्मियों को सिखाया आपदा में बचाव कैसे करें

एचटीपीएस में आपदा से निपटने के लिए प्रशिक्षण का आयोजन

कोरबा अम्बिकावाणी- हसदेव ताप विद्युत संयंत्र (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम के संयंत्र परिसर में मंगलवार को प्राकृतिक आपदा एवं मानव जनित आपदा से निपटने के लिए प्रशिक्षण एवं साइट डेमो का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय आपदा एवं बचाव दल (०३ बटालियन-एनडीआरएफ) मुंडली, कटक के उपनिरीक्षक हेमराज पांडेय एवं उनकी टीम द्वारा दी गई। एनडीआरएफ की टीम द्वारा विद्युत संयंत्र के अधिकारी, कर्मचारी एवं श्रमिकों को आपदा के समय बचाव के तरीकों को सिखाया गया। इनमें प्रमुख रूप से सीपीआर, आपदा के समय घायल व्यक्तियों को सुरक्षित ढंग से उठाना एवं स्थानांतरित करना, रक्तस्राव रोकना, आपदा जैसे- सर्पदंश, बाढ़, चक्रवात एवं भूकंप के समय बरते जानी वाली सावधानियां एवं कार्य के बारे में विस्तार से बताया गया। एनडीआरएफ टीम ने बच्चों के मामले में बाह्य वस्तु द्वारा सांस नली में रूकावट को दूर करने के उपाय को लाइव डेमो देकर बताया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मुख्य अभियंता पीके श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में टरबाइन मेंटेनेंस डिवीजन-३ के अधीक्षण अभियंता नरेंद्र उइके एवं अग्निशमन अधिकारी जीपी पनरिया एवं उनकी टीम के संयोजन से आयोजित हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता एमके. गुप्ता, पीके. स्वैन, केएनबी. राव और वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ एके कुरनाल उपस्थित रहे।

श्वेता हॉस्पिटल लापरवाही मामला गरमाया: महिला की मौत के विरोध में हजारों लोग सड़कों पर उतरे, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

10 दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो बड़ा आंदोलन

कोरबा अम्बिकावाणी – रिस्दी स्थित श्वेता हॉस्पिटल में प्रसव के दौरान हुई लापरवाही से महिला की मौत के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। मृतका अंजली सिंह को न्याय दिलाने एवं दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर मंगलवार १० जून को हजारों की संख्या में लोग कोसाबाड़ी चौक स्थित हनुमान मंदिर के पास इकट्ठा हुए और सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शन में विभिन्न सामाजिक संगठन, नागरिक, और राजनीतिक कार्यकर्ता शामिल हुए। सभी ने पदयात्रा करते हुए कलेक्टर कार्यालय तक पहुँचकर जिला प्रशासन को ६ सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। मौके पर पुलिस बल की तैनाती भी की गई थी। प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा, लेकिन जनाक्रोश स्पष्ट रूप से झलकता रहा।

पति ने लगाए गंभीर आरोप

पीड़ित पति रणजीत सिंह का आरोप है कि १ जून को उन्होंने अपनी गर्भवती पत्नी अंजली सिंह को श्वेता हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। ऑपरेशन डॉक्टर मनीआरो कुजुर की देखरेख में हुआ, लेकिन ऑपरेशन के बाद अत्यधिक रक्तस्राव शुरू हो गया। उस रात अस्पताल में न तो कोई डॉक्टर मौजूद था और न ही अनुभवी नर्सिंग स्टाफ। इलाज में देरी से महिला की हालत बिगड़ती गई और गंभीर स्थिति में उसे न्यू कोरबा हॉस्पिटल रेफर किया गया, जहाँ इलाज के कुछ घंटों बाद उसकी मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि न्यू कोरबा हॉस्पिटल ने कुछ ही घंटों के इलाज के एवज में १ लाख रुपये वसूल लिए, जबकि महिला की हालत पहले से ही नाजुक थी और डॉक्टरों ने वास्तविक स्थिति छिपाई।

प्रमुख मांगें और चेतावनी

डॉक्टर मनीआरो कुजुर को तत्काल निलंबित किया जाए। उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज हो। श्वेता हॉस्पिटल का लाइसेंस निरस्त कर उसे बंद किया जाए। जांच कोरबा से बाहर की निष्पक्ष टीम से कराई जाए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट स्वतंत्र और पारदर्शी हो। न्यू कोरबा हॉस्पिटल पर आर्थिक शोषण और लापरवाही के लिए कार्रवाई की जाए। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि १० दिनों के भीतर कोई ठोस प्रशासनिक कदम नहीं उठाया गया, तो जिलेभर में व्यापक जनआंदोलन शुरू किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

व्यवस्था पर सवाल, जवाबदेही तय करना जरूरी – यह मामला न केवल निजी अस्पतालों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करता है, बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था में जवाबदेही की कमी को भी उजागर करता है। अब सबकी निगाहें प्रशासन की ओर हैं—देखना होगा कि मृतका के परिजनों को न्याय दिलाने और दोषियों पर कार्रवाई को लेकर क्या कदम उठाए जाते हैं।

■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा टुटेजा मीडिया पब्लिकेशन, नमनाकला, अम्बिकापुर, सरगुजा (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित, 0 प्रधान संपादक-महेन्द्र सिंह टुटेजा,Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ RNI No. 50247/89 ■ Postal Regn No./ छ.ग./रायगढ़/009/2016 से 2018 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com

KJ
स्थापना - 1928
मानक पथप्रदर्शक 100% Hallmark Jewellery
कंचन ज्वेलर्स
स्वर्ण एवं रजत आभूषणों का विशाल संग्रह
सदर रोड, अम्बिकापुर, सरगुजा (छत्तीसगढ़)
फोन - 07774-222309

सरगुजा संभाग
अम्बिकावाणी
■ सरगुजा ■ कोरिया ■ सूरजपुर ■ बलरामपुर ■ जशपुर
अम्बिकापुर बुधवार 11 जून 2025

प्रेम से बोला गया एक शब्द भी अनेक दुःखी आत्माओं को शांति प्रदान कर सकता है।

स्कूलों के युक्तियुक्तकरण का विरोध... बीईओ कार्यालय का हुआ घेराव,कांग्रेसियों और पुलिस के बीच जमकर तनातनी, कांग्रेसियों ने राज्य सरकार और पुलिस के खिलाफ जमकर की नारेबाजी

अम्बिकापुर - स्कूलों के युक्तियुक्तकरण के विरोध में बीईओ को ज्ञापन सौंपने गए कांग्रेसियों और पुलिस के बीच जमकर तनातनी हुई।कांग्रेसियों ने राज्य सरकार और पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

प्रदेश कांग्रेस के आह्वान पर अम्बिकापुर शहर, ग्रामीण और दरिमा ब्लॉक कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने अम्बिकापुर खण्ड शिक्षा अधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस ने ज्ञापन में कहा कि विधानसभा चुनाव में भाजपा ने मोदी की गारंटी के नाम पर जो घोषणापत्र में शिक्षकों के ५७ हजार पद भरने और बंद पडे स्कूलों को खोलने की बात की थी। अपने वादों के विपरीत सरकार शिक्षा विभाग में नये सेटअप के नाम पर युक्तियुक्तकरण की नयी नीति लेकर आ गई है, जिससे प्रदेश में १०४६३ स्कूल सीधे तौर पर बंद हो जायेंगे। करीब ४५००० से अधिक शिक्षकों के पद समाप्त हो जायेंगे। स्कूलों के बंद होने से

शिक्षकों के साथ ही साथ रसोईया, भृत्य, स्वीपर, महिला समूहों के रोजगार छीन जाएगा। आम जनता पर शिक्षा के लिए आर्थिक बोझ बढ़ेगा। इससे पहले ज्ञापन सौंपने जा रहे कांग्रेसियों को पुलिस ने कार्यालय परिसर के बाहर ही बेरिकेड लगाकर रोक दिया। कार्यालय में जाने का प्रयास कर रहे कांग्रेस के युवा कार्यकर्ताओ से पुलिस ने धक्का मुक्की की जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। प्रदर्शनकारी बेरिकेड तोड़ कार्यालय में घुस गए। कांग्रेस के प्रदर्शन के मद्देनजर बीईओ कार्यालय को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया था। प्रदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस शहर अध्यक्ष हेमन्त सिन्हा,ग्रामीण अध्यक्ष विनय शर्मा। मो इस्लाम, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, शैलेन्द्र सोनी,सत्येंद्र तिवारी,दुर्गेश गुप्ता,प्रमोद चौधरी, संजीव मंदिलवार,शंकर प्रजापति, वेदपरक्ष शर्मा ,विनय गुप्ता,आशीष वर्मा,दिलीप धर,सुधांशु गुप्ता, जमील खान, चन्द्र प्रकाश सिंह, जीवन यादव, रजनीश सिंह,अनिल सिंह, हरभजन सिंह,वीरेंद्र सिन्हा, अमितेज सिंह,अमित वर्मा,विकास केशरी, मिथुन सिंह,आशु एक्का,सोहेल अली,लूकस एक्का,निक्की खान,विकास शर्मा, अख्तर चम्मा,धर्मेंद्र ताम्रकार,तरह चौधरी, अर्धेन्दू घोष,तीर्थ चौधरी,अविनाश ठाकुर, आशीष जायसवाल,परवेज आलम,अंकित जायसवाल,आशीष शील,विकास शर्मा,नरेंद्र बाबरा, सोहन जायसवाल, सीमा सोनी, मधु दीक्षित,मालती सिंह प्रजापति,मंजू सिंह,रूबी जैन,चंचला शांडिल्य,सपना सिन्हा,रश्मि सिंह गीता रजक, प्रीति सिंह, साधना कश्यप, शकीला परवीन, पप्पू सरजाल,शिव प्रसाद अग्रहरि,विकास दुबे, सुरेंद्र गुप्ता,संजर नवाज,धीरज गुप्ता,अभिषेक सोनी,अतुल यादव,परमेश्वर भगत सहित कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए।

जिले भर में हुआ घेराव

लखनपुर, उदयपुर, लुंड्रा विकासखण्ड में भी बीईओ कार्यालय का घेराव कर ज्ञापन गया। उदयपुर में सिद्धार्थ सिंह व गुरप्रीत सिद्धू,लखनपुर में राजीव सिंह व अमित सिंह देव, लुंड्रा में दुर्गेश गुप्ता,राम देव राम मधु सिंह और विक्रम सिंह देव थे। मैनपाट में नागेश्वर यादव,लालचंद यादव सीतापुर व बतौली में कार्यक्रम के प्रभारी थे।

सरस्वती महाविद्यालय में छंदों की अभिव्यक्ति पर कार्यशाला के साथ काव्य सम्मेलन व पुस्तक का विमोचन

अम्बिकापुर। मानव कल्याण एवं? सामाजिक विकास संगठन द्वारा आज सरस्वती महाविद्यालय , सुभाषनगर,,बनारस रोड, अम्बिकापुर में १०:०० बजे से छंद की सार्थकता विषय पर कार्यशाला एवं प्रदेशाध्यक्ष आशा उमेश पाण्डेय अविरल द्वारा संपादित पुस्तक आखर दोहावली एवं संगठन की संरक्षिका पूनम दुबे वीणा की वीणा की दोहावली के विमोचन के साथ उक्त कार्यक्रम की शुरूआत हुई मुख्य अतिथि श्री विनोद हर्ष एवं विशिष्ट अतिथि संतोष दास सरल जी,कार्यक्रम के अध्यक्ष आदरणीय सुरेश जायवाल जी के साथ अन्य अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती को माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित किया गया।वरिष्ठ साहित्यकार एवं लोक गायक श्री रंजीत सारथी के द्वारा मां सरस्वती की वंदना की गयी एवं महाविद्यालय परिवार द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। संबोधन के क्रम में आए हुए समस्त अतिथिगण के द्वारा छात्र/छात्राओं को छन्द की सार्थकता विषय पर एवं उसके महत्ता पर जानकारी प्रदान की गयी. महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य ऋषि सिंह ने कहाँ की उक्त कार्यक्रम के जरिए बहुत अच्छी जानकारी छंदों के बारे में छात्र/छात्राओं को दिया गया जो बहुत ही उपयोगी है एवं कार्यक्रम में अतिथियों में सुरेश जायसवाल जी, विनोद हर्ष जी, संतोष दास सरल जी, रंजीत सारथी जी, आनंद सिंह यादव जी ने अपनी अपनी जानकारी दी . अतिथि मंच संचालन महाविद्यालय के प्राध्यापक श्री कृष्ण कुमार त्रिपाठी जी के द्वारा अच्छे तरीके से किया गया इन्होंने काव्यात्मक मंच संचालन के लिए कवि देवेंद्र नाथ दुबे जी को मंच प्रदान कर दिया। जिसमें इन्होंने बहुत कुशल मंच संचालन किया एवं पुनः रंजीत सारथी , विनोद हर्ष , संतोष दास सरल , आनंद यादव , डॉक्टर उमेश पांडेय , आशा पांडेय , पूनम दुबे , माधुरी जायसवाल , अर्चना पाठक ,आ.प्रकाश कश्यप तथा गणमान्य साहित्यकार जनों के द्वारा शानदार काव्य प्रस्तुति दी गई. कार्यक्रम में आभार व्यक्त करते हुए संस्थापक अध्यक्ष डॉक्टर उमेश कुमार पाण्डेय ने कहाँ समस्त अतिथियों , अध्यापकों एवं छात्र/छात्रों के बीच एक अच्छे माहौल में कार्यक्रम का संपन्न होना कार्यक्रम की सफलता की पहचान है एवं महाविद्यालय के प्राचार्य का साल ,श्रीफल भेटकर स्वागत किया गया एवं सुरेश जायसवाल जी संगठन के संरक्षक घोषित किये गये । उन्होंने अपनी सहमति प्रदान की । संस्थापक अध्यक्ष ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों, प्राध्यापकों और समस्त छात्र-छात्राओं को बधाई और आभार व्यक्त किया है।

इलाज में सबसे सस्ता
व्यवस्था में सबसे अच्छा
HOSPITAL Caring for You
तेज डायग्नोस्टिक / ब्लड बैंक (सेंटर)
TEJ Tej Diagnostic Group
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल
बाबूपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर
प्रतिदिन उपलब्ध . . . .
डॉ. आशीष जायसवाल
MD, (Physician)

सुविधाएं -
डायबिटिज (शुगर, मधुमेह) हृदय संबंधी समस्त रोग, सभी प्रकार के हार्मोन्स विकार, सभी प्रकार के इंफेक्शन (सर्दी, खांसी, बुखार) ब्लड प्रेशर/हायपरटेंशन, एनीमिया सिकलिंग थैलीसीमीया, टी.बी. श्वसन एवं छाती संबंधी समस्त रोग, पाचन एवं पेट, लीवर, किडनी, संबंधी समस्त रोग, सिर मस्तिष्क एवं नस संबंधी समस्त पुराने रोग का ईलाज की सुविधा प्रतिदिन उपलब्ध।
अग्रिम पंजीयन हेतु संपर्क करें
07774222555, 9425583780, 9826183780
8224007799, 8718003300, 6262639090
आयुष्मान योजना द्वारा भर्ती, सर्जरी, उपचार एवं जॉच की सुविधा उपलब्ध

युवा चिंतन शिविर तीन दिवसीय गायत्री शांतिकुंज हरिद्वार में छत्तीसगढ़ युवा आयोग के अध्यक्ष होंगे शामिल

अम्बिकापुर। युवा चिंतन शिविर के कार्यक्रम जो गायत्री तिर्थ शांतिकुंज हरिद्वार, उत्तराखंड में आयोजित है, इस तीन दिवसीय प्रान्तीय युवा चिंतन शिविर के शुभारंभ में छत्तीसगढ़ युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर शामिल होंगे।

प्रान्तीय युवा चिंतन शिविर गायत्री तीर्थ शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान में गायत्री परिवार द्वारा प्रान्तीय युवा चिंतन शिविर का १० जून से १२ जून आयोजित है इसमें छत्तीसगढ़ के समस्त जिले से इस शिविर में युवा व युक्तियाँ शामिल हो रहे हैं, समाज में किस प्रकार बदलाव लाई जाए इस विषय पर गहन चिंतन हो रहा है। युग निर्माण आयोजन वैश्विक स्वरूप, नेतृत्व क्षमता का विकास, क्रांतिदुत युवा अग्रदूत एवं समयदान युगधर्म, रचनात्मक कार्यक्रम, लोग सेविका का दिशा बोध आदि गहन चिंतन किया जाएगा साथ ही जन्मशताब्दी वर्ष और हमारे दावित्व, प्रस्तुति अभिव्यक्ति विषर विस्तरीत चर्चा किया गया। छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर इसमें भाग ले रहे हैं, इस विषय पर राष्ट्रीय युवा शिविर के प्रभारी श्री के पी दुबे जी से विस्तार पर उनकी चर्चा हुई, तत्पश्चात देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति आदरणीय चिन्मय पांड्या से मुलाकात हुई इस अवसर पर छत्तीसगढ़ जोन प्रभारी श्री सुखदेव निर्मलकर जी छत्तीसगढ़ प्रांतीय युवा प्रकोष्ठ के प्रमुख ओ पी राठौर उपस्थित रहे इस युवा चिंतन शिविर में युवा - युक्तियाँ मिलकर लगभग १००० प्रतिभागी शामिल हो रहें हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर ने बताया कि इस शिविर में - युवा शक्ति जाग्रत होकर सही दिशा में जुट जाये, तो समाज में क्रांतिकारी परिवर्तन संभव है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे चरित्र निर्माण, नैतिकता और सेवा के मार्ग पर चलें तथा अपने जीवन को उद्देश्यपूर्ण बनाएं। उन्होंने जन्मशताब्दी वर्ष २०२६ के कार्यक्रमों के लिए अपनी प्रतिभा और कौशल का एक अंश लगाने के लिए प्रेरित किया। कहा कि युवा जागरण अभियान समाज के नव निर्माण हेतु प्रतिबद्ध है। इस अभियान का उद्देश्य ऐसे युवाओं का निर्माण करना है जो अपने व्यक्तित्व को श्रेष्ठ बनाकर समाज और राष्ट्र के लिए प्रेरणा बनें। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रचार प्रसार प्रमुख निशांत सिंह 'गोल्डी' के द्वारा जानकारी दी गई।

वीर शहीद एएसपी आकाश राव गिरपुंजे के सर्वोच्च बलिदान पर सरगुजा पुलिस ने पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

वीर शहीद के पराक्रम एवं शहादत पर श्रद्धा सुमन किया गया अर्पित, पुलिस जवान हुए गौरवान्वित

अम्बिकापुर। सोमवार को सुकमा जिले के कोंटा में नक्सलियों द्वारा किए गए आईईडी विस्फोट में शहीद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) आकाश राव गिरपुंजे द्वारा देश की सुरक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने पर शहीद के वीरता एवं पराक्रम कों याद करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल के दिशा निर्देशन मे पुलिस अधीक्षक कार्यालय के प्रांगण मे वीर शहीद कों श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा द्वारा वीर शहीद के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए कहा कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश राव गिरपुंजे जैसे जांबाज पुलिस अधिकारियों की शहादत को देश कभी भुला नहीं सकता। वे युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। देश की सुरक्षा और कानून व्यवस्था के लिए दिया गया उनका बलिदान हमेशा याद रखा जाएगा।

इसी क्रम मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लों एवं नगर पुलिस अधीक्षक रोहित शाह ने भी वीर शहीद के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित किया, पुलिस अधिकारियो/कर्मचारियों द्वारा भी वीर शहीद के परम बलिदान एवं पराक्रम कों याद करते हुए पुष्प अर्पित कर सलामी दी गई, उसके पश्चात सभी पुलिस अधिकारियो/कर्मचारियों द्वारा ०२ मिनट का मौन धारण कर

वीर शहीद कों श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया, सरगुजा पुलिस द्वारा वीर शहीद की शहादत कों पराक्रम के रूप मे याद किया गया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान रक्षित निरीक्षक तृप्ति सिंह राजपूत, स्टेनो निरीक्षक (एम) फबियानुस तिर्की, मुख्य लिपिक निरीक्षक (एम) अजय गुहा, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक मनीष सिंह परिहार, निरीक्षक अंजू चेलक, उप निरीक्षक (एम) अभय सिंह, रीडर सहायक उप निरीक्षक अमित पाण्डेय एवं कार्यालयीन अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के निरीक्षण के दौरान सांसद व जनप्रतिनिधियों ने दी आवश्यक दिशा-निर्देश

अम्बिकापुर। आज सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज, भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, नगर पालिक निगम अंबिकापुर की महापौर श्रीमती मंजूषा भगत एवं जिला पंचायत सदस्य श्रीमती दिव्या सिंह सिसोदिया ने संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के नवीन परिसर, भकुरा का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में स्थित संत गहिरा गुरु जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सभी अतिथियों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। तत्पश्चात ऑडिटोरियम, यूटिलिटी भवन, प्रशासनिक भवन, यूटीडी बिल्डिंग, कुलपति व कुलसचिव निवास तथा कर्मचारी आवासों का जायजा लिया गया। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाकर अधूरे निर्माण कार्यों की जानकारी ली गई। सांसद चिंतामणि महाराज ने परिसर की साफ-सफाई पर गहरी नाराजगी जताई तथा क्षतिग्रस्त सड़क एवं व्यवस्था को अविलंब सुधार कराने का आश्वासन भी दिया। परिसर में पौधारोपण पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती दिव्या सिंह सिसोदिया ने कहा कि प्रकृति हमारी मां के समान है, और एक पौधा भी जब मां के नाम पर लगाया जाता है, तो वह भावनात्मक रूप से हमें प्रकृति से जोड़ता है, विश्वविद्यालय परिसर में किया गया यह पौधारोपण न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक कदम है, बल्कि यह एक भावनात्मक समर्पण भी है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति पी. सिंह, कुलसचिव शारदा त्रिपाठी, मंडल अध्यक्ष मनोज कंसारी, मार्कंडेय तिवारी सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

ड्रंक एंड ड्राइव के 03 मामले मे वाहन चालकों कों 45100/- रुपये के अर्थदंड से किया गया दण्डित

अम्बिकापुर। सडक दुर्घटनाओ कों कम करने की दिशा मे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल के दिशा निर्देशन मे यातायात पुलिस टीम द्वारा यातायात नियमो के अवहेलना करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध लगातार सख़्ती से कार्यवाही की जा रही हैं, इसी क्रम मे यातायात पुलिस टीम द्वारा गाँधी चौक मे चेकिंग दौरान मोटरसायकल क्रमांक सीजी/२९/ए एफ /८२५७ का वाहन चालक अपने मोटरसायकल हौंडा शाइन कों काफी तेज एवं खतरनाक तरीके से चलाते हुए पाया गया, यातायात पुलिस टीम द्वारा वाहन चालक कों मौके पर रोक कर पूछताछ किया गया, जो वाहन चालक द्वारा अपना नाम बबलू कुजूर आत्मज स्व. संतलाल उम्र ३७ वर्ष निवासी सेमरा सम्बलपुर थाना जयनगर जिला सूरजपुर का होना बताया जो वाहन चालक कों ब्रेथ ऐनालाइजर से मौके पर चेक किये जाने पर शराब के नशे मे धुत्त होकर काफी तेज एवं खतरनाक तरीके से वाहन चलाना पाया गया जो वाहन चालक द्वारा मौके पर दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया एवं वाहन चालक का ड्राइविंग लाइसेंस नहीं होना पाये जाने पर अनावेदक वाहन चालक के विरुद्ध धारा १८४, १८५, ३/१८१, १३०(३)/१७७ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर मामला माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, माननीय न्यायालय द्वारा उपरोक्त प्रकरण मे वाहन चालक कों १६५००/- रुपये के अर्थदंड से दण्डित किया गया हैं। दूसरे मामले मे यातायात पुलिस टीम द्वारा गाँधी चौक मे चेकिंग दौरान मोटरसायकल क्रमांक बीआर /३०/ए के /३६२० का वाहन चालक अपने मोटरसायकल बजाज पल्सर कों काफी तेज एवं खतरनाक तरीके से

चलाते हुए पाया गया, यातायात पुलिस टीम द्वारा वाहन चालक कों मौके पर रोक कर पूछताछ किया गया, जो वाहन चालक द्वारा अपना नाम बासुकीनाथ शाह आत्मज चुन्हाई शाह उम्र ४७ वर्ष निवासी रामनगर बिहार का होना बताया जो वाहन चालक कों ब्रेथ ऐनालाइजर से चेक किये जाने पर शराब के नशे मे धुत्त होकर काफी तेज एवं खतरनाक तरीके से वाहन चलाना पाया गया जो वाहन चालक द्वारा मौके पर दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया जिस पर अनावेदक वाहन चालक के विरुद्ध धारा १८४, १८५, १३०(३)/१७७ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर मामला माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, माननीय न्यायालय द्वारा उपरोक्त प्रकरण मे वाहन चालक कों ११५००/- रुपये के अर्थदंड से दण्डित किया गया हैं।

तीसरे मामले मे यातायात पुलिस टीम द्वारा गाँधी चौक मे चेकिंग दौरान मोटरसायकल क्रमांक सीजी/१५/ए ई /४४६६ का वाहन चालक तीन सवारी सहित अपने मोटरसायकल बजाज पल्सर कों काफी तेज एवं खतरनाक तरीके से चलाते हुए पाया गया, यातायात पुलिस टीम द्वारा वाहन चालक कों मौके पर रोक कर पूछताछ किया गया, जो वाहन चालक द्वारा अपना नाम आकाश पैकरा आत्मज अमुल सिंह पैकरा उम्र २४ वर्ष निवासी आमगाव थाना जयनगर जिला सूरजपुर* का होना बताया जो वाहन चालक कों ब्रेथ ऐनालाइजर से चेक किये जाने पर शराब के नशे मे धुत्त होकर काफी तेज एवं खतरनाक तरीके से वाहन चलाना पाया गया जो वाहन चालक द्वारा मौके पर अपना ड्राइविंग लाइसेंस प्रस्तुत नहीं किया गया जिस पर अनावेदक वाहन चालक के विरुद्ध धारा १८४, १८५, १२८/१९४(सी), ३/१८१, १७७ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर मामला माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, माननीय न्यायालय द्वारा उपरोक्त प्रकरण मे वाहन चालक कों १७१००/- रुपये के अर्थदंड से दण्डित किया गया हैं। सम्पूर्ण कार्यवाही मे यातायात शाखा प्रभारी निरीक्षक अश्वनी सिंह एवं यातायात शाखा के पुलिस अधिकारी कर्मचारी सक्रिय रहे।

विकसित भारत के अमृत काल की सिद्धि का संकल्प के तहत लुण्ड्रा भाजपा मंडल की एक दिवसीय कार्यशाला बैठक संपन्न, 5 जून से 6 जुलाई तक विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रमों को सफल बनाने बनाई गई रणनीति

लुण्ड्रा। लुण्ड्रा भाजपा मंडल की आगामी कार्यक्रमों को लेकर प्रदेश एवं जिला नेतृत्व के आह्वान पर सामुदायिक भवन लुण्ड्रा में गत ८ जुन रविवार को भाजपा मंडल की एकदिवसीय कार्यशाला बैठक का आयोजन स्थानीय सामुदायिक भवन में गत ८ जुन रविवार को किया गया। यह बैठक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ११ वर्षो के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के संकल्प को विकसित भारत के अमृत काल की सिद्धि तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित की गई।

कार्यक्रम की शुरूआत सर्वप्रथम अतिथिद्वय द्वारा श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छाया चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर की गई तत्पश्चात स्वागत उद्बोधन उपरांत कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में विस्तृत चर्चा करते हुए मंडल अध्यक्ष सतीश जायसवाल ने कार्यक्रम का वृत्त रखा इसके उपरांत मुख्य अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव ने राज्य व केंद्र सरकार की उपलब्धियां और योजनाओं की जानकारी दे हुए बताते हुए कहा कि हम हर एक कार्यकर्ता को समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों तक इसे पहुंचाना है और केवल पहुंचाना ही नहीं बल्कि इसका पात्र वह जरूरतमंद व्यक्तियों को शासकीय योजनाओं का लाभ मिले इसका भी ख्याल रखना है भारतीय जनता पार्टी ही एक ऐसी पार्टी है जो दिन हिन गरीब अमीर समाज के जो अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों को सबको एक साथ लेकर परिवार की तरह चलती है तथा उनके उत्थान के लिए सोचती उन्होंने प्रदेश व जिला से प्राप्त हुए विभिन्न कार्यक्रमों की चर्चा करते हुए कार्यकताओं से कहा कि हम सभी मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाएं जिससे मंडल के कार्यो को लेकर जिला में ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में लुण्ड्रा का एक अलग नाम स्थापित हो सके उन्होंने बतौर जनप्रतिनिधि होने के नाते कहा कि पार्टी के कार्यकताओं के हित के लिए एवं पार्टी के प्रति मिली दायित्व जिम्मेदारी का निष्ठा के साथ निर्वहन कर लगातार भाजपा को और मजबूती प्रदान करने में हम सब कोई कसर नहीं छोड़ेंगे और आप सब कार्यकताओं के दम पर २०२९ में पुनः भाजपा की सरकार केंद्र व राज्य में स्थापित करेंगे। इसके उपरांत विधायक प्रतिनिधि जयंत मींज ने भी कार्यक्रम को सफलतापूर्वक कैसे संपन्न करना है इस संबंध में कार्यकताओं से चर्चा परिचर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए अपने संबोधन में मोदी सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए पाकिस्तान के साथ हुए युद्ध का जिक्र करते हुए कहा कि आज वैश्विक राजनीतिक स्तर पर भारत का जो डंका बज रहा है वह मोदी जी दूरगामी सोच की वजह से ही संभव हो पाया है मंडल उपाध्यक्ष राहुल चोपड़ा ने भी कार्यक्रम को संबोधित कर सरकार की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने आह्वान किया तथा कहा कि आज जीडीपी में भारत जहां सातवें स्थान से हटकर अल्प समय में ही तीसरे स्थान पर आ गया है यह सब मोदी जी के नीति के कारण ही सफल हो पाया है यदि हम सब कार्यकर्ता एकजुट होकर काम करें तो २०१९ में पुनः भाजपा की सरकार बनेगी और हम देश के जीडीपी में प्रथम स्थान में रहने से कोई नहीं रोक सकता वहीं कार्यक्रम को जनपद सदस्य लाल जयंत नाथ सिंह आशु बाबा अभिषेक पावले ने भी संबोधित किया ।तदुपरांत ५ जून से ६ जुलाई तक चलने वाले विभिन्न संगठनात्मक कार्यक्रमों के जिला सह प्रभारी महेंद्र सिंह पूर्व मंडल अध्यक्ष ने विस्तृत रूप से जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले ११ वर्षों में सेवा और सुशासन के माध्यम से देश ने नई ऊंचाइयां छुई हैं। हमें इस संकल्प को बूथ स्तर तक ले जाना है। उन्होंने कहा कि "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार के ११ वर्ष सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए समर्पित रहे हैं। 'संकल्प से सिद्धि' अभियान के माध्यम से हम मोदी सरकार की ११ वर्षो की एतिहासिक उपलब्धियों को जन जन तक पहुंचाएंगे। उन्होंने बताया कि ५ जून से ६ जुलाई तक विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें प्रमुख १० जून को मुख्यमंत्री की प्रेस वार्ता (रायपुर), ११-१२ जून को जिला स्तरीय प्रेस वार्ता एवं प्रोफेशनल मीट, ११-२१ जून को मोदी सरकार की उपलब्धियों पर प्रदर्शनी, २१ जून को योग दिवस, २३ जून को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस पर बूथ स्तरीय कार्यक्रम, २५ जून को आपातकाल स्मृति दिवस कार्यक्रम हैं जिसे सभी कार्यक्रम के मंडल में तय किए गए प्रभारी सह प्रभारी के साथ शक्ति केंद्र प्रभारी एक समन्वय बनाते हुए कार्यक्रम को पूर्ण रूप से सफल बना लुण्ड्रा का नाम पूरे जिले में अग्रणी रखने में अपनी भूमिका निभाएंगे । कार्यक्रम के प्रस्तावना उद्बोधन में मंडल अध्यक्ष सतीश जायसवाल ने कहा कि संकल्प से सिद्धि में वह ताकत है जिसे २०२३ में छत्तीसगढ़ में सरकार बना दिया, इस विधानसभा चुनाव में हमारे पास मोदी सरकार के १० वर्षो की उपलब्धियां थी जिसको लेकर हम जनता के बीच गए थे, और जनता ने हमको विजय का आशीर्वाद दिया, मोदी जी के ११ वर्षो का कार्यकाल अमृत काल है, संकल्प से सिद्धि अभियान के समस्त कार्यक्रमों को यदि हमने बूथ तक पहुंचा दिया तो हमें मिशन २०२८ का चुनाव जीतने से कोई नहीं रोक सकता।मीडिया और सोशल मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि , सभी कार्यो की जानकारी डिजिटल माध्यमों से समाज तक पहुँचनी चाहिए।उन्होंने सभी पदाधिकारीयों व कार्यकताओं को अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से लेते हुए पार्टी हित में पुरी लगन व समर्पण के साथ काम करने का आग्रह किया।

अतएव कार्यशाला में कार्यकताओं ने केंद्र सरकार की योजनाओं को जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने और संगठन को मजबूत करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से पूरे निष्ठा के साथ कार्य करने का रणनीति पर चर्चा की। उक्त बैठक से कार्यकताओं में नया जोश भरने और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक ऊर्जा दे खने को मिली। कार्यक्रम में महामंत्रीद्वय अशोक गुप्ता दिलीप प्रजापति उपाध्यक्ष अभिषेक पावले मनीष सोनी सहोद्री सोनी प्रमिला मानिकपुरी रसिया राम रामकिशन यादव गंगा गिरी जागेश्वर पैकरा संवाद प्रभारी राजीव कश्यप सोशल मीडिया प्रभारी शिवनारायण राकेश सिंह रहमत खान सहित सभी पदाधिकारी कार्यकर्ता व विभिन्न कार्यक्रमों के प्रभारी सह प्रभारी एवं विशेष आमंत्रित सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित थे कार्यक्रम काआभार प्रदर्शन वरिष्ठकार्यकर्ता बुधसागर सिंह ने किया.

रामायण कालीन धरोहरों वाले रामगढ़ में 11-12 जून को महोत्सव

उदयपुर। ऐतिहासिक और धार्मिक विरासत से समृद्ध रामगढ़ में ११ और १२ जून को दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव का आयोजन होगा। आषाढ़ माह के पहले दिन से शुरू हो रहे इस महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम, राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी, विद्यालयीन प्रस्तुतियां, कवि सम्मेलन, शास्त्रीय नृत्य और संगीत की रंगारंग प्रस्तुतियां होंगी।

रामगढ़ अपनी ऐतिहासिक धरोहरों के लिए देशभर में प्रसिद्ध है। मान्यता है कि वनवास काल में भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण ने यहां कुछ समय बिताया था। यहां २०० ईसा पूर्व भरतमुनि ने विश्व की प्राचीनतम नाट्यशाला की स्थापना की थी। इसी स्थान पर महाकवि कालिदास ने मेघदूत की रचना की थी।

रामगढ़ पहाड़ी की १००० फीट ऊंचाई पर राम-जानकी मंदिर स्थित है। मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने वनवास के दौरान यहीं विश्राम किया था। मंदिर से ५० मीटर दूर राम-जानकी कुण्ड है, जहां माता सीता स्नान करने आती थीं। इस कुण्ड का जल पवित्र माना जाता है।

रामगढ़ की चट्टानों के नीचे प्राकृतिक गुफा है। यहां की चंदन मिट्टी से श्रीराम और लक्ष्मण ने अपनी जटाएं धोई थीं। लोग आज भी इस मिट्टी को पवित्र मानकर माथे पर लगाते हैं। पहाड़ी के ९०० फीट की ऊंचाई पर तुर्रा नामक स्थान से पतली जलधारा बहती है। यहां पक्का टेक बनाकर पानी का उपयोग किया जाता है।

रामगढ़ पहाड़ी और सीताबेंगरा के नीचे हाथी पोल सुरंग है, जिसे ऋक्ष बिल कहा जाता है। मान्यता है कि श्रीराम इसी सुरंग से होकर लक्ष्मणगढ़ पहुंचे थे।

रामगढ़ महोत्सव केवल सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की धार्मिक, ऐतिहासिक और जनआस्था से जुड़ी विरासत को जीवंत बनाए रखने का माध्यम है। यह युवाओं, शोधार्थियों, साहित्यकारों और कलाकारों के लिए रामगढ़ की गरिमा को जानने का अवसर है।

रामगढ़ महोत्सव की शुरूआत वर्ष १९७२-७३ में जिला प्रशासन ने की थी। तब से हर वर्ष आषाढ़ माह के पहले दिन इसका आयोजन होता है। इस वर्ष ११ और १२ जून को होने वाले महोत्सव में राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी, शास्त्रीय नृत्य, कवि सम्मेलन, विद्यालयीन और महाविद्यालयीन प्रस्तुतियां, संजय सुरीला सहित बाहरी कलाकारों की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

महोत्सव में मुख्य अतिथि सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अम्बिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल करेंगे। विशिष्ट अतिथि लूण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो, गृह निर्माण मंडल अध्यक्ष अनुराग सिंह देव, राज्य युवा आयोग अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर, सरगुजा जिला पंचायत अध्यक्ष निरुपा सिंह, अम्बिकापुर महापौर मंजूषा भगत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव, नगरपालिका अध्यक्ष हरमिंदर सिंह टिन्नी, उदयपुर जनपद पंचायत अध्यक्ष ओम प्रकाश सिंह, उपाध्यक्ष सिद्धार्थ कुमार सिंह देव, जिला पंचायत सदस्य रैमुनिया करियाम, राधा रवि, रामनगर सरपंच प्रदीप सिंह और पुटा सरपंच नंदाराम मरकाम शामिल होंगे।

सेवानिवृत्ति पर बीएसपी प्रबंधन ने दी भावभीनी विदाई

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की सेवा से मई 2025 माह में कुल 124 कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए, जिसमें खदान बिरादरी के सदस्यों सहित 21 कार्यपालक व 103 गैर-कार्यपालक शामिल हैं। मई 2025 में सेवानिवृत्त हो रहे कार्यपालकों हेतु विदाई समारोह का आयोजन इस्पात भवन स्थित निदेशक प्रभारी सभागार में किया गया। इस अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) श्री एस मुखोपाध्याय तथा कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री पवन कुमार ने कार्यपालकों को सेवानिवृत्ति आदेश प्रदान किया तथा उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें स्वस्थ एवं सुखद भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। महाप्रबंधक (यूटिलिटीज) श्री ए.के. जोशी भी 31 मई को सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएँ) श्री एस. मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) श्री ए.के. चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) श्री प्रवीण निगम, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक (संकार्य) श्री राकेश कुमार, तथा कार्यपालक निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ. रवींद्रनाथ एम., ने श्री ए.के. जोशी को सेवानिवृत्ति आदेश और सेवा प्रमाण-पत्र सौंपे। उपस्थित कार्यपालक निदेशकों ने बीएसपी स्टील परिवार के श्री ए.के. जोशी व सेवानिवृत्त होने वाले सदस्यों को विदाई दी तथा उनके स्वस्थ एवं सुखमय भविष्य की कामना की। उन्होंने अपने-अपने कार्यक्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सेवानिवृत्त कर्मचारियों की सराहना भी की। सेवानिवृत्त अधिकारियों ने सेल में अपने सेवा अनुभव साझा किए और सेवानिवृत्ति के पश्चात जीवन के आगामी योजनाओं के बारे में भी बताया। 31 मई को भिलाई निवास में आयोजित समारोह में संयंत्र के गैर-कार्यपालकों को भावभीनी विदाई दी गई।

समाज को संगठित होकर हर समस्या का तत्काल समाधान कर लेना ही संगठित मजबूत समाज की पहचान

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा नगर के विभिन्न 14 शाखाओं में शिवाजी महाराज के चित्रों की हुई पूजा अर्चना

अम्बिकापुर। शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक का दिन हिंदू साम्राज्य दिवस ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ नगर अंबिकापुर में ०९ जून सोमवार को सुबह नगर के विभिन्न १४ शाखाओं में शिवाजी महाराज के चित्रों की पूजा अर्चना की गई है एवं सन १६७४ के उस बात का स्मरण किया गया जिसमें शिवाजी महाराज ने कहा था कि यह राज्य शिवाजी का नहीं धर्म का है और मैं आज हिंदू साम्राज्य दिवस की स्थापना करता हूं। नव जागरुक सेवा समिति, छत्रपति शिवाजी चौक द्वारा शाम को शिवाजी महाराज की प्रतिमा जो गुदरी चौक पर है वहां कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मंच पर कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री डॉ. व्ही के वर्मा , सेवा निवृत प्राचार्य शास्ना महाविध्यालय अम्बिकापुर, अशोक सिंह नगर संघ चालक अंबिकापुर एवं मुख्य वक्ता कृष्ण त्रिपाठी विभाग बौद्धिक प्रमुख उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत में मंचासीन अतिथी एवं नव जागरूक सेवा समिति के सदस्यों द्वारा शिवाजी महाराज की प्रतिमा एवं चित्र पर माल्यार्पण किया गया एवं इस वर्ष राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शताब्दी वर्ष होने के कारण १०० दीपक जलाए गए। कार्यक्रम के स्वागत उदबोधन रिंकू वर्मा द्वारा सभी का स्वागत किया गया एवं प्रतिवर्ष इस कार्यक्रम केसाथ साथ नव जागरूक सेवा समिति के रचनात्मक कार्यो की जानकारी दी.

मुख्य वक्ता कृष्ण त्रिपाठी ने अपने सारगर्भित उदबोधन में शिवाजी महाराज की जीवन की विशेष पहलुओं एवं देश की वर्तमान परिस्थिति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिवाजी महाराज का व्यक्तित्व कुछ ऐसा था कि अफजल खान जिसने मां तुलजा भवानी के मंदिर को तोड़ा था एवं जो शिवाजी महाराज को मारने की योजना बना रहा था, उसने कृष्ण भट्ट नाम के ब्राह्मण को शिवाजी महाराज के पास उनसे मिलने के लिए भेजा था कि वे किसी भी तरह दरबार में हाजिर हो जाए और छल पूर्वक महाराज की हत्या की जा सके. शिवाजी महाराज की जब कृष्ण भट्ट से भेंट हुई तो उन्होंने कृष्ण भट्ट को समझाया कि आपका जन्म तो भारत देश में हुआ है आप ब्राह्मण है आपका धर्म है मातृभूमि की रक्षा करना इन दुष्टों का साथ क्यों दे रहे हैं ऐसे समझाइए से कृष्ण भट्ट का मन परिवर्तन हुआ और वह शिवाजी की बातों से बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने कहा कि आप कभी भी इन मुगल शासको से मिलने न जाए नहीं तो आपकी छल पूर्वक यहां आपकी हत्या कर देंगे.अफजल खान एक लाख तीस हजार सैनिक, हाथी, ऊंट लेकर लड़ने आता है शिवाजी महाराज अफजल खान एक लाख तीस हजार सैनिक, हाथी, ऊंट लेकर लड़ने आता है शिवाजी महाराज अफजल खान से अकेले में मिलने की शर्त रखते हैं, ७ फीट का अफजल खान ५ फुट ५ इंच के शिवाजी महाराज से जब अकेले में गले मिलता है तो षडयंत्र पूर्वक महाराज के पीठ पर छुरा भोकता है महाराज उसके षड्यंत्र को पहले से ही जानते थे इसलिए उन्होंने अपने पीठ छाती सिर सभी को लोहे की चादरों से सुरक्षित रखा था जैसे ही अफजल खान वार करता है शिवाजी भी बगनखा निकालकर अफजल खान की पीठ को चिर देते हैं और इस प्रकार ७ फीट का अफजल खान वहीं ढेर हो जाता है उसके बाद शिवाजी महाराज अफजल खान का गला काटकर मां तुलजा भवानी को भेंट करते हैं और कहते हैं मां इस दुष्ट ने आपके मंदिर को तोड़ा था इसीलिए यह ३२ दांतों वाला बकरा आपको भेंट है.

यह शिवाजी महाराज की दूरदर्शिता और उनके देश भक्ति के विचार थे कि समाज में दुश्मनों को सिर्फ ऐसे ही नहीं मारना बल्कि उनके गंदे विचारों को भी समाप्त करना आवश्यक है. हमारे देश में हिंदू गद्दारों की कभी कोई कमी नहीं रही है, शिवाजी के काल में एक राजा जयसिंह मिर्जा हुए जो शिवाजी की पराजय हो इसके लिए लक्ष्य चंडी महायज्ञ, महा रुद्राभिषेक सरीखे अनुष्ठान करते हैं और जय सिंह सरीखे शिव भक्त हिंदू राजा देश से गद्दारी करता है और शिवाजी महाराज को गिरफ्तार करवा देता है. शिवाजी महाराज वहां से बड़ी होशियारी से भाग निकलते हैं और करीब २००० किलोमीटर की अज्ञातवास की यात्रा करते हुए अपने किले पहुंचते हैं. शिवाजी महाराज ने कुल ४० किले जीते थे काशी के महान विद्वान आचार्य गागा भट्ट ने शिवाजी से मिलकर कहा कि हे शिवाजी हिंदू बड़ा संकट में महसूस कर रहा है इसीलिए आप सरीखे पराक्रमी का राज्याभिषेक बहुत आवश्यक है जो भारत में चक्रवर्ती कहलाए इसीलिए जिजामाता एवं शिवाजी के गुरु स्वामी रामदास जी के अनुमति से ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी को मतलब आज के दिन सन १६७४ में राज्याभिषेक किया गया उस समय शिवाजी की उम्र ४४ व र्ष की थी एवं इसे ही हिंदू साम्राज्य दिवस का नाम दिया गया. शिवाजी महाराज के जीवन से हमें प्रेरणा मिलती है किआज समाज में जब भी छोटी सी भी समस्याएं तो समाज को संगठित होकर उस समस्या का तत्काल समाधान कर लेना ही संगठित मजबूत समाज की पहचान है. समाज में आंख खोल कर काम करें भारत में हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर की घटना हुई जिसमें अमेरिका एवं रूस तरीके महा शक्तियों ने भी भारत के इस पराक्रम का स्वागत किया, लेकिन हमारा ही एक पड़ोसी देश है चीन जिसने हमारा समर्थन नहीं किया यह वही देश है जिसके समान को लेकर हम उसे आर्थिक लाभ पहुंचाते हैं इसलिए आवश्यक है कि हममें स्वदेशी का भाव जगे और एक बार ठान लें कि हम उस देश के सामान का ज्यादा से ज्यादा बहिष्कार करे.

आभार प्रदर्शन नव जागरुक सेवा समिति के श्री शैलेश सिंह पार्षद द्वारा किया गया. कार्यक्रम का मंच संचालन जयेश वर्मा द्वारा किया गया।

उरांव समाज अंबिकापुर द्वारा सामाजिक सम्मेलन सह टुन्टा पर्व का किया गया आयोजन

अंबिकापुर। रविवार को उरांव समाज के जिला , ब्लॉक और ग्राम /वार्ड तीनों इकाई क्रमशः मूली पड़हा अम्बिकापुर , डाड़ा पड़हा अम्बिकापुर और अतखा पड़हा गंगापुर के सम्मिलित नेतृत्व में उरांव समाज सामाजिक सम्मेलन सह टुन्टा पर्व का आयोजन उरांव समाज पूजा स्थल क्रीड़ा परिसर के पीछे, गंगापुर, अंबिकापुर, जिला- सरगुजा छत्तीसगढ़ में किया गया।

कार्यक्रम का प्रारंभ पूजा स्थल पर समाज के बईगा सोमरा और गोविंद भगत द्वारा पूजा कर सामूहिक प्रार्थना और भजन के साथ किया गया । कार्यक्रम में बच्चे युवा महिला पुरुषों ने विभिन्न विधाओं - भाषण , निबंध, नृत्य, गीत, चित्रकला, मटका फोड़, दोना पत्तल बनाना , प्रश्नोत्तरी (क्विज कांटेस्ट) इत्यादि में बढ़ चढ़कर भाग लिया । विजेताओं को मेडल और पुरस्कार दिया गया। उरांव समाज अतखा पड़हा खैरबार के लिए डॉक्टर लक्ष्मी निकुंज द्वारा विशेष प्रोत्साहन राशि ५००० रूपए समाज को संगठित करने और उत्कृष्ट कार्य हेतु दिया गया। क्विज कांटेस्ट में भाग लेने वाले सभी पांच ग्रुपों को सम्मिलित रूप से ढाई हजार रुपए अमन भगत सॉफ्टवेयर इंजीनियर दिल्ली के द्वारा विशेष प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। इसके साथ ही समाज के अन्य लोगों द्वारा भी प्रतिभागियों को विशेष प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।

अधिकारी कर्मचारी प्रबुद्ध जन युवाओं एवं बच्चों के साथ सम्मिलित रूप से विषय उरांव समाज के हम सभी अधिकारी , कर्मचारी, व्यवसायी, उद्यमी , महिला , पुरुष, युवा , बच्चे अपने उरांव समाज के विकास में किस प्रकार से योगदान दे सकते हैं पर मीटिंग की गई।

लोगों के द्वारा अपने-अपने विचार रखे गए । तन मन धन और समय से समाज का सहयोग करने का आह्वान किया गया । निष्कर्षतः समाज को संगठित करने हेतु सप्ताह में एक दिन निश्चित कर अपने-अपने क्षेत्र में समाज के नाम से बैठने । यद्यपि शासन प्रशासन के द्वारा कई विकास कार्य कराए जाते हैं परंतु कई बार वह विकास हम तक नहीं पहुंच पाता और सभी क्षेत्रों में इसका लाभ हमें नहीं मिल पाता कई क्षेत्र अछूते रह जाते हैं ऐसे में हमें अपने समाज के उत्थान और विकास हेतु प्रत्येक महीने एक निश्चित धनराशि समाज में बरार के रूप में जमा करना है जिससे कि समाज की विभिन्न प्रकार की समस्याओं का समाधान निकाला जा सके और समाज को विकसित किया जा सके । बरार की राशि अपने समाज के क्षेत्रीय इकाई अतखा पड़हा में जमा करने या अतखा पड़हा सक्रिय नहीं होने पर उससे ऊपर के इकाई डाड़ा / मूली / पादा / राजी के खाते में जमा किया जा सकता है। साल भर के एजेंडे का कैलेंडर बनाकर उसका पालन करना । बच्चों को अपने घर में बचपन से ही अपनी मातृभाषा कुड़ुख सीखने पर जोर देना है इत्यादि मुख्य रहा । समाज के सभी लोगों को उपरोक्त सभी बातों का पालन अपना कर्तव्य समझते हुए करने की बात की गई। टुन्टा संबंधित गीत प्रस्तुत किए गए और सामूहिक रूप से टुन्टा नृत्य किया गया।

कार्यक्रम में उरांव जनजाति समुदाय के लगभग ४०० से ५०० लोग उपस्थित रहे जिनमें मुख्य रूप से श्रीमती निर्मला प्रधान जी अध्यक्ष उरांव समाज समन्वय समिति भारत, ईश्वर प्रधान जी तहसीलदार , एफ आर भगत उरांव समाज सीतापुर, मंगल साय राम बेल मूली पड़हा कुसमी , लक्ष्मी प्रसाद निकुंज देवान मूली पड़हा कुसमी , श्री मंगल उरांव जी बेल मूली पड़हा अंबिकापुर , उमेश भगत देवान उरांव समाज अंबिकापुर , रामनाथ भगत संरक्षक उरांव समाज अंबिकापुर , बी एस भगत संरक्षक उरांव समाज अंबिकापुर, जगेश्वर भगत बेल डाड़ा पड़हा अंबिकापुर, डॉ लक्ष्मी निकुंज, डॉ अशोक भगत, बनवीर भगत कोटवार मूली पड़हा अंबिकापुर , गंगा राम टोप्पो, सुरेंद्र तिर्की युवा उपाध्यक्ष निरेन्द्र केरकेट्टा युवा कोषाध्यक्ष, नवीन भगत युवा सचिव, पल्लवी टोप्पो युवा उपसचिव इत्यादि सम्मिलित रहे।

नौकरानी को चोरी करते रंगे हाथ पकड़ पुलिस को सौंपा

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। रेलवे स्टेशन चौक में अग्रहरि स्टील संचालक सुभाष अग्रहरि के घर घरेलू कार्य करने वाली महिला कर्मी को मंगलवार को घर में कार्य करने के दौरान आलमीरा का लॉकर खोल चोरी करने के दौरान रंगे हाथ पकड़ उसके कब्जे से तीन हजार रु नगद रकम जप्त कर आरोपित नौकरानी को सुभाष अग्रहरि ने बिश्रामपुर पुलिस को सौंप दिया है।सुभाष की पत्नी पुष्पा अग्रहरि की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपित महिला कर्मचारी कुंजनगर निवासी मंजू निसा के खिलाफ धारा ३०६ बीएनएस की कार्यवाही की है।पुलिस ने बताया कि आरोपित महिला कर्मी ने घटना करना स्वीकार किया है जिसके बाद उसके खिलाफ केस दर्ज कर फिलहाल उसे चेक लिस्ट में छोड़ा गया है।

कश्मीर की रेल - एक नए कल की कहानी

-जया वर्मा सिन्हा-
पूर्व सीईओ और रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष

नई दिल्ली , 10 जून (ए)। छह जून की सुनहरी सुबह, गेंदे के फूलों से सुसज्जित, चमचमाती वन्दे भारत एक्सप्रेस, श्री माता वैष्णो देवी कटरा से श्रीनगर के लिए अपनी पहली यात्रा पर , प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा, हरी झंडी दिखाकर रवाना की गई। यह ट्रेन, जो अब हर सप्ताह छह दिन श्रीनगर और कटरा के बीच दो बार दौड़ती है, केवल एक आधुनिक परिवहन सेवा नहीं है—यह दशकों पुराने एक सपने का यथार्थ है। यह सपना था कश्मीर को भारत के शेष हिस्से से स्थायी रेल संपर्क के माध्यम से जोड ? का—एक संकल्प, जो इस्पात, तकनीक और दृढ़ इच्छाशक्ति से पूरा हुआ। आज यह ट्रेन पहाड़ों को चीरते हुए दौड़ती है, और अपने साथ लाती है रोजगार, पर्यटन, कारोबार और उम्मीदों की एक नई सुबह। भारतीय रेल ने अपने 172 वर्षों के गौरवशाली इतिहास में देश सेवा के अनेक कीर्तिमान स्थापित किए हैं। पीढ़ी-दर-पीढ़ी रेल कर्मचारियों ने निष्ठा के साथ रेल के ताने बाने को भारत के ओर-छोर तक पहुँचाया है। एक लोकप्रिय विज्ञापन की पंक्तियों को कुछ बदलते हुए कहें तो—भारतीय रेल सिर्फ पटरियां नहीं बिछाती, यह राष्ट्रीय एकता की बुनियाद का ताना-बाना भी बुनती है! दशकों से कश्मीर की कहानी को एक जटिल और पेचीदे अध्याय के रूप में देखा जाता रहा है। भूगोल, इतिहास, राजनीति और पडोसी मुल्क की पनाह में पनपते आंतकवाद के साये ने, इसे भारत के अन्य हिस्सों से कुछ पृथक ही रखा। कश्मीर की यात्रा भी एक चुनौती से कम नहीं रही - दुर्गम रास्ते, खतरनाक सड़कें, सीमित हवाई संपर्क और रेल, मात्र कल्पना! ब्रिटिश काल से ही कश्मीर को रेल से जोड ? की परिकल्पना की जा रही थी, जो दशकों तक केवल कागजों में ही सिमटी रही। स्वतंत्रता के पश्चात, अनगिनत विचार-विमर्श, अध्ययन, तकनीकी परीक्षणों और देशी-विदेशी विशेषज्ञों के परामर्श के बाद, 1994 में, उधमपुर श्रीनगर बारामुला रेल लिंक को आधिकारिक मंजूरी मिली। इस परियोजना को भू-राजनीतिक जटिलताओं ने बार-बार बाधित किया। फिर भी इस परियोजना के उत्तरी और दक्षिणी हिस्से तो पूरे हुए, लेकिन कटरा से बनिहाल तक का मध्य खंड एक बड़ी चुनौती बना रहा। यह खंड न केवल तकनीकी रूप से कठिन था, बल्कि इसमें सुरक्षा, पर्यावरण और भूगर्भीय बाधाएँ भी थीं। वर्ष-दर-वर्ष परियोजना दो हिस्सों में बंटी रही—जैसे एक-दूसरे को छूने के लिए गहरी घाटियों के कगार पर बाहें फैलाये हुए खड़ी हों। अंततः इस परियोजना को सरकार ने 'राष्ट्रीय प्राथमिकता' घोषित कर अंतिम पड़ाव तक पहुंचाने का दृढ़ संकल्प लिया - तब जाकर पहाड़ों की चुप्पी टूटी और फौलाद की नसें सुरंगो से गज ?ने लगीं। रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने सही ही कहा, यह केवल एक परिवहन परियोजना नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का कार्य था। परियोजना, भारतीय रेलवे की अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण और भव्य परियोजनाओं में से एक है। 272 किलोमीटर की इस रेललाइन में 40 सुरंगें और 900 से अधिक पुल शामिल हैं। इस परियोजना का प्रतीक चिन्ह है चिनाब रेलवे ब्रिज—दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल, जो समुद्रतल से 359 मीटर की ऊँचाई पर खड़ा है। यह पुल 260 किमी/घंटे तक की हवाएँ और तीव्र भूकंप के स्पन्दन को भी सहन करने की क्षमता रखता है। साथ ही, यहाँ स्थित है अंजी खड्ड पुल — भारत का पहला 'केबल-स्टे' रेल पुल — जो 193 मीटर ऊँचे एक स्तम्भ से जुड़ी 96 केबलों के सहारे, घाटी से 331 मीटर की ऊंचाई पर टिका हुआ है। कश्मीर के संत्री कहे जाने वाली पीर पंजल पर्वतमाला के हृदय को भेदती, 11 किलोमीटर से लंबी, 'टी-80 सुरंग', बनिहाल को काजीगुंड से जोड़ती है। ऐसी अनेकों सुरँगों और पुलों से निर्मित यह रेलवे लाइन गाथा सुनाती है, न सिर्फ इंजीनियरिंग तकनीक की, बल्कि मानव संकल्प, साहस और दृढ निश्चय की - आसमान को फौलाद की चुनौती देती यह रेलवे लाइन जोड़ती है देश को कश्मीर से कन्याकुमारी तक!

भारतीय रेल का सबसे नया सितारा, कटरा को श्रीनगर से जोड़ता वन्दे भारत एक्सप्रेस का सफर, मात्र एक यात्रा नहीं, एक वृतांन्त है। यह घाटियों और पर्वतों को लांघता, दूरियां घटाता, घोषणा करता है कि कश्मीर अब दूर नहीं! छह घंटो से अधिक समय लेता, दुर्गम घाटियों, पेचीदे मोड़ों और मौसम की मार सहता, सड़क का सफर, अब रेल के काँधे पर, मात्र आधे समय में, आरामदेह कुर्सियों पर, चाय की चुस्कियों के साथ गुज ?ता है। ट्रेन के पहियों का संगीत, न केवल शहरों को जोड़ता है बल्कि संजोता है उम्मीदों को, जिन्दगियों को, तरक्की को।

पार्थो सरकार सचिव व सजल नन्दी बने अध्यक्ष

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। साउथ ईस्ट सेन्ट्रल रेलवे मजदूर कांग्रेस ओपन लाइन शाखा का द्विवार्षिक अधिवेशन शनिवार सात जून को मंडल रेल प्रबंधक परिसर प्रेम कार्यालय बिलासपुर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिलासपुर मंडल समन्वयक एवं संयुक्त महामंत्री विजय अग्निहोत्री ने किया । अधिवेशन के शुरूआत में गौरी शंकर आइच के द्वारा शाखा के कामकाज का रिपोर्ट पेश किया किया गया एवं कोषाध्यक्ष एके चंद्रा ने वित्तीय लेखा जोखा प्रस्तुत किया । इस दौरान नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया।अधिवेशन में संयुक्त महामंत्री बी कृष्ण कुमार ,केंद्रीय कोषाध्यक्ष डी के स्वाइन ,जोनल उपाध्यक्ष डी डी महेश, संयुक्त महामंत्री गौरी शंकर आइच , सचिव एम डब्ल्यू इस्लाम, राजेश सोनकर एवं राणा नंदी ने भाग लिया। अधिवेशन में रेल कर्मचारियों की समस्याओं, संगठन के संघर्ष और भावी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम का सफल संचालन डिविजनल रनिंग स्टाफ ब्रांच सचिव,अतिरिक्त संयुक्त महामंत्री, अर्बन बैंक डायरेक्टर श्री आर के यादव ने किया।

घोषित नई कार्यकारणी में चयनित प्रमुख पदाधिकारियों में सजल नंदी शाखा अध्यक्ष, पार्थो सरकार शाखा सचिव, एके चंद्रा कोषाध्यक्ष , रूपक दास एवं राजेश सोनी उपाध्यक्ष, विशाल दमाही, अनुराग तिवारी, वेणु गोपाल राव एवं जी चंद्र साई किरण सहायक सचिव , चंद्र शेखर झा एवं युवराज नायडू को संगठन सचिव की जवाबदेही सौंपी गई है। एस के राय चौधरी एवं मानवेंद्र सिंह आवास समित सदस्य नामित किए गए । इस दौरान नई कार्यकारणी ने कर्मचारियों के हक और सम्मान की लड़ाई को पूरे जोश और समर्पण से आगे ले जाने का संकल्प लिया। शाखा सचिव ने कहा की हम एकजुट होकर हर अन्याय का संगठित प्रतिरोध करेंगे। शाखा अध्यक्ष सजल नंदी ने कहा कर्मचारी की जायज मांग ओपीएस की लड़ाई को और तेज करना होगा।

मुख्यमंत्री साय ने एएसपी आकाश राव गिरपुंजे के पार्थिव शरीर को कंधा देकर दी अंतिम विदाई

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज सुकमा जिले के कोंटा में नक्सलियों द्वारा किए गए कायरतापूर्ण आईईडी विस्फोट में शहीद हुए एएसपी श्री आकाश राव गिरपुंजे को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें अंतिम विदाई दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने माना स्थित चौथी वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल परिसर पहुंचकर शहीद के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा शहीद के पार्थिव शरीर को कंधा देकर सम्मानपूर्वक विदाई दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने शहीद श्री गिरपुंजे के शोक-संतप्त परिजनों से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएँ प्रकट कीं और उन्हें इस कठिन समय में ढांढस बंधाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीद एएसपी श्री आकाश राव गिरपुंजे ने अपने कर्तव्य के प्रति अदम्य साहस, निष्ठा और समर्पण का परिचय देते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया है। हमें उन पर गर्व है। सरकार इस दुःख की घड़ी में उनके परिवार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि लगातार हो रही सुरक्षाबलों की सफल कार्रवाइयों से नक्सली बौखलाए हुए हैं। छत्तीसगढ़ सरकार इस चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शहीद श्री गिरपुंजे की वीरता और देशभक्ति को सदैव याद रखा जाएगा।

मुख्यमंत्री के साथ इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, वन मंत्री श्री केदार कश्यप, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा, अपर मुख्य सचिव गृह विभाग श्री मनोज कुमार पिंगुआ, पुलिस महानिदेशक श्री अरुण देव गौतम, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, शहीद के परिजन, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे।

तेज डायग्नोस्टिक/ब्लड बैंक (सेंटर)
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल
बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)

डॉ. भुवन शर्मा
MD, DM (Neurology)
• लकवा, पैरालिसिस, मिर्गी एवं सिर दर्द का इलाज
• दिमागी बुखार, भूलने की बीमारी (अल्जाइमर रोग)
• पार्किंसन बीमारी, गर्दन, बांह और पैरों का दर्द

डॉ. बी. मिंज
MBBS,MD, FIPM
• कमर दर्द, गर्दन, पीठ का दर्द एवं हाथ का दर्द
• जोड़ों का दर्द, टेनिस एल्बो, एड़ी का दर्द

डॉ.संजय कुमार अग्रवाल
MBBS, MD, Medicne (Delhi)
DM (Gastro) BHU Varanasi
पेट एवं आंत रोग विशेषज्ञ
+ गैस, उल्टी की समस्या, भूख न लगना, पेट दर्द
+ पीलिया, पित्त की समस्या, क्रोनिक पेनक्रियटाइटिस
+ सीने में जलन, खाना एवं पानी का अटकना

सरगुजा संभाग की सर्वप्रथम एवं एकमात्र
1.5 Tesla MRI All Diagnostic Facilites

डॉक्टर्स हाउस @ सरगुजा
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल - II

डॉ.महावीर सिंह जौहरी
MBBS,MS,DNB (Haderbad)
FEN (Jabalpur), CNETS AIIMS (Delhi)
• ब्रेन ट्यूमर, निंद की कमी, मस्तिष्क सम्बन्धी समस्या
• स्लीपडिस्क, स्पाइन की समस्या
• हाथ, पीठ, तानु या पैर में दर्द, पैर सुन्न होना

08 जून 2025, प्रत्येक माह के दूसरे रविवार

अग्रिम पंजीयन हेतु सम्पर्क करें
07774222555,9425583780,9826183780,
8224007799,8718003300,6262639090

आयुष्मान योजना द्वारा भर्ती, सर्जरी, उपचार एवं जांच की सुविधा उपलब्ध

◆◆◆---अपना बाजार---◆◆◆

"M.S., E.N.T."
नाक, कान, गला
दूरबीन से प्रतिदिन नाक, कान, गला की जांच की जाती है
रोगों के वरिष्ठ अनुभवी चिकित्सक (अत्याधुनिक उपकरणों की सुविधा) के साथ
प्रतिदिन उपलब्ध
समय-दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक
कान एवम् बहरेपन की सम्पूर्ण जांच की जर्मनी की अत्याधुनिक मशीन द्वारा।
कान की मशीन उत्कृष्ट क्वालिटी एवं दो साल की वारण्टी के साथ अत्यन्त रियायती मूल्यों पर उपलब्ध।
आडियोमेट्री की जांच एवम् सेवाए नियमित उपलब्ध
विशेष- नाक, कान, गले से संबंधित सभी प्रकार के आपरेशन (सर्जरी) की सुविधा स्मार्ट कार्ड द्वारा उपलब्ध।
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

विज्ञापन के लिए जगह रिक्त है

माता राजरानी मेमोरियल ¼MRM½ हॉस्पीटल
RSBY/MSBY
(स्मार्ट कार्ड) द्वारा भर्ती एवं इलाज की सुविधा उपलब्ध
स्थान - बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर,
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

बच्चों के N.I.C.U. सुविधा
नवजात बच्चों को गहन चिकित्सा कक्ष की सुविधा।
24 घंटे विशेषज्ञों की देख-रेख में वेंटीलेटर, सी-पेप एवं अन्य अत्याधुनिक उपकरणों से युक्त नियोनेटल केयर यूनिट
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

एम.एस. जनरल सर्जन
हॉर्निया, हाईड्रोसिल, एपेण्डीक्स, पाईल्स, पथरी एवं सभी प्रकार की जनरल सर्जरी एवं हर प्रकार के आपरेशन की सुविधा प्रतिदिन
fo'k"k & RSBY & MSBY
(स्मार्ट कार्ड) की सुविधा उपलब्ध
-: प्रतिदिन उपलब्ध:-
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

प्रतिदिन फिजिशियन परामर्श
डायबिटिज (शुगर/मधुमेह), हृदय संबंधी समस्त रोग, सभी प्रकार के हार्मोन्स विकार (थाइराईड), समस्त प्रकार के इंफेक्शन (सर्दी, खांसी, बुखार, ब्लड प्रेशर (हायपरटेंशन)), एनीमिया, सिकलिंग, थैलीसीमीया, टी.बी., श्वसन एवं छाती संबंधी समस्त रोग, पाचन एवं पेट, लीवर, किडनी (गुर्दा), सिर, मस्तिष्क एवं नस संबंधी समस्त रोग एवं सभी प्रकार के पुराने रोगों के उपचार हेतु उपलब्ध रहेंगे...
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

सभी बीमारियों के
विशेषज्ञ चिकित्सक नियमित उपलब्ध
डॉक्टर्स हाउस
रानी तालाब के सामने, गेहूं बाड़ी के आगे
शासकीय अस्पताल रोड, अम्बिकापुर
मो.-94255-83780, 62626-39090, 62626-39191
फोन 07774222555

पतंजली सेवा केन्द्र
पतंजली के सभी प्रोडक्ट पर 2 से 10 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध
निः शुल्क डॉक्टर (वैद्य) परामर्श सेवा प्रतिदिन उपलब्ध
सुबह 10.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर, तेज मेडिकल के सामने
सम्पर्क नम्बर- 9425583780, 9522629990
आपसे विनम्र निवेदन है कि जरूरतमंद मरीजों तक इसकी जानकारी देने की कृपा करें।
आपके सहयोग एवं सलाह के लिए हृदय से धन्यवाद।

आधुनिक मशीनों एवम् विश्वसनीय जांच 24 घंटे उपलब्ध
एम.आर.आई | ब्लड बैंक सुविधा (24 घंटे)
सीटी स्कैन | ई.ई.जी, ई.सी.जी.
सोनोग्राफी | टीकाकरण की सुविधा
टी.एन.टी. | प्रतिदिन
आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित कम्प्यूटरीकृत पैथोलॉजी लैब
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

SRS HOSPITAL
न्यूनतम दर, उच्चतम सेवा
हमारी उच्च स्तरीय स्वस्थ्य सेवाएं
• जनरल मेडिसिन, सर्जरी रोग, हड्डी रोग, स्त्री रोग, नेत्र रोग, एवं बाल ह्रदय रोग
• सभी प्रकार के सर्जरी की सुविधा आयुष्मान कार्ड द्वारा उपलब्ध है
• 24X7 आपातकालीन सुविधा
• क्रिटिकल केयर एवं ट्रामा केयर
• एडवांस आई. सी. यू. यूनिट
• निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा
• 24X7 फार्मेसी एवं डायग्नोस्टिक सेवाएं उपलब्ध
आयुष्मान भारत कार्ड द्वारा इलाज की सुविधा उपलब्ध
More Information call us
+91 96176 05000, +91 70499 85558
जिला अस्पताल रोड, मणिपुर स्कूल के पास अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ. ग.)

आपके नगर अम्बिकापुर में अब प्रतिदिन विशेषज्ञ उपलब्ध
मानसिक एवं नशामुक्ति विशेषज्ञ
समय-दोपहर 2 बजे से 6 बजे तक
रोग : डिप्रेशन, उदासी, चिंता, घबराहट, सरदर्द, माइग्रेन, मिर्गी, झटका, बेहोशी, कम एकाग्रता, नींद की कमी, असामान्य व्यवहार, पागलपन, शराब व अन्य नशे की लत, गर्दन दर्द, कमर दर्द, नस मांसपेशियों में दर्द, बच्चों में चंचलता, मंदबुद्धि आदि से संबंधित बीमारियों के परामर्श एवं उपचार हे
पता : माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल/ तेज डायग्नोस्टिक से
पुराना बस स्टैण्ड, बाबूपारा, जोड़ा तालाब के पास, अम्बिकापुर मो.नं. 07774-222999, 8224007799, 98261

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) के तहत हृदय रोग के 24 बच्चों को भेजा गया रायपुर

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कपिल देव पैकरा के मार्गदर्शन में जिला से राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) के तहत हृदय रोग के चिन्हांकित २४ बच्चों को रायपुर के सत्य साई अस्पताल, ०३ कटे-फटे हॉट एवं तालू, न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट, नेजल ट्यूमर,हाईड्रोसेफेलस, क्लब फुट तथा किडनी रोग के बच्चों को मेडिकल कॉलेज रायपुर ईलाज हेतु आर.बी.एस.के. टीम की देखरेख में शासकीय वाहन से भेजा गया।

पार्थो सरकार सचिव व सजल नन्दी बने अध्यक्ष...पेज 11

मना हिंदू साम्राज्य दिवस ......

हिंदू साम्राज्य दिवस केवल एक उत्सव नहीं बल्कि हिंदू जागरण का प्रतीक

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। नगर पंचायत जरही में स्थित सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल परिसर में सोमवार को हिंदू संगठनों द्वारा हिंदू साम्राज्य दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन के मुख्य अतिथि प्रदेश भाजपा संगठन महामंत्री पवन साय रहे, वहीं मुख्य वक्ता के रूप में स्वामी परमात्मानंद गिरी जी महाराज (पेंड्रा वाले) ने उद्बोधन दिया।कार्यक्रम की शुरूआत भारत माता और छत्रपति शिवाजी महाराज के छायाचित्र पर माल्यार्पण से की गई। ध्वज प्रणाम और प्रार्थना के साथ वातावरण राष्ट्रभक्ति और गौरव से ओतप्रोत हो गया। आयोजन से पहले भव्य बाइक रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। बाइक रैली के माध्यम से मुख्य अतिथि का जोरदार स्वागत किया गया।प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने कहा कि च्छत्रपति शिवाजी महाराज ऐसे युग पुरुष थे जिन्होंने माताजी जीजाबाई के आदर्शों पर चलकर हिंदुत्व की रक्षा का संकल्प लिया। उनके पिता मुस्लिम शासक में सेना थे, इसके बावजूद उन्होंने बाल्यकाल से ही हिंदवी स्वराज की स्थापना का सपना देखा और उसे साकार किया। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में कई युद्ध लड़े और विजय प्राप्त की।

स्वामी परमात्मानंद गिरी जी महाराज ने अपने संबोधन में कहा, हिंदू साम्राज्य दिवस केवल एक उत्सव नहीं बल्कि हिंदू जागरण का प्रतीक है। शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक मुगलों की सत्ता के समय हुआ, जब कोई भी ब्राह्मण उनका राज्याभिषेक करने को तैयार नहीं था। तब भी शिवाजी डटे रहे और हिंदू स्वाभिमान को स्थापित किया। जीजाबाई की प्रेरणा से ही शिवाजी ने स्वराज्य की नींव रखी। आज की माताओं को उनसे सीख लेनी चाहिए जो बच्चों को मोबाइल के बजाय प्रेरणादायक कहानियां सुनाएं।ज्कार्यक्रम में अमृतवाणी वाचन प्रदीप यादव ने किया और एकल गीत सत्येंद्र गुप्ता द्वारा प्रस्तुत किया गया। मुख्य शिक्षक इंद्रजीत देवांगन और प्रार्थना प्रमुख निलेश नाविक ने आयोजन को व्यवस्थित किया।इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष सूरजपुर मुरली मनोहर सोनी, बलरामपुर जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल, प्रतापपुर विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते, जिला पंचायत अध्यक्ष चंद्रमणि देवपाल पैकरा, नगर पंचायत अध्यक्ष परमेश्वरी राजवाड़े,सुरजन प्रजापति, मुकेश सिहं, प्रताप मरावी, रमेश गुप्ता, अशोक गुप्ता सहित हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम के संरक्षक पूरन राम राजवाड़े, संयोजक लाल साय सिंह पावले, रूपचंद देवांगन, आलम साय राजवाड़े, राजू विश्वकर्मा, सुखसागर राजवाड़े, हिमांशु सिंह, प्रवीण सिंह ,विरेंद्र गुप्ता ,कमल राजवाड़े ,शिवचरण सोनपाकर,पवन राजवाडे सहित दर्जनों कार्यकताओं की सक्रिय भूमिका रही।

प्रेमनगर में कांग्रेस ने निकाली संविधान बचाओ रैली, सभा में भाजपा पर साधा निशाना

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदेशभर में चलाए जा रहे "संविधान बचाओ अभियान" के तहत जिले के प्रेमनगर ब्लॉक मुख्यालय में एक भव्य रैली एवं जनसभा का आयोजन किया गया। इस आयोजन में कांग्रेस कार्यकताओं, पदाधिकारियों, महिला मोर्चा, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई आदि ने भाग लिया।रैली का शुभारंभ प्रेमनगर स्थित कांग्रेस कार्यालय से हुआ, जहाँ से कार्यकताओं ने हाथों में तिरंगा और संविधान की प्रति लेकर संविधान बचाओ, देश बचाओ की नारेबाजी करते हुए साप्ताहिक बाजार पहुंचे। रैली में"संविधान बचाओ झ्र देश बचाओ", "लोकतंत्र नहीं तो कुछ नहीं", "अंबेडकर का सपना झ्र सबका अधिकार अपना" जैसे नारे गूंजते रहे। रैली के माध्यम से जनता को भारतीय संविधान की मूल भावना, उसकी रक्षा और लोकतंत्र के महत्व के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया।साप्ताहिक बाजार होते हुए यह रैली आम सभा स्थल पर पहुँची, जहाँ जनसमूह को संबोधित करने के लिए एक विशाल मंच तैयार किया गया था। सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रदेश सचिव वह जिला पंचायत उपाध्यक्ष नरेश राजवाड़े ने कहा कि कि वर्तमान केंद्र सरकार संविधान की मूल आत्मा को नष्ट करने पर लगा हुआ है और लगातार ऐसे कदम उठा रही है जो लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक न्याय, आरक्षण और नागरिक अधिकारों को कमजोर करते हैं। वही युवा कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव ने सुश्री शशि सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि "देश का संविधान खतरे

◆ लगाया संविधान को कमजोर करने का आरोप

में है। जिन नेताओं ने आजादी के बाद इसे बनाने में योगदान दिया, जिन्होंने इसके लिए संघर्ष किया, आज उन्हीं के बनाए संविधान को तोड़-मरोड़ने की कोशिश की जा रही है। यह केवल एक राजनीतिक लड़ाई नहीं, बल्कि देश के भविष्य की लड़ाई है। हमें एकजुट होकर संविधान की रक्षा करनी होगी।" कांग्रेस नेत्री उषा सिंह ने भी भाजपा सरकार के ऊपर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा संविधान से खिलवाड़ कर रही है च्संविधान सिर्फ एक किताब नहीं, यह देश के हर नागरिक की आत्मा है। अगर संविधान नहीं बचा तो न तो आरक्षण बचेगा, न ही अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता। जो सरकार इस पर हमला कर रही है, उसे लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देना होगा।सभा में महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, सेवादल, एनएसयूआई और अनुसूचित जाति विभाग के नेताओं ने भी अपने विचार रखते हुए संविधान के महत्व को बताया और आम जनता से आह्वान किया कि वे ऐसे किसी भी प्रयास का विरोध करें जो संविधान को कमजोर करता हो।कार्यक्रम में मुख्य रूप से वरिष्ठ कांग्रेसी नेता इस्माइल खान ,पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जगते, तुलसी यादव, से जिला अध्यक्ष आकाश साहू,ब्लॉक अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रदीप सिंह ,आलोक जागते, अशोक देवांगन पवन दीवान, रोहित कनोजे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना पर पीड़ित परिवार को जल्द मुआवजा दिलाने इ-डार पर फौरन भरे डिटेल जानकारी.....प्रशांत

०० ई-डार यानि इलेक्ट्रॉनिक डिटेल्स एक्सीडेंट रिपोर्ट पर हुआ प्रशिक्षण सत्र का आयोजन

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। ई-डार यानि इलेक्ट्रॉनिक डिटेल्स एक्सीडेंट रिपोर्ट के कार्यो को गति दिये जाने को लेकर डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर जिले के थाना-चौकी प्रभारियों, सीसीटीएनएस ऑपरेटरों, पीडब्ल्यूडी, आरटीओ विभाग के अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। सड़क दुर्घटना में मृत लोगों के परिजनों को समय पर मुआवजा भुगतान के लिए आइरेड और इ-डार पर दुर्घटना संबंधित रिपोर्ट थाना द्वारा अपलोड करनी होती है। प्रशिक्षण में स्टेप बाइ स्टेप जानकारी अपलोड करने की जानकारी दी गई।इस ऑनलाइन एप पर सड़क दुर्घटना की रिपोर्ट के अपलोड करने में विलम्ब होने के कारण मृतक के परिवार को मुआवजा भुगतान में विलंब होता है। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर के संज्ञान में यह बात सामने आयी तो उन्होंने सड़क दुर्घटना में पीड़ित परिवार को जल्द मुआवजा दिलाने इस प्रशिक्षण का आयोजन कराया। उन्होंने बताया कि इस सॉफ्टवेयर पर डाटा अपलोड नहीं हो पाने के कारण मुआवजा भुगतान में विलंब होता था इसलिए यह प्रशिक्षण दिलाया गया ताकि पीड़ित पक्ष को शीघ्र मुआवजा उपलब्ध हो सके। इस पोर्टल के पीछे शासन का मकसद यह है कि डिजिटल सिस्टम का फायदा लोगों को मिले और पीड़ित परिवार के लोगों को मुआवजा भुगतान में परेशानी ना हो।एनआईसी के आई-रेड एवं इ-डार के ड्रिस्टिक रोलआउट मैनेजर जयप्रकाश मेश्राम ने प्रशिक्षण दिया। उन्होंने जानकारी दी कि ई-डार रिपोर्ट में एक से लेकर १० तक फॉर्मेट भरना जरूरी है। इसे भरने की जानकारी दी। सभी फॉर्मेट को संबंधित मामले के अनुसंधानकर्ता द्वारा ही भरा जाना है। फॉर्मेट एक को पुलिस अनुसंधानकर्ता के हस्ताक्षर से अपलोड किया जाना है। ज्ञात वाहन से मौत होने पर ई-डार पर रिपोर्ट करने के बाद पीड़ित परिवार को मुआवजा दिये जाने का प्रावधान किया गया है। पुलिस अनुसंधानकर्ता द्वारा ई-डार के सभी फॉर्मेट भरना जरूरी है। प्रशिक्षण में यह भी बताया गया कि अज्ञात वाहन से मौत होने पर डीटीओ कार्यालय द्वारा प्रक्रिया करना होता है। जबकि ज्ञात वाहन से मौत होने पर मुआवजा आवेदन की जिम्मेदारी संबधित अनुसंधानकर्ता को दी गयी है। जिले के सभी चौकी व थाना में ई-डार के एक नोडल पुलिस पदाधिकारी बनाए गए हैं। उन्हें जिम्मेदारी दी गयी है कि केस आईओ से समन्वयक बनाकर ई-डार के फॉर्मेट में सभी कॉलम को पूरा करवाएं। इस दौरान सीएसपी एस.एस.पैंकरा, एसडीओपी प्रतापपुर सौरभ उईके, एसडीओपी प्रेमनगर नरेन्द्र सिंह पुजारी, एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा, डीएसपी अजाक पीडी कुजूर, डीएसपी अनूप एक्का, रितेश चौधरी, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी, जिले के थाना-चौकी प्रभारी, जिला पुलिस कार्यालय के अधिकारी व सीसीटीएनएस ऑपरेटर मौजूद रहे।

9 माह के पुत्र की हत्या व पत्नी पर प्राणघातक हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। ग्राम चंदरपुर भटगांव के राजसाय बखला ने थाना भटगांव में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक ०९.०६.२०२५ की सुबह ५ बजे इसका भतीजा शिवराम टोप्पो अपनी पत्नी एवं ९ माह के पुत्र को टांगी से प्रहार कर पत्नी के चेहरे में दोनों तरफ तथा पुत्र को गंभीर चोट पहुंचाया था जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय सूरजपुर लाया गया जहां ९ माह के बालक की मृत्यु हो गई। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायमी उपरान्त धारा १०३(१), १०९(१) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया।डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। थाना भटगांव पुलिस ने मामले की विवेचना करते हुए दबिश देकर आरोपी शिवराम टोप्पो पिता स्व. चलितर टोप्पो उम्र २१ वर्ष ग्राम चंदरपुर थाना भटगांव को पकड़ा। पूछताछ पर उसने टांगी से प्रहार कर ९ माह के बालक की हत्या करना एवं पत्नी को प्राणघातक चोट पहुंचाना स्वीकार किया जिसके निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त टांगी जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व डीएसपी रितेश चौधरी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी भटगांव सरफराज फिरदौसी व उनकी टीम सक्रिय रही।

युक्तियुक्तकरण को लेकर सड़क पर उतरे शिक्षक,निकाली रैली

०० टारगेट पर डीईओ, धांधली का आरोप, कार्रवाई और काउंसलिंग निरस्त करने की मांग

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले में शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण के नाम पर चल रही काउंसलिंग प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर धांधली, अनियमितता और शासन के निर्देशों की अवहेलना के मामले को लेकर आज यहां शिक्षक साझा मंच ने प्रदर्शन करते हुए रैली निकाली और कलेक्टर को सौंपे गए एक ज्ञापन में जिला शिक्षा अधिकारी को सीधे तौर पर दोषी ठहराते हुए सम्पूर्ण दूषित प्रक्रिया को तत्काल निरस्त करने की मांग की है। सौंपे गए ज्ञापन में शिक्षकों के अनुसार काउंसलिंग में जो वरिष्ठता सूची जारी की गई वह पूरी तरह त्रुटिपूर्ण रही। लगातार आपत्ति के बावजूद जिला शिक्षा अधिकारी ने संशोधन नहीं किया। नतीजा यह हुआ कि कई शिक्षक गलत वरिष्ठता क्रम में आ गए और उनके भविष्य के साथ खुला खिलवाड़ हुआ। कई ऐसे विद्यालयों के पद दिखाए गए जहाँ पहले से शिक्षक कार्यरत हैं। वहां पदांकित नए शिक्षकों को कार्यभार ग्रहण ही नहीं करने दिया गया। इससे उनका भविष्य संकट में पड़ गया, जबकि शासन ने स्पष्ट निर्देश दिए थे कि केवल रिक्त पदों पर ही पोस्टिंग हो। शासन के निर्देशों के बावजूद जिले में आज भी अनेक शिक्षक विहीन व एकल शिक्षकीय स्कूल खाली पड़े हैं। जिला शिक्षा विभाग ने एकल व रिक्त स्कूलों को नजरअंदाज कर अधिक दर्ज संख्या वाले स्कूलों को वरीयता दी, जिससे शिक्षा व्यवस्था चौपट हो रही है। हाई स्कूल व हायर सेकेण्डरी स्कूलों में भी अतिशेष शिक्षकों की सूची में भारी गड़बड़ी सामने आई है। सूत्रों के अनुसार यहाँ भी "चहेतों" को लाभ पहुँचाने के लिए सूची में हेरफेर किया गया। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि महिला शिक्षिकाओं के वरिष्ठता को दरकिनार कर पुरुष शिक्षकों को पहले बुलाकर पदस्थापना दे दिया गया। परिणामस्वरूप कई महिला शिक्षिकाओं को मजबूरी में दूरस्थ स्थानों पर जाना पड़ा या फिर उनके लिए पद ही नहीं बचे। काउंसलिंग के दौरान सेजस स्कूल में भी नियम विरुद्ध तरीके से पदस्थापना कर दी गई। इससे भी सरकार के दिशा-निर्देशों की धज्जियां उड़ीं। अतिशेष शिक्षकों को चिन्हांकित करने के बाद उन्हें दावा-आपत्ति का अवसर तक नहीं दिया गया। इससे शिक्षकों को बड़ी परेशानी झेलनी पड़ी। ज्ञापन में यह भी आरोप है कि मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देशों कि सबसे पहले शिक्षक विहीन व एकल शिक्षकीय विद्यालयों को भरना है का खुलेआम उल्लंघन हुआ है। परिणामस्वरूप आज भी जिले में सैकड़ों बच्चे बिना शिक्षक के पढ़ने को मजबूर होंगे। इतना ही नहीं, शासन के स्पष्ट आदेश के बावजूद १९३२ में स्थापित ऐतिहासिक प्राथमिक शाला सलका का समायोजन कर दिया गया, जो कि नियम विरुद्ध है। शिक्षक साझा मंच ने मांग की है कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, दोषी जिला शिक्षा अधिकारी व कर्मचारियों पर कठोर कार्रवाई हो और वर्तमान दूषित काउंसलिंग प्रक्रिया को अविलंब निरस्त किया जाए। सौंपे गए ज्ञापन पर यदि कोई कार्यवाही नहीं होती है तो? १६ जून से शाला प्रवेशोत्सव का बहिष्कार और उग्र आंदोलन की चेतावनी दी गई है। ज्ञापन सौंपने के दौरान शिक्षक साझा मंच सूरजपुर के जिला संचालक सचिन त्रिपाठी, यादवेन्द्र दुबे,भूपेश सिंह,विजय साहू, गोपाल विश्वकर्मा,निर्मल भट्टाचार्य और राजकुमार सिंह सहित सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से अपने घर के छत पर 300 यूनिट तक बिजली का उत्पादन

०० सोलर प्लांट लगाने के लिए ३० हजार से ७८ हजार रूपए तक का अनुदान

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से अपने घर के छत पर ही ३०० यूनिट प्रतिमाह मुफ्त बिजली उत्पादन किया जा सकता हैं। इसके लिए उपभोक्ताओं को सस्ते ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध किया जा रहा है। इसके साथ ही अधिकतम ७८ हजार रूपए का अनुदान भी किया जाता है। हमारे सौर मंडल में ऊर्जा का सबसे बड़ा स्त्रोत सूर्य है। सौर ऊर्जा को ग्रीन एनर्जी भी कहते हैं, क्योंकि इससे बिजली उत्पादन में प्रदूषण नहीं होता। यदि लोगों के घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाकर सौर ऊर्जा का उत्पादन किया जाए तो यह बिजली आम जनता को निःशुल्क मिलेगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना शुरू की है। जिसके तहत मार्च २०२७ तक देश के एक करोड़ घरों में रूफ टॉप सोलर प्लांट लगवाने का संकल्प लिया गया है। इस संकल्प को पूरा करने के लिए छत्तीसगढ़ में ५ लाख रूफ टॉप सोलर प्लांट लगाने का लक्ष्य रखा है। एक से तीन किलोवॉट तक का सोलर प्लांट लगाने के लिए ३० हजार से ७८ हजार रूपए तक का अनुदान दे रही है। तकनीकी रूप से तीन किलोवॉट के सोलर प्लांट में हर माह औसतन ३०० यूनिट बिजली का उत्पादन होगा। छत पर उत्पादित पूरी बिजली, यदि आपके घर में उसी माह उपयोग नहीं होती तो वह सीएसपीडीसीएल के ग्रिड में संरक्षित कर आगामी माह के उपयोग हेतु उपलब्ध रहेगी। जिसका फायदा लाभार्थी घरेलू उपभोक्ता को निरंतर प्राप्त होता रहेगा। उपभोक्ता पीएम सूर्यघर योजना के पोर्टल या मोबाइल ऐप में जाकर पंजीयन कराएं और इस योजना के सभी लाभ ले सकते हैं। यह योजना बिजली बिल हाफ नहीं बल्कि बिजली बिल समाप्त कर देगी। यानी आपको ३ किलोवॉट के सोलर प्लांट पर ३०० यूनिट बिजली हर माह मुफ्त मिलेगी। आप खुद बिजली के उत्पादक भी हैं और उपभोक्ता भी।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत लाभार्थियों को ७८ हजार रूपए तक अनुदान सीधे उनके बैंक खाते में ट्रांसफर किया जाएगा। इस योजना से बिजली बिल कम और नवीन रोजगार सृजन होगा तथा अक्षय ऊर्जा के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। योजनांतर्गत औसत मासिक विद्युत खपत ०-१०५ यूनिट के लिए १-२ किलो वॉट के रूफटॉप सोलर प्लांट क्षमता हेतु ३० हजार रूपए से ६० हजार रूपए तक का अनुदान दिया जाएगा।

औसत मासिक विद्युत खपत १५०-३०० यूनिट के लिए २-३ किलो वॉट के रूफटॉप सोलर प्लांट क्षमता हेतु ६० हजार रूपए से ७८ हजार रूपए तक का अनुदान। औसत मासिक विद्युत खपत ३०० से अधिक यूनिट के लिए ३ किलो वॉट से अधिक रूफटॉप सोलर प्लांट क्षमता हेतु ७८ हजार रूपए तक का अनुदान। ग्रुप हाऊसिंग सोयायटी एवं निवासी कल्याण संघ के लिए १८ हजार रूपए प्रति किलोवाट अनुदान का प्रावधान है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से लाभान्वित होने आवेदन करने की प्रक्रिया -

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के लिए आवेदन की प्रक्रिया ५ स्टेप में की जा सकती है। पहले स्टेप में सबसे पहले पोर्टल www.pmsuryaghar. gov.in पर रजिस्टर व पंजीयन कराना होगा। अपने राज्य का चुनाव कर इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी, इलेक्ट्रिसिटी कन्ज्यूमर नंबर का चुनाव करना होगा। अपना मोबाईल नंबर और मेल आईडी प्रविष्ट करना होगा। स्टेप-२ में कन्ज्यूमर नंबर और मोबाईल नंबर से लाग-इन कर रूफटॉप सोलर के लिए आवेदन कर सकते हैं। स्टेप-३ में अब अपूर्वल के लिए इंतजार करना होगा एवं विद्युत विभाग में पंजीकृत वेंडर से ही सौर संयंत्र लगवायें। स्टेप-४ में एक बार इंस्टालेशन पूरा हो जाने पर प्लांट का विवरण जमा करना होगा और नेट मीटर के लिए ओवदन करना होगा। स्टेप ५ में नेट मीटर की स्थापना और डिस्कॉम द्वारा निरीक्षण के बाद पोर्टल से प्रमाण पत्र प्रदान किया जायेगा। स्टेप-६ में कमिशनिंग रिपोर्ट प्राप्त कर, अपना बैंक खाता विवरण तथा निरस्त चेक पोर्टल के माध्यम से जमा करना होगा। जिसके पश्चात कुछ ही दिनों के भीतर आपको सब्सिडी प्राप्त हो जायेगी।